जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 46 प्रभात बीकानेर, शुक्रवार 6 सितम्बर, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

'सेबी चेयरमैन की ''इन्टिग्रिटी'' (ईमानदारी) पर सवाल उठना देश की इकॉनमी के लिए घातक'

'अगर स्टॉक एक्स्चेंज की विश्वसनीयता पर संदेह होने लगा तो विदेश से स्टॉक एक्स्चेंज में पैसा आना बंद हो सकता है'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 सितम्बर। सेबी अध्यक्ष माधबी बुच के खिलाफ आरोपों को लेकर दबाव को जारी रखते हुए, कांग्रेस ने आज इस मामले में स्वतन्त्र जाँच की मांग की तथा दृढ़तापूर्वक कहा कि इस मामले की जाँच कराया जाना राष्ट्र-हित में है क्योंकि विदेशी निवेशकों को चिन्ता हो रही है। उन्हें भारत के स्टॉक मार्केट की ईमानदारी के बारे में सन्देह हैं।

विपक्षी दल ने कहा कि सेबी अध्यक्ष बुच को अलग रखते हुए, स्वतंत्र जाँच बहुत जरूरी है। तभी भारत के स्टॉक मार्केट के बारे में, तथा प्रकारान्तर से भारत को अर्थव्यवस्था में, विश्वास एवं भरोसे की बहाली हो सकती है।

प्रोफेशनल्स कांग्रेस तथा डाटा ऐनेलैटिक्स के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती ने दावा किया है कि सेबी की अलमारी के कई ढ़ाँचे ढ़ह रहे हैं। सर्वविदित है कि सेबी भारत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण संस्थाओं में से एक है।

- यह एक नैशनल संकट पैदा कर सकता है, अंतः सेबी चेयरमैन के प्रकरण की जांच होनी ही चाहिए। तब तक वर्तमान सेबी चेयरमैन अपने पद से अस्थाई इस्तीफा दें और किसी अन्य को पदभार सौंपें, निष्पक्ष जांच के लिए।
- प्रोफैशनल कांग्रेस के चेयरमैन व डेटा एनालिस्ट प्रवीण चक्रवर्ती ने प्रेस कॉन्फ्रैंस आयोजित करके कहा, उनके पास विदेशी पूँजी निवेशकों के फोन व ई-मेल आ रहे हैं, यह जानने के लिए कि भारत के स्टॉक एक्स्चेंज की क्या स्थिति है, वह विश्वसनीय है या नहीं।

उन्होंने ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर आयोजित प्रैस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 10 अगस्त को एक विदेशी रिसर्च फर्म ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें सेबी अध्यक्ष तथा उनके खिलाफ विदेशी फन्ड्स से सम्बन्धित आरोप लगाये गए थे। रिपोर्ट में कहा गया था कि फर्म के पास आरोपों के दस्तावेजी प्रमाण हैं। ये आरोप एक रिसर्च फर्म ने लगाए थे, किसी राजनैतिक दल ने नहीं। इसकी प्रतिक्रिया में, मोदी सरकार के एक केबिनेट मंत्री ने इस मुद्दे को सम्बोधित भी किया था।''

चक्रवर्ती ने प्रश्न किया, ''सरकार ने एक विदेशी रिसर्च फर्म द्वारा सेबी के एक व्यक्ति पर लगाये गए आरोपों का जवाब क्यों दिया था?

उन्होंने कहा, ''सेबी अध्यक्ष माधवी पुरी बुच जवाब नहीं दे रही है, बल्कि आई.सी.आई.सी. बैंक जवाब दे रही है। आखिर क्यों?

चक्रवर्ती ने यह भी कहा कि सेबी के 500 अधिकारियों ने भारत सरकार को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि बुच के नेतृत्व में काम का माहौल ''विषाक्त, अपमानजनक एवं आशंकित'' करने वाला है।

उन्होंने कहा, ''आज की एक समाचार रिपोर्ट कहती है कि माधवी पुरी बुच जब आई.सी.आई.सी. आई. में थीं, उस समय भी उनके पास दो नौकरियाँ थीं। उस समय वे ''ग्रेटर स्पेसिफिक केपिटल'' नामक प्राइवेट इक्विटी फन्ड में भी कार्यरत थी।..... हो सकता है कि बुच की नियुक्ति फायनेंस प्रोफेशनल के पद पर रही हो, लेकिन यह तथ्य बहुत सारे आरोपों और प्रश्नों को जन्म देता है। क्या इस बात से चिन्ता नहीं बढ़ती?''

कांग्रेस नेता ने प्रश्न किया, ''एक निष्पक्ष एवं वस्तुपुरक जाँच कराने में आखिर हिचक क्यों है?''

उन्होंने कहा, ''चूँकि मैं एक फायनेंसियल प्रोफेशनल रह चुका हूँ, इसलिये मेरे पास विदेशी निवेशकों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बढ़ते तापमान से कश्मीर का मौसम बिगड़ा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 सितम्बर। कश्मीर घाटी के दस जिलों में पिछली सदी के मौसम के डेटा का विश्लेषण कर रहे शोधकर्ताओं ने कहा है कि इस क्षेत्र को, विशेष रुप से सर्दियों और मानसून में बढ़े हुए तापमान का सामना करना पड़ सकता है। गरमाहट (वॉर्मिंग) का यह ट्रैंड पारंपरिक मौसम पैटर्न को अस्त व्यस्त कर रहा है, जिसके परिणामस्वरुप क्षेत्र का इकोसिस्टम

- शोधकर्ताओं ने गत सदी के मौसम डेटा विश्लेषण कर दावा किया कि कश्मीर में तापमान बढ़ रहा है खासकर सर्दी में और मानसून के दौरान, इससे क्षेत्र का इकोसिस्टम बिगड़ गया है।

बिगड़ रहा है। इसी प्रकार, सर्दी के महीनों में कम वर्षा दर्ज की जा रही है, जबकि, इसके विपरीत गर्मी तथा बसंत के महीनों में बारिश अधिक हो रही है।

स्प्रिंगर एण्ड रिसर्च गेट द्वारा प्रकाशित, 1901-2018 तक के ट्रैण्ड्स के लेखकों का कहना है कि ''अधिक वर्षा से बाढ़ तथा भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। अधिक वर्षा एवं ''स्टीप टोपोग्राफी'' (सीधी ऊँचाइयों)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक साल में कोचिंग छात्र की बारहवी आत्महत्या

कोटा में कोचिंग विद्यार्थियों के जीवन में बढ़ते तनाव का एक और दुःखद सबूत

- मथुरा जिले के छात्र परशुराम ने सात दिन पहले ही मेडीकल एन्ट्रैंस परीक्षा की तैयारी के लिये निजी कोचिंग संस्थान में प्रवेश लिया था।
- जिस पी.जी. में आत्महत्या हुई वहां से किसी ने भी आत्महत्या रोकने की गेट कीपर ट्रेनिंग नहीं की थी। पी.जी. में हैंगिंग डिवाइस भी नहीं लगा हुआ था।

कोटा, 5 सितम्बर (निसं)। शहर के जवाहर नगर थाना इलाके में एक और कोचिंग छात्र ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बरसाना नगर (मथुरा) का निवासी था और कोटा में निजी कोचिंग से मेडिकल एन्ट्रैंस एग्ज़ाम की तैयारी कर रहा था।

छात्र, पुराना जवाहर नगर इलाके में एक मकान में कमरा किराए पर लेकर रह रहा था। छात्र ने सात दिन पहले ही कोटा आकर निजी कोचिंग में मेडिकल एन्ट्रैंस की तैयारी के लिए एडमिशन लिया था। जवाहर नगर थाने के सब इंस्पेक्टर गोपाल लाल बैरवा का कहना है कि उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के मानपुर बरसाना निवासी 21 वर्षीय परशुराम पुत्र खचरमल के संबंध में बुधवार रात 11.30 बजे मकान मालिक अनूप कुमार ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी।

पुलिस उप अधीक्षक द्वितीय राजेश टेलर, थानाधिकारी जवाहर नगर हरिनारायण शर्मा सहित पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा। एफ.एस.एल. टीम को भी साक्ष्य एकत्रित करने के लिए मौके पर बुलाया गया। इसके बाद मृतक के शव को फंदे से उतारकर एम.बी.एस. अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट करवाया है।

सब इंस्पेक्टर गोपाल लाल बैरवा का कहना है कि मकान मालिक ने परशुराम को शाम को कपड़े सुखाते हुए देखा था लेकिन उसके बाद वह जब नजर नहीं आया तो उन्होंने दरवाजा खटखटाया। छात्र ने दरवाज़ा नहीं खोला तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी थी। परशुराम ने आत्महत्या क्यों की, इस संबंध में कोई खुलासा नहीं हो पाया है।

कोटा में कोचिंग छात्र की आत्महत्या का इस साल में यह 12वां मामला है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है। मृतक छात्र के परिजन कोटा पहुंच गए हैं। शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया जाएगा। जिला प्रशासन ने कोटा के हॉस्टल और पीजी संचालकों को निःशुल्क गेट कीपर ट्रेनिंग करवाई है।

यह गेटकीपर ट्रेनिंग सुसाईड रोकने में अहम भूमिका भी निभा रही है लेकिन जिस पीजी में सुसाईड हुआ है, वहां किसी ने भी गेट कीपर ट्रेनिंग नहीं की हुई थी।

इसके अलावा जिला प्रशासन ने सभी पीजी और हॉस्टल रूम में हैंगिंग डिवाइस लगाने के निर्देश दिए हैं, लेकिन इस पीजी रूम में पंखे में हैंगिंग डिवाइस भी नहीं थी। ऐसे में प्रशासन को पुलिस इस संबंध में पूरी रिपोर्ट भी भेजेगी।

महाराष्ट्र की चुनावी सभा में राहुल गांधी अति आक्रामक हुए प्र.मंत्री मोदी के खिलाफ

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 सितम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सिंधु दुर्ग में छत्रपति शिवाजी की मूर्ति गिरने के लिए ही माफी नहीं मांगनी चाहिए बल्कि नोटबंदी, किसान विरोधी बिल और जी.एस.टी. के लिए भी माफी मांगनी चाहिए। मोदी के महाराष्ट्र में होने सत्रहवी सदी के वीर योद्धा राजा के इस अपमान के लिए मोदी को महाराष्ट्र के हरेक नागरिक से माफी मांगनी चाहिए। ज्ञातव्य है कि 26 अगस्त को सिंधु दुर्ग में महाराजा शिवाजी की प्रतिमा गिर गई थी।

राहुल गांधी ने पार्टी नेता स्व. पतंगराव कदम की मूर्ति के अनावरण के दौरान जनता को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने से मुद्दे पर महाराष्ट्र की भाजपा-शिवसेना (शिंदे)-एन.सी.पी. सरकार के निशाने पर आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने

- राहुल ने कहा शिवाजी की मूर्ति लगाए जाने में हुए भ्रष्टाचार के अलावा प्रधानमंत्री को नोट बंदी, जी.एस.टी. और किसान विरोधी कानूनों के लिए भी माफी मांगनी चाहिए।

महाराष्ट्र यात्रा के दौरान कहा कि वे इस महान राजा, जो उनके आराध्य हैं, की मूर्ति टूटने व जनभावनाएं आहत होने के लिए माफी मांगते हैं।

गांधी ने कहा, मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि वे इस किस बात की माफी मांग रहे हैं क्या इसलिए कि मूर्ति का ठेका आर.एस.एस. के आदमी को दिया गया था जिसमें उसकी योग्यता नहीं थी या फिर वे इसमें हुए भ्रष्टाचार के लिए माफी मांग रहे हैं?

मोदी को बताना चाहिए कि सारे ठेके अडानी और अंबानी को ही क्यों दिए जाते हैं और क्या वे सिर्फ दो लोगों के लिए ही सरकार चला रहे हैं?

प्रधानमंत्री मोदी ने किसान विरोधी कानूनों के लिए भी माफी नहीं मांगी है, जिन्हें बाद में भारी विरोध के कारण वापस ले लिया गया था।

राहुल ने कहा कि मोदी को नोटबंदी और जी.एस.टी. के लिए भी माफी मांगनी चाहिए।

राहुल गांधी ने कहा भाजपा जातिगत व्यवस्था को कायम रखना चाहती है और चुनाव आ गए, शिक्षण संस्थानों और कानूनी व्यवस्था तथा नौकरशाही पर कब्जा करके संविधान को खत्म कर देना चाहती है। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में नियुक्ति के लिए एकमात्र योग्यता आर.एस.एस. से जुड़ा होना मात्र है। जातिगत जनगणना की मांग दोहराते हुए राहुल ने कहा कि इससे पता चलेगा समाज के विभिन्न वर्गों में कितने लोग हैं? तथा देश की समृद्धि और निर्णय क्षमता में उनकी कितनी भागीदारी है?

धर्म के नाम पर वन भूमि का अतिक्रमण नहीं हो सकता- हाईकोर्ट

जयपुर, 5 सितंबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा कि धार्मिक भावनाओं के आधार पर वन भूमि पर अतिक्रमण की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके साथ ही अदालत ने श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र, सुदर्शन तीर्थ पर पांच लाख रुपए का हर्जाना लगाया है।

- राजस्थान हाईकोर्ट ने जैन तीर्थ की याचिका खारिज कर 5 लाख रुपये का हर्जाना लगाया
- उच्च न्यायालय ने गैर मुमकिन पहाड़ के आवंटन से लिये आवेदन को भी गलत माना।

अदालत ने तीर्थ की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने यह भी कहा कि हर्जाना राशि में से दो लाख रुपए मामले में जनहित याचिका दायर करने वाले व्यक्ति शंकर लाल को दिए जाएं और शेष राशि राज्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा शिवाजी की मूर्ति स्टील से बननी चाहिए थी

गडकरी ने यह भी कहा कि समुद्र तटों के आसपास जो भी निर्माण हो उनमें स्टील का ही उपयोग होना चाहिए क्योंकि उसमें जंग नहीं लगता, मैं तीन साल से इस पर ही जोर दे रहा हूँ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 सितम्बर। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में राजकोट फोर्ट पर शिवाजी महाराज की प्रतिमा के निर्माण में यदि स्टेनलैस स्टील का उपयोग किया होता तो वो गिरती नहीं। गडकरी ने यह भी कहा कि तटीय क्षेत्रों में ''रस्ट रैज़िस्टैंट'' (जंग प्रतिरोधी) उत्पादों का उपयोग किया जाना चाहिए।

26 अगस्त को मराठा स्टेट के प्रतिष्ठित संस्थापक की प्रतिमा गिरने के बाद राज्य में राजनीतिक वाद-विवाद छिड़ गया है। ऐसे समय में जबकि, महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

रोड ट्रांसपोर्ट एण्ड हाईवेज़ मिनिस्टर ने यहाँ एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले तीन वर्षों से वो जोर दे रहे हैं कि समुद्र के पास बनाए जाने वाले पुलों

- गडकरी ने इस सम्बंध में एक घटना का जिक्र किया जब वे महाराष्ट्र में पी.डब्ल्यू.डी. मंत्री थे तब उन्होंने मुम्बई में 55 फ्लायओवर बनाए थे, तब एक नौसिखिया ने आयरन रॉड्स पर गन पाउडर लगाकर दावा किया कि अब इनमें जंग नहीं लगेगी, पर नतीजा क्या हुआ उनमें जंग लग गई।
- गडकरी ने सुझाव दिया कि समुद्र के समीप 30 किलोमीटर के दायरे में स्टेनलैस स्टील का ही प्रयोग किया जाना चाहिए।

के निर्माण में स्टेनलैस स्टील का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने याद किया कि जब वो महाराष्ट्र के पी.डब्ल्यु.डी. मंत्री थे उस समय वो मुंबई में 55 फ्लायओवर बनवा रहे थे और एक व्यक्ति ने उन्हें मूर्ख बनाया था।

गडकरी ने बताया, उस व्यक्ति ने लोहे की सरियों पर किस प्रकार की कोटिंग लगा दी और कहा कि वो रस्ट फ्रूफ (जंग रोधी) हैं। लेकिन, जंग लगी। मेरा मानना है कि समुद्र के पास 30 कि.मी. तक स्टेनलैस स्टील का उपयोग किया जाना चाहिए। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के लिए यदि स्टेनलैस स्टील का उपयोग किया जाता तो वो कभी नहीं गिरती।''

महाराष्ट्र सिंधुदुर्ग जिले में पुलिस ने छत्रपति शिवाजी की मूर्ति गिरने के संबंध में ठेकेदार जयदीप आप्टे के विरुद्ध ''लुक आउट सर्कुलर'' (एल.ओ.सी.) जारी किया है। आप्टे को देश से बाहर भागने से रोकने के लिए एयरपोर्ट तथा सभी अन्य निकासी के मार्गों पर एल.ओ.सी. जारी की गई है।

ठाणे के मूर्तिकार, आप्टे ने प्रतिमा बनाने का ठेका पूरा किया था। तथापि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन के नौ महीनों के अंदर ही, 26 अगस्त को प्रतिमा गिर जाने के बाद मालवान पुलिस ने आप्टे तथा स्ट्रक्चरल कन्सलैंटर चेतन पाटिल के विरुद्ध लापरवाही तथा अन्य अपराधों पर केस दर्ज किया है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि, पाटिल को कोल्हापुर से गिरफ्तार किया गया है, जबकि आप्टे की तलाश जारी है और मालवान पुलिस ने उसके विरुद्ध एन.ओ.सी. जारी की है।

इसी बीच, बुधवार को पुणे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड प्रकरण के आरोपी को जमानत मिली

जयपुर, 5 सितंबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड प्रकरण में रेकी करने के आरोप में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे आरोपी मोहम्मद जावेद को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस प्रवीर

- अधिवक्ता का तर्क था कि एन.आई.ए. ने बिना ठोस साक्ष्य, केवल कॉल डिटेल के आधार पर आरोपी बनाया है।

भटनागर ने यह आदेश आरोपी की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सआदत अली ने अदालत को बताया कि नैशनल इन्वैस्टिंग एजेन्सी (एन.आई.ए.) ने बिना किसी ठोस साक्ष्य अपीलार्थी को केवल कॉल डिटेल के आधार पर मामले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन ने चुपचाप, बिना किसी हो हल्ला के डैंग शिपिंग का 120 वां जन्म दिन मनाया

नरसिम्हा राव की भांति डैंग को भी लंबे समय तक राजनीतिक सन्यास झेलना पड़ा था

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 सितम्बर। चीन ने हाल ही में आधुनिक चीन के निर्माता, डैंग शिपिंग की 120वीं जन्म शताब्दी मनाई है। माओ त्से डाँग ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना जो पी.पी.सी. के नाम से विख्यात है, का गठन किया था तथा देश में सदियों से व्याप्त परिपाटियों और अंधविश्वासों को खत्म कर दिया था वो कम्युनिस्ट चाइना के निर्माता थे। लेकिन माओ ने भारी ज्यादातियाँ की थीं तथा उनके सनकी विचारों की भारी कीमत चुकानी पड़ी थी।

माओ की मृत्यु के बाद, वो डैंग शिपिंग ही थे जिन्होंने माओ की महंगी और भारी गल्तियों से देश को बचाया।

भारतीय राजनेताओं में डैंग की यदि किसी से बराबरी की जा सकती है तो वो हैं पी.वी.नरसिम्हा राव। दोनों को ही अपने जीवन में लंबे समय का राजनीतिक वनवास झेलना पड़ा था। लेकिन उनका सूर्य तब चमका जब उन्हें रिटायरमैंट से बाहर खींचकर लाया गया और वो ऐसे शिखर पहुँचे जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी।

डैंग शिपिंग और राव ने अपने राजनीतिक करियर के अंतिम चरण में अपने देशों को बदलकर रख दिया, जिसने अपनी अमिट छाप छोड़ी तथा उनके देशों को बेहतरी की तरफ ले गये।

अब, वर्तमान में चीन के सुप्रीम लीडर, शी जिनपिंग एक मॉडर्नाइज़र के रूप में डैंग शिपिंग विरासत पर अपना दावा कर रहे हैं प्रभावी रूप के शी, डैंग के विपरीत दिशा में जा रहे हैं। डैंग

- पर दोनों का स्वर्णिम काल तब आया जब उन्हें रिटायरमैंट के बाद बुलाकर प्रधानमंत्री/ राष्ट्रपति बनाया गया और वे अपने देश को उस शिखर पर ले गए, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी।
- डैंग ने भी राव की भांति देश की अर्थव्यवस्था में भारी सुधारवादी परिवर्तन किए, जिनका लाभ चीन अभी तक उठा रहा है।
- पर डैंग का जन्मदिन चुपचाप इसलिए मनाया गया, क्योंकि, वर्तमान राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने डैंग की उदारवादी इकॉनमी को विश्व के लिए खोलने जैसे परिवर्तनों को बदल दिया है।
- शी, बेवजह सभी सीमाओं पर आक्रामक नीति अपनाए हुए हैं और अपनी सैन्य ताकत के बल पर विश्व पर छाना चाहते हैं। अतः डैंग और उनका सोच इस समय चीन में ज्यादा फैशन में नहीं है।

शिपिंग, को उनकी छोटी कद काठी के बावजूद ''पॉलिटिकल जायंट'' कहा जाता है। इसके विपरीत शी जिनपिंग ने डैंग के सुधारों को कई क्षेत्रों में खत्म कर दिया है। अंततः ऐसा लगता है मानो शी की विरासत किसी भी तरह से डैंग की विरासत का मुकाबला नहीं कर सकती। डैंग ने चीन में मूल परिवर्तन किए, समाज तथा अर्थव्यवस्थ, दोनों में।

डैंग शिपिंग की खुली मानसिकता फ्रांस की देन हो सकती है जहाँ उन्होंने अपने जीवन के कुछ उन्होंने अपने जीवन के कुछ प्रांरभिक वर्ष बिताए थे। वो, होनहार युवाओं को मॉडर्न इन्डस्ट्रियल टैक्नॉलोजी में प्रशिक्षित करने के एक कार्यक्रम का हिस्सा थे। उन्होंने फ्रांस की छोटी फैक्टरियों में काम किया था तथा उन्होंने प्राइवेट सैक्टर इकॉनमी तथा उससे जुड़ी अनिश्चितताओं को देखा व समझा था।

सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह है कि फ्रांस में ही वो जाओ एनलाई के करीबी संपर्क में आए, जिनके साथ वो, जाओ एनलाई की मृत्यु तक, जीवन भर जुड़े रहे, कभी-कभी गुप्त रूप से भी माओवादी शाजन के दौरान माओ था

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुराने एम.आर.ई.सी. परिसर में बहुमंजिला बिल्डिंग की योजना नहीं, याचिका खारिज

जयपुर, 5 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने गांधी नगर स्थित पुराने एम.आर.ई.सी. परिसर में मास्टर प्लान के विपरीत बहुमंजिला इमारत के निर्माण को लेकर लिए गए स्वप्रेरित

- महाधिवक्ता ने कहा कि यदि भविष्य में सरकारी अधिकारियों के आवास के लिये बहुमंजिले भवन का प्रस्ताव बनाया गया तो उसे विधि अनुसार, मास्टर प्लान के हिसाब से सक्षम अधिकारी की अनुमति लेने के बाद ही बनाया जायेगा।

प्रसंज्ञान पर सुनवाई को बंद कर दिया है। अदालत ने कहा कि मामले में किसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

नम्रता पत्थर को भी मौन कर देती है। –प्रेमचन्द

बुलडोजर जस्टिस अर्थात न्याय का नया रूप

एक युग था, जब आँख फोड़ने पर व्यक्ति को उसकी आँख फोड़ने की सजा दी जाती थी। Eye for Eye का युग था। बर्बरता का युग था। यों जान से मारने पर मृत्यु दण्ड यानी फांसी की सजा शायद आज भी बर्बरता के युग की निशानी मौजूद है। नया युग प्रारम्भ हुआ Universal Declaration of Human Rights,1948 से। इसे और अधिक मानवीय बनाया अन्तर्राष्ट्रीय सन्धि International Covenant on Civil and Political Rights, 1966 तथा उसके प्रोटोकॉल्स ने भारत इस संधि का हस्ताक्षर कर्ता है। इस संधि के पार्ट III के अनुच्छेद 6 में यह निर्देश है कि "Nothing in this article shall be invoked to delay or prevent the abolition of capital punishment by any State to the present covenant" इसका अर्थ है फांसी की सजा बन्द होना चाहिये और जब तक कानून से फांसी बंद न हो, राष्ट्रपति अथवा गवर्नर को फांसी की सजा को Communate करने का अधिकार संविधान में दिया है इस बाबत प्रत्येक देश का ध्यान, Second optional protocol to the International Covenant on Civil and Political Rights dated July11S 1991 की ओर आकर्षित करना चाहूँगा। जहां पर मृत्यु दण्ड को समाप्त करने पर निर्देश है। Every State shall take all necessary measures to abolish the death penalty - Article 1(2)

इंग्लैण्ड में लगभग 100 वर्ष पूर्व महिला कर्मचारी के चम्मच की अथवा ब्रेड की चोरी पर फांसी की सजा का प्रावधान था। फांसी की सजा पब्लिक में दी जाती थी। एक बार फांसी की सजा की जो रिपोर्ट हाउस ऑफ लॉर्डस को भेजी गई, उसमें यह उल्लेख किया गया कि जब फांसी की सजा दी जा रही थी उस समय कई लोगों की जेब कटीं थीं। हाउस ऑफ लॉर्डस ने आदेश दिया कि चूंकि फांसी की सजा का कोई भय (डेटेरेन्ट असर) जनता पर नहीं है अत: उसे बंद किया जावे। जब से वहां फांसी की सजा बंद हो चुकी है।

ममता रेप के लिये फांसी की सजा के लिये विधान सभा में बिल लाने जा रही है। दुष्कर्म के दोषी को 10 दिन में फांसी दी जावेगी। प्रश्न है उपरोक्त संधि के संदर्भ में क्या ऐसा कानून हो सकता है? इसके अतिरिक्त कानून यह है कि केन्द्र से भिन्न राज्य का कानून नहीं हो सकता।

वर्तमान युग मानव अधिकारों का है। भारत का अपना एक संविधान है। जिसमें यह घोषणा की गई है, यहां के नागरिकों को मूल अधिकार प्राप्त होंगे, जिन्हें Political Rights के रूप में समझा जाता है और सरकार का कर्त्तव्य होगा कि वह जनता को Social, Economical व Political न्याय दे। संविधान के चेप्टर III में मूल अधिकार व चेप्टर IV में नीति निदेशक तत्वों के रूप में उक्त घोषणा को स्पष्ट किया गया है।

यहाँ यह लिखना समीचीन होगा कि हमारे संविधान में जो मूल अधिकार और स्टेट के कर्त्तव्य दिये हैं वे सब लगभग वही हैं जो मानव अधिकारों के नाम से जाने जाते हैं। मानव अधिकार कोर्टस् में प्रवर्तनीय हैं अत: मूल अधिकार व नीति निदेशक तत्व स्टेट के कर्त्तव्य भी कोर्ट में प्रवर्तनीय हैं।

हमारे संविधान उपरोक्त वर्णित अन्तर्राष्ट्रीय संधि व UDHR सभी एक स्वर से घोषणा करते हैं कि "Everyone has the right to life, liberty and security of person" तथा "No one shall be held guilty of any penal offence on account of any act or omission which did not constitude a penal offence, under national or international law, the time when it was committed (UDHR, Article 13(2) and Article 15 of the International Covenant, 1966" वर्तमान में Unlawful Activities (Prevention) Act के PMLA केस देश की सुरक्षा, एकता और अखण्डता के लिये चुनौती बने हुये हैं। देश में महिलायें व बच्चे सुरक्षित नहीं हैं। बलात्कार की घटनायें प्रतिदिन हो रही हैं, ऐसा मालूम होता है कि मनुष्य ने शैतान का रूप धारण कर लिया है। भारत एक धर्म निरपेक्ष देश है यहां रेप की 90 घटनायें प्रतिदिन होती हैं। कलकत्ता में महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और बाद में उसकी निर्मम हत्या ने देश को झकझोर दिया है। यह सच है देश ने ऐसे मामलों में फांसी की सजा का प्रावधान कानून में दिया है, किन्तु ऐसा प्रतीत होता है फांसी की सजा का कोई भी डेटेरेन्ट प्रभाव नहीं है।

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने जनता को त्वरित न्याय के रूप में 'बुलडोजर जस्टिस' के नाम से न्याय करने की इस नई प्रक्रिया प्रारम्भ की है। इसमें अपराध करने वाले व्यक्ति ने यदि मकान बिना अनुमति के बनाया है तो उसे नगरपालिका के कानून के तहत् नोटिस देकर बुलडोजर से तोड़ा जाता है। बुलडोजर जस्टिस वस्तुत: न्याय की अभिव्यक्ति की व्यंजना है। जनता ने इसे पसन्द किया है। अनाधिकृत तामीर को तोड़ने का जनता ने गाजे बाजे से पसन्द किया है। कुछ लोगों ने बुलडोजर जस्टिस को Due Process of Law के कानून के विरूद्ध माना है। एक हाईकोर्ट (झारखण्ड हाईकोर्ट) ने मकान तोडने के फलस्वरूप हर्जा भी दिलाया है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पीआईएल में इस बाबत निर्णय नहीं दिया जा सकता है जो सभी व्यक्तियों पर बाध्यकारी हो। अधिकांश केस वे हैं, जहां किसी व्यक्ति ने सरकारी जमीन, फुटपाथ, पर अनाधिकृत कब्जा किया है और अवैध निर्माण हुआ है अथवा अवैध रूप से अर्जित धन से सम्पत्ति बनाई है। सुप्रीम कोर्ट ने भी अल्ल इंदमे से ऐसे अवैध निर्माण को तोड़ने में कोई रोक नहीं लगाई है।

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने जनता को त्वरित न्याय के रूप में 'बुलडोजर जस्टिस' के नाम से न्याय करने की इस नई प्रक्रिया प्रारम्भ की है। इसमें अपराध करने वाले व्यक्ति ने यदि मकान बिना अनुमति के बनाया है तो उसे नगरपालिका के कानून के तहत् नोटिस देकर बुलडोजर से तोड़ा जाता है। बुलडोजर जस्टिस वस्तुतः न्याय की अभिव्यक्ति की व्यंजना है। जनता ने इसे पसन्द किया है।

सन् 2020 में गेंग लीडर विकास दुबे और इसी प्रकार एमएलए मुख्तार अंसारी के मकान पर जो बिना अनुमति के बना था बुलडोजर चलाया गया। एक मुस्लिम युवक को महाकाल के जुलूस पर थूकने के फलस्वरूप उसे लगभग 6 माह जेल में रहना पड़ा, बाद में उसकी जमानत हाईकोर्ट ने दी। बुलडोजर जस्टिस की घटनायें दिल्ली की जहानगिरी, मध्यप्रदेश के खरगौन में, उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में हुई जो अखबार की सुर्खियों में छाई रहीं। यहां जनता ने बुलडोजर जस्टिस का स्वागत किया तो कानून विशेषज्ञों ने इसे क्रूर, अवैध, अन्याय पूर्ण माना है। नूह (पंजाब) की घटना की तीव्र आलोचना की गई। जिन नेताओं ने इसका प्रारम्भ किया उन्हें 'बुलडोजर बाबा' अथवा 'बुलडोजर मामा' कहा गया है और कुछ दिन पूर्व ही रेवन्त रेड्डी को डिमोलिशन मैन कहा गया है।

बुलडोजर जस्टिस को जहां जनता ने धूम धाम से स्वीकार किया वहीं ऐसी प्रक्रिया के विरूद्ध आलोचना भी की गईं। कानून विद्जनों का मानना है कि इस प्रकार की घटनाओं में राज्य स्वयं जज, जूरी व Executor बन जाता है। अभियुक्त को बिना Fair Trial के सजा नहीं दी जा सकती। बुलडोजर जस्टिस को Rule of Law व जस्टिस सिस्टम को चुनौती बतलाया।

सभी राज्यों में नगर पालिकायें हैं और नगर पालिकायें अधिनियम है। ये नगर पालिकायें Institution of Self government के रूप में कार्य करती हैं। इनका कार्य संविधान के पार्ट XA के अनुरूप होता है। कानून के अनुसार प्रत्येक नागरिक को मकान बनाने के लिये अनुमति लेनी होती है। जो नागरिक बिना अनुमति के निर्माण करते हैं उनका मकान कारण बताओ नोटिस देने के बाद तोड़ा जा सकता है। योगी ने कहा था, नोटिस देने के बाद ही बुलडोजर चलाया जाता है। अपराध घटित होता है, उसके लिये आरोपी के विरूद्ध फौजदारी मुकदमा चलता है, ट्रायल में समय लगता है। ऐसे व्यक्ति ने यदि मकान बिना अनुमति के बनाया है तो उस मकान को तोड़ा जा सकता है। फौजदारी मुकदमा तय होने में समय लगेगा। मकान तोड़ने की प्रक्रिया शीघ्र की जा सकती है। इस प्रक्रिया को पूर्णरूप से कानूनानुसार किया जा सकता है। मकान तोडने से पहले 'शो कोज नोटिस' भेजा जावे आरोपी को सुना जावे और बाद मकान पर बुलडोजर चलाया जावे। जनता ने बुलडोजर जस्टिस को अंगीकार किया है, अवैध निर्माण को तोडने पर जश्न मनाया है। इसे त्वरित न्याय का अर्थात् त्वरित सजा देना मानना चाहिये। जो अपराध हुआ है उसकी सजा तो उसे अलग से मिलेगी। बुलडोजर जस्टिस तो जनता द्वारा दिया गया अतिरिक्त न्याय है।

बुलडोजर जस्टिस अर्थात् बुलडोजर द्वारा अवैध निर्माण को तोडने की कार्यवाही विधि के अनुसार नोटिस देकर की जानी चाहिये। आरोप के आधार बुलडोजर चलाना गलत है। यह सुप्रीम कोर्ट ने दिनांक 2.9.2024 की कार्यवाही में कहा है।

महिलाओं व छोटी उम्र की अबोध बालिकाओं के साथ बलात्कार करने और बाद में निर्मम कत्ल करने की घटनायें बढ़ती जा रही हैं, जिनके लिये संसद के कानून में फांसी की आजन्म कारावास की सजा का प्रावधान है, फिर भी इसका डेटेरेन्ट (निरोधक) असर नहीं है, ऐसी स्थिति में दण्ड देने के प्रावधान को कोई आंच नहीं पहुंचाये, यदि जनता की पीडा को कुछ कम करने के लिये बुलडोजर जस्टिस की कार्यवाही की जाती है तो इसमें आपत्ति क्यों? जनहित में मृतक के परिजनों की पीड़ा हरने वाला बुलडोजर जस्टिस एक सशक्त मलहम ही तो है। उपरोक्त संधि के अनुसार यदि मृत्यु दण्ड दिया जाना अमानवीय है तो सर्वोच्च न्यायालय ने वैकल्पिक सजा क्या होगी, इस पर निर्णय देना है अथवा संसद को कानून बनाना होगा।

बलात्कारी, भ्रष्टाचारी, सार्वजनिक सम्पत्ति की तोडफोड करने और हिंसा की गतिविधियों में लिप्त देश के नागरिक समाज के दुश्मन हैं। जो व्यक्ति (नागरिक) अनुच्छेद 51क में दिये गये कर्त्तव्यों की पालना नहीं करता है, वे अधिकार समाप्त करने चाहिये, जो संविधान उसे देता है। ऐसे व्यक्तियों को चुनाव लडने से वंचित किया जाना चाहिये। उनकी सम्पत्ति भी जब्त की जावे। ऐसे व्यक्ति ने यदि अपना घर बिना अनुमति के बनाया है तो उसे कानून की प्रक्रिया और प्राकृतिक न्याय की पालना करते हुये, बुलडोजर से तोड़ा जा सकता है। जो अपराध उसने किया है, उसकी सजा तो देश का न्यायालय देगा ही, किन्तु न्याय हो रहा है, इसे अभिव्यक्ति देने के हेतु बुलडोजर जस्टिस दिया जावे। यह त्वरित न्याय जनता के गुस्से को शान्त करेगा। राज्य सरकार, नगरपालिका अथवा पंचायत यह न्याय दे सकती हैं, ऐसा करना अपराध नहीं है।

बुलडोजर न्याय के विरूद्ध एक याचिका सुप्रीम कोर्ट के समक्ष सुनवाई हेतु प्रेषित हुई है, आशा की जा सकती है कि माननीय न्यायालय इस बाबत निर्देशनों की संहिता जारी करे जैसी विशाका के केस में भी दी गई थी। त्वरित न्याय समय की पुकार है, दुष्कर्म Unlawful Activities Prevention Act व मनी लॉन्ड्रिंग कानून आदि के केसों का निर्णय 6 माह में हो। इनकी प्रक्रिया सरल हो।

''भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं - राष्ट्रपति मुर्मू''

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

पेपर लीक-पेपर लीक, शोर घणा-सत्ता के आकांक्षी दलों के पास, समाधान के नाम पर ठनठन गोपाल

महावीर सिंह

23-11-2023 को राष्टदूत में उपरोक्त टाइटल से एक लेख छपा था। वह समय चुनाव का था। वर्तमान शासक दल और वर्तमान विपक्ष सत्ता प्राप्ति के लिए हर प्रकार के जुमले, आश्वासन उछाल रहे थे। तत्त समय वर्तमान शासकीय दल के पास एक बड़ा मुद्दा था। कांग्रेस हर प्रकार के स्पष्टीकरण दे रही थी, की गई कठोर कार्यवाही, गिरफ्तारियों की, कानून में बदलाव की बातें छाती फुला-फुला कर भाषणों में कह रही थी।

उस समय भी इस लेखक का आकलन था कि दोनों ही पार्टियों के पास समस्या की जड़ का समाधान शायद ही हो। जो भी पार्टी सत्ता में आएगी केवल कुछ गिरफ्तारियां आदि करके इस समस्या के समाधान की इतिश्री मान लेंगे। अब मैं पुराने लेख के कुछ अंशों का उल्लेख करूंगा:-

1. प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर्स के लीक पर, अपने-अपने पक्ष में, 25 नवम्बर, 23 को मतदान के लिए अपील करने वाली दोनों बड़ी पार्टियों नें कोई मानने योग्य संतोषप्रद समाधान नहीं बताया।

2. परीक्षाओं में और विशेषत: प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक से हजारों हजार नौजवान दुष्प्रभावित होते है। सरकारों के पास विधान सभाओं में बहुमत होता है सो ज्यादा चिल्लापो होने पर सख्त सजा देने के कानून का लोलीपोप पकड़ा दिया जाता है। ज्यादा शोर हुआ तो एस आई टी के गठन की घोषणा कर दो जाती है।

3. इस प्रकार के कदमों से दोषी, अगर सिफारसी नही हुआ तो देर-सवेर उसे सजा भी मिल जाएगी। किसी-किसी का घर बुलडोजर चला कर ढहा दिया जाएगा। किन्तु इस से लाखों लोग जो एक सरकारी नोकरी की आशा मे परीक्षाओं में बैठे थे, उन्हें न्याय मिल जाएगा?

4. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड जैसी संस्थाओं से पेपर लीक जोते हैं तो मर्ज कुछ ओर है व दवा कुछ ओर दी जा रही है। इन संस्थाओं के पेपर सामान्य परिस्थितयों में तब लीक तक नही हो सकते जब तक इन संस्थाओं के शीर्ष अधिकारी व सरकार द्वारा लगाए अध्यक्ष, सदस्यों की मिली भगत अथवा अक्षम्य निष्क्रियता अथवा पूर्णत: अयोग्यता न हो।

25 नवम्बर को वोट की देने की आकांक्षा रखने वाली किसी पार्टी नें यह नही बताया कि इन संस्थाओं में होने वाली नियुक्तियों को कैसे पारदर्शी व पूर्णत: योग्यता के अधनर पर लगाए जाएंगे।

5. होता यह है कि जो भी मुख्यमंत्री व मंत्रिमंडल के प्रभावशाली मंत्री अपने मर्जिदानों को इन पदों पर पारदर्शिता और योग्यता के पैमानों को पूर्णत: धत्ता बताते हुए लगाते है। पिछले 5,10 साल में जो सदस्य-अध्यक्ष आदि लगे है, उन पर विचार करले यह स्वत: स्पष्ट हो जाएगा।

सुझाव जो दिए गए सरकार::-

सरकार चाहे तो इन नियुक्तियों में पारदर्शिता व योग्यता लाई जा सकती जी बशर्ते सरकार में निर्णय करने वाले अपने अयोग्य मर्जिदानों को थोंपने का ईमानदारी से मोह त्यागे।

इसके लिए प्रथम काम होगा--नियुक्ति से पहले विभिन्न सरकार महकमों से, स्वायत्तशासी संस्थाओं से, रेपुटेड प्राइवेट संस्थानों से अनुभवी, योग्य, ईमानदार लोगों के नाम एकत्र करे। इस प्रकार जो भी नाम आएं उनको सार्वजनिक कर, जनता से राय मांगी जाए कि इन लोगों के विरुद्ध चरित्र, निष्ठा आदि से सम्बंधित कोई प्रतिकूल जानकारी हो तो बताएं। इस प्रकार की कोई दूसरी अच्छी बेहतर प्रक्रिया सरकार के मंत्रीगण, आला अफसरान सरकार के सामने रखें तो उसे अपनाया जाए।

इसके पश्चात एक हाईपावर कमेटी इनमें से 20-30 नामों को शॉर्टलिस्ट करे और मंत्री मंडल के समक्ष रखे।

ओर अंत में बात उचित लगती है कि की विश्वसनीयता पूर्णत: खत्म हो गई है। इसे तत्काल भंग किया जाए। नवयुवकों-युवतियों में विश्वास जगाने के लिए की जांच का दायर कुछ बढाएं। अन्य दूसरे सदस्यों से भी पूछताछ क्यों न कि जाए? माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के एक पूर्व अध्यक्ष का इस्तीफ़ा लेकर ही काम की इतिश्री क्यों मान ली?

उनसे व अन्य संलिप्त सदस्यों, अधिकारियों व काम में लगे कार्मिकों से गम्भीर पूछताछ की जाए और पेपर लीक के घिनोने कृत्य में लगे सारे लोगों को सजा मिले। वैसे अजमेर की गलियों में आम चर्चा रहती है कि इन संस्थाओं में कैसे-कैसे क्या-क्या सेटिंग्स होती हैं? सारी बातें सही न हों, किन्तु जांच के कुछ न कुछ लीड तो मिल ही सकती है। इन में से नियुक्ति हो। 100 प्रतिशत पेपर लीक रुकने की गारंटी तो कोई नहीं ले सकता किन्तु ऐसी बहुत ही कम घटनाएं होंगी और मिलिभगत कर पेपर लीक के शक की सुई संस्थाओं की तरफ नहीं घूमेगी।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

हिन्दू-मुसलमानों की एकता के प्रतीक एवं वंचित समाज के मसीहा "लोक देवता रामसापीर"

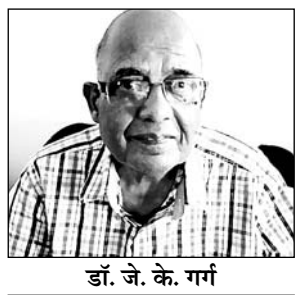

डॉ. जे. के. गर्ग

विक्रम संवत 1409 की भादवा शुक्ल दूज के दिन पश्चिम राजस्थान के पोकरण शहर के नजदीक रुणिचा नामक स्थान के शासक अजमल के घर बाबा रामदेव का अवतार हुआ था। राजस्थान के जन जन के मसीहा पांच पीरों में बाबा रामसा पीर का प्रमुख स्थान है। बाबा रामदेव तंवर राजपूत थे जिसे मान्यताओं के मुताबिक भगवान विष्णु के अवतार के रूप में पूजा जाता है। मान्यताओं के मुताबिक राजा अजमल ने पुत्र प्राप्ति हेतु दान पुण्य और अनेकों यज्ञ किय। द्वारकाजी में अजमल जी को भगवान के साक्षात दर्शन हुए तब राजा अजमल ने उनसे उनके घर में उनके पुत्र के रूप में जन्म लेने की याचना की तब भगवान द्वारकानाथ ने राजा अजमल से कहा-'मैं तुम्हे वचन देता हूँ कि तुम्हारा पहला बेटा वीरमदेव होगा और दूसरे बेटे के रूप में मै खुद तुम्हारे आपके घर आउंगा।'

भगवान ने यह भी कहा कि-'जब मैं अवतरित होउगां तब उस रात आपके राज्य के जितने भी मंदिर है उसमें घंटियां अपने आप बजने लग जायेगी, महल में जो भी पानी होगा वह दूध में बदल जाएगा तथा मुख्य द्वार से जन्म स्थान तक कुमकुम के पैर नजर आयेंगे वहीं आकाशवाणी भी सुनाई देगी और मैं रामदेव जी के नाम से प्रसिद्ध हो जाउँगा।' कहा जाता है कि श्री रामदेव जी के जन्म लेते ही ऐसी सभी चमत्कारिक घटनाएं घटित हुई। समय के साथ-साथ बाबा रामदेव जी की प्रसिद्धि भारतवर्ष के साथ दुनिया के अनेकों देशों में फैल गई। बाबा रामदेव जी से प्रभावित होकर उस समय के हजारों हिन्दू जो मुसलमान बन गये थे पुन: हिन्दू धर्म में परिवर्तित होने लगे।

रामदेव जी के बचपन की कई अद्भुत घटनायें है। लोकदेवता रामदेव जी के चमत्कारी परचे प्रचलित है। जन- जन के सेवक और उनके कष्टों को मिटाने वाले रामसापीर रामदेवजी ने राजा बनकर नही अपितु जनसेवक बनकर गरीबों, दलितों, असाध्य बीमारियों से पीड़ित रोगियों व जरुरतमंदों की हर सम्भव से सहायता और सेवा की। उनकी दया के पात्र हिन्दुओं के साथ मुस्लिम भी होते थे। इतिहासकार मुंहता नैनसी के मारवाड़ रा परगना री विगत नामक ग्रंथ में एक अद्भुत घटना का उल्लेख किया था, जिसके अनुसार पोकरण के अंदर नरभक्षी राक्षस भैरव ने आतंक मचा रखा था। बाबा के गुरु बालीनाथ जी के तप से यह राक्षस डरता था, किंतु फिर भी इसने इस क्षेत्र को जीवरहित कर दिया था। अंत में बाबा रामदेवजी बालीनाथजी के धूणे में गुदड़ी में छुपकर बैठ गए। जब भैरव राक्षस आया और उसने गुदड़ी खींची तब अवतारी रामदेवजी को देखकर वह अपनी पीठ दिखाकर भागने लगा और कैलाश टेकरी के पास गुफा में जा घुसा। वहीं रामदेवजी ने घोड़े पर बैठ उसका वध कर दिया।

रानी नेतल को पर्चा दिया था। सिरोही निवासी एक अंधे साधु को परचा दिया था। रामापीर का प्रसिद्ध मेला उत्तर भारत में धूमधाम गाजेबाजे के साथ हर साल दस दिन भाद्रपद शुक्ल 2 से भाद्रपद शुक्ल 11 तक मनाया जाता है इस वर्ष यह मेला 5 से 13 सितंबर 2024 तक मनाया जा रहा है। राजस्थान से ही नहीं गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से भी हजारों श्रद्धालु यहां दर्शन करने आते हैं। रामदेवरा मेला में हजारों भक्त दूर-दूर से बड़े-बड़े समुहों में नाचते गाते, भजन-कीर्तन करते हुये पैदल, बसों, कारों, बेलगाड़ियों, ट्रेक्टर या अन्य साधनों से आते है। मुसलमानों के मसीहा लोक देवता रामदेव जी रामदेव पीर, रामसा पीर, के नामों से जाने जाते हैं।

निसंदेह रामदेवजी का मन्दिर हिन्दू और मुसलमानों की आस्था का केंद्र है और हिन्दुस्तान की गंगा-जमुना साँझा संस्कृति की अद्भुत मिशाल पेश करता है इस पवित्र जगह को साम्प्रदायिक सद्भाव संगम स्थल भी कहा जाये तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। विक्रम संवत 1409 की भादवा शुक्ल दूज के दिन पश्चिम राजस्थान के पोकरण शहर के नजदीक रुणिचा नामक स्थान के शासक अजमल के घर बाबा रामदेव का अवतार हुआ था। राजस्थान के जन जन के मसीहा पांच पीरों मे बाबा रामसा पीर का प्रमुख स्थान है। बाबा रामदेव तंवर राजपूत थे जिसे मान्यताओं के मुताबिक भगवान विष्णु के अवतार के रूप में पूजा जाता है।

संवत् 1442 में अपने हाथ में श्रीफल लेकर अपने सारे बुजुर्गों को प्रणाम किया, सभी उपस्थित भक्तों ने पत्र पुष्प चढ़ाकर रामदेव जी का श्रद्धा से अन्तिम पूजन किया। रामदेव जी ने समाधी में खड़े होकर सब के प्रति अपने अन्तिम उपदेश देते हुए कहा प्रति माह की शुक्ल पक्ष की दूज को पूजा पाठ, भजन कीर्तन करके पर्वोत्सव मनाना, रात्रि जागरण करना। प्रतिवर्ष मेरे जन्मोत्सव के उपलक्ष में तथा अन्तर्ध्यान समाधि होने की स्मृति में मेरे समाधि स्तर पर मेला लगेगा। मेरे समाधी पूजन में किसी से भेदभाव मत रखना। मैं सदैव अपने भक्तों के साथ रहुँगा ऐसा कहकर रामदेव जी महाराज ने समाधि ले ली। रामदेव मन्दिर मंदिर के समीप ही स्वयं रामदेव जी द्वारा खुदवाई गई परचा बावड़ी अपनी स्थापत्य कला में बेजोड़ है। इस बावड़ी का निर्माण फाल्गुन सुदी तृतीया विक्रम संवत् 1897 को पूर्ण हुआ।बावड़ी का निर्माण रामदेव जी के कहने पर बाणिया बोयता ने करवाया था। इस बावड़ी का जल रामदेवजी का अभिषेक करने के काम में लाया जाता है। रामदेवरा मंदिर बीकानेर के महाराजा श्री गंगा सिंह जी ने रामदेवजी के वर्तमान मंदिर का निर्माण सन् 1939 में करवाया था, उस वक्त इसके निर्माण पर 57 हजार रुपये व्यय हुए थे। रामदेवरा मंदिर अपने आप में अनोखा है क्योंकि यहाँ बाबा रामदेव की मूर्ति भी है और मजार भी। रामदेवरा मंदिर में आस पास के श्रद्धालुओं के साथ-साथ राजस्थान के दूरदराज एवं गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश आदि प्रान्तों के हजारों श्रद्धालु भी आते हैं। पैदल यात्रियों के समूह मेले के दिन से बहुत पहले से बाबा की जयकार करते हुये, भजन कीर्तन करते हुए बाबा के दर्शन करने और मनोती मांगने पहुचते है। यहां मंदिर में नारियल, पूजन सामग्री और प्रसाद की भेंट चढाई जाती है। मेले के दौरान बाबा के मंदिर में दर्शन के लिए चार से पांच किलोमीटर लंबी कतारें लगती हैं। निसंतान दम्पत्ति कामना से अनेक अनुष्ठान करते हैं तो मनौती पूरी होने वाले बच्चों का झडूला उतारते हैं और सवामणी करते हैं। रोगी रोगमुक्त होने की आशा करते हैं तो दुखी आत्माएं सुख प्राप्ति की कामना। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि सैकड़ो श्रद्धालु पहले जोधपुर में बाबा के गुरु के मसूरिया पहाड़ी स्थित मंदिर में भी दर्शन करना नहीं भूलते हैं और उसके बाद जैसलमेर की तरफ रामदेवरा मन्दिर की तरफ कूच करते हैं। बहुत से लोग रामदेवरा में मन्नत भी मांगते हैं और मुराद पूरी होने पर कपड़े का घोड़ा बनाकर मंदिर में चढ़ाते हैं। निसंदेह रामदेवजी का मन्दिर हिन्दू और मुसलमानों की आस्था का केंद्र है और हिन्दुस्तान की साँझा संस्कृती की मिशाल पेश करता है।

–डॉ. जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

पानी को लेकर महिलाओं ने जाम लगाया

पाटन, (निसं)। कस्बे के वार्ड नंबर चार में कई दिनों से चल रही पेयजल किल्लत को लेकर परेशान महिलाओं ने गुरुवार को राजकीय अस्पताल के सामने पाटन-डाबला रोड पर जाम लगा दिया। सड़क पर बैठी महिलाएं विरोध प्रदर्शन कर पीने के पानी की मांग कर रही थी। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई।

महिलाओं का कहना है कि हमारे यहां पानी की पाइप लाइन नहीं डाली गई है, जिस कारण पीने के पानी के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ दिनों पूर्व भी हमने विरोध प्रदर्शन किया था, जिस पर पाटन सरपंच ने पेयजल की समस्या से निजात दिलाने का भरोसा दिया था, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। मजबूरन हमें सड़क पर उतरना पड़ रहा है, जब तक हमारी समस्या का समाधान नहीं हो जाता, हम यहां से नहीं हटेंगे। पाटन सरपंच मनोज चौधरी ने बताया कि वार्ड नंबर चार में पानी की पाइप लाइन डलवा दी गई है। उसको चालू भी कर दिया है, लेकिन कुछ घरों में पानी नहीं पहुंच पाया वहां भी जल्द ही व्यवस्था करवा देंगे।

■ महिलाओं ने कहा है कि जब तक हमारी समस्या का समाधान नहीं हो जाता, हम यहां से नहीं हटेंगे

पेयजल किल्लत को लेकर परेशान महिलाओं ने पाटन-डाबला रोड पर जाम लगा दिया।

राशिफल शुक्रवार 6 सितम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, हस्त नक्षत्र प्रात: 9:25 तक, शुक्ल योग रात्रि 10:15 तक, गर करण दिन 3:02 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:01 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मिथुन, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग दिन 9:25 से दिन 3:02 तक है। रवियोग दिन 9:25 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 4:20 से आरम्भ होगी। आज हरितालिता तीज, व्रत, मन्वादि, रोट तीज (दिगम्बर जैन), वराह जयन्ती है। आज कलंक चतुरथी है। आज चन्द्र दर्शन निषेध है। चन्द्रस्त जयपुर में रात्रि 8:26 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:45 तक, लाभ-अमृत 7:45 से 10:32 तक, शुभ 12:25 से 13:58 तक, चर 5:05 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:12, सूर्यास्त 6:38

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में चल रहे मतभेद दूर होने लगेंगे।

वृष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मकर
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मिथुन
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। अतिथियों का आगमन हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ कनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ
अपनी कार्य योजना को आज सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

मीन
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

संभावित सड़क दुर्घटना स्थलों को चिन्हित कर रोकथाम की कार्यवाही करें : लोकबंधु

■ सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिला कलक्टर ने दिये निर्देश

जिला कलक्टर लोकबंधु ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली।

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक गुरूवार को जिला कलक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए संभावित सड़क दुर्घटना स्थलों को चिन्हित कर रोकथाम की आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। घायलों को उपचार के लिये अस्पताल पहुंचाने वालों को प्रोत्साहित करने के साथ.साथ उन्हें मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना के तहत पुरस्कृत भी किया जाये।

बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए संभावित दुर्घटना स्थलों को चिन्हित करते हुए संबंधित विभागों द्वारा समन्वित रूप से गंभीरतापूर्वक प्रयास किए जाएं। सड़क किनारे उगी झाड़ियों को हटाते हुए क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करवाई जाये। बेसहारा पशुओं का सड़क पर विचरण न होए इसके लिये शहरी क्षेत्र में नगरपरिषद और ग्रामीण क्षेत्र में पंचायती राज विभाग आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। बेसहारा पशुओं के सींगों पर रेडियम पट्टी लगाई जाये ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

बैठक में हनुमानगढ़ रोड़ स्थित जैन कॉलेज के पास कट को छोटा करने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि पीडब्लूयूडी, एनएच, एनएचएआई, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी द्वारा एम्बुलेंस की नियमित मॉनिटरिंग की जाये। रात्रि में टोल टैक्स नाकों पर पेट्रोलिंग वाहन नियमित रूप से वाहनों की चैकिंग करें। संबंधित विभागीय अधिकारी दुर्घटना होने पर तत्काल मौके पर पहुंचें और घायलों को अस्पताल पहुंचाने के साथ-साथ दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। जिला मुख्यालय स्थित नई धानमंडी के बाहर होर्डिंग्स हटाने के लिये यातायातए नगर विकास न्यास और नगरपरिषद द्वारा संयुक्त मौका मुआयना कर आवश्यक कार्यवाही की जाये।

हाईवे रोड़ स्थित सूखे पेड़ों को चिन्हित कर नियमानुसार हटाने की कार्यवाही करने के लिये वन विभाग और पीडब्लूयूडी को निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि संभावित दुर्घटना वाले समस्त स्थलों को चिन्हित करते हुए स्पीड ब्रेकर बनाये जायें। गोल बाजार चौराहे पर ट्रैफिक लाइट लगाने के लिये नगरपरिषद आयुक्त को निर्देशित करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि उपयोगी होने पर अन्य चौराहों पर भी इस व्यवस्था को प्रभावी किया जाये। इसके लिये उन्होंने एसडीएम, नगर विकास न्यास, नगर परिषद और यातायात प्रभारी को स्थान चिन्हित करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

बैठक में जिला कलक्टर ने मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा राजकीय जिला चिकित्सालय, पीएचसी, सीएचसी सहित समस्त चिकित्सा संस्थानों में स्टाफ को पाबंद किया जाये कि वे घायलों को उपचार के लिये लाने वाले आमजन को प्रोत्साहित करें। आमजन को योजना के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ घायलों को उपचार के लिये अस्पताल लेकर आने वालों को पुरस्कृत और प्रोत्साहित भी किया जाये ताकि घायलों का जीवन बचाया जा सके।

सूरतगढ़ शहर में पुल के पास सड़क की मरम्मत के साथ-साथ बरसात के पश्चात जिले में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और पेच वर्क के लिये पीडब्लूयूडी को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के साथ-साथ जिला परिवहन विभाग द्वारा ओवरलोडिड वाहनों के खिलाफ भी कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना होने पर संबंधित विभागीय अधिकारी मौके पर तत्काल पहुंचकर राहत तथा बचाव व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

जिला पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने भी जिले में संभावित दुर्घटना स्थलों को चिन्हित करने के साथ.साथ दुर्घटना होने पर उपचार-बचाव सहित अन्य व्यवस्थाएं करने के निर्देश देते हुए कहा कि दुर्घटना होने पर पुलिस, स्वास्थ्य सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई तुरंत गति से की जाए। घायलों को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाते हुए उपचार सुविधा देना सुनिश्चित करें। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये उच्चतम न्यायालय की गाइडलाइन के अनुसार संबंधित कार्यवाही करने के निर्देश देते हुए कहा कि परिवहन विभाग द्वारा चिन्हित ब्लैक स्पॉट के पास नियमित रूप से वाहनों की जांच की जाये। बैठक में एडीएम प्रशासन (कार्यवाहक) कैलाशचंद्र शर्मा, नगर परिषद आयुक्त यशपाल आहूजा, एसई पीडब्लूयूडी ज्योति प्रकाश सुथार, पदम प्रकाश कोठारी, डीटीओ अवधेश चौधरी, यातायात प्रभारी श्री रघुवीर बीका, हरविंदर सिंह, डॉ. करण आर्य सहित अन्य मौजूद रहे।

बाड़मेर-हरिद्वार ट्रेन का इंजन हुआ फेल

नोखा, (कासं)। बाड़मेर से चलकर हरिद्वार जाने वाली 14888 एक्सप्रेस का बुधवार शाम को नोखा व चिलो पर इंजन फेल हो गया। इसके बाद नोखा स्टेशन से दूसरा इंजन मंगाया गया। इंजन बदलकर ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया गया। इस दौरान ट्रेन दो घंटे लेट हुई। नोखा स्टेशन मास्टर अरुण कुमार ने बताया कि बाड़मेर हरिद्वार एक्सप्रेस शाम 4 बजे के करीब नोखा व चिलो के बीच चरकड़ा के पास पहुंची और उसका इंजन फेल हो गया। फिर मालगाड़ी का इंजन भेजकर ट्रेन का इंजन बदल गया और ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

इंजन फेल होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी छोटे बच्चों के लिए हुई। अधिकारियों ने बताया की इंजन फेल होने की सूचना मिलते ही एक इंजन भेजा गया था और इसके बाद खराब हुए इंजन को अलग कर दूसरा इंजन लगाकर ट्रेन को आगे चलाया गया। काफी देर तक लोग ट्रेन चलने का इंतजार करते रहे, लेकिन ट्रेन आगे नहीं बढ़ी। तब लोगों ने ट्रेन के स्टाफ से इसके बारे में पूछा, तो पता चला की ट्रेन का इंजन फेल हो गया है।

भगत की कोठी भी खड़ी रही सुरपुरा स्टेशनः सुरपुरा के स्टेशन अधीक्षक नरेशलाल ने बताया कि भगत की कोठी गाड़ी संख्या 19226 जो 16:37 बजे सुरपुरा स्टेशन पर आई और 18:48 बजे चली। जो 2 घंटे एक मिनट खड़ी रही। क्योंकि गाड़ी संख्या 14888 का इंजन चिलो और नोखा के बीच खराब हो गया था।

सार-समाचार

रात्रि चौपाल में सुनी समस्याएं

बीकानेर, (कासं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) डॉ. दुलीचंद मीना ने बुधवार को केसरदेसर जाटान में देर रात तक चली रात्रि चौपाल के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं पर अधिकारियों से चर्चा करते हुए इनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। केसरदेसर जाटान में ट्यूबवेल बार-बार खराब होने की समस्या को उन्होंने गंभीरता से लिया और जलदाय विभाग के सहायक अभियंता को निर्देशित किया कि इस कारण ग्रामीणों को पेयजल समस्या नहीं हो, इसकी पुख्ता व्यवस्था की जाए। उन्होंने यहां संस्कृत शिक्षा स्कूल की छत से बरसाती जल भराव को के रिसाव की समस्या को गंभीरता से लिया और कहा कि इसके दुरुस्तीकरण के प्रस्ताव बनाकर संयुक्त निदेशक को भिजवाए जाएं तथा इनका फॉलोअप करें। उन्होंने कहा कि स्कूल की छत की शीघ्र दुरुस्त हो जाए, यह सुनिश्चित किया जाए। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) ने केसरदेसर जाटान में चिकित्सक नहीं होने की शिकायत पर सीएमएचओ को कार्यवाही के निर्देश दिए। साथ ही वहां तैनात मेडिकल स्टाफ सदस्यों को निर्देश दिए कि मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए अस्पताल प्रशासन द्वारा पूर्ण सतर्क रहे। उन्होंने यहां मेडिकल स्टॉफ, दवाइ्यों के स्टॉक एवं मेडिकल जांचों के संबंध में जानकारी ली। डॉ मीना ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के जर्जर भवन का पुनर्निर्माण करवाया जाए। इसके लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजे जाएं इससे पूर्व सीएमएचओ के माध्यम से आवश्यक एनओसी प्राप्त की जाए।

भाजपा का सदस्यता अभियान शुरू

श्रीगंगानगर, (कासं)। यहां पत्रकारों से बातचीत करते भाजपा जिलाध्यक्ष शरणपालसिंह, विधायक जयदीप बिहाणी, नगर परिषद सभापति गगनदीप कौर और अन्य पार्टी पदाधिकारी। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत गुरुवार को पार्टी के जिला कार्यालय में हुई। इस दौरान शहर के प्रमुख लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलवाई गई। सदस्यता अभियान दो सितंबर से शुरू हुआ है। जिले में गुरुवार से अभियान शुरू किया गया।इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में सदस्यता अभियान के बीकानेर संभाग प्रभारी दशरथ सिंह शेखावत, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मेघवाल, श्रीगंगानगर भाजपा जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह, श्रीगंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी, भाजपा नेता प्रियंका बैलान, नगर परिषद सभापति गगनदीप कौर, सदस्यता अभियान के जिला संयोजक रतन गणेश गढि़या, जिला महामंत्री प्रदीप धेरड़ व नरेन्द्र सहू उपस्थित रहे। शेखावत ने कहा कि श्रीगंगानगर जिले में 3:25 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य हमने रखा है। प्रत्येक बूथ पर हम 200 से भी अधिक सदस्य बनायेंगे, इसके लिए भाजपा के सभी पदाधिकारी, मोर्चों के अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और बूथ अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्र में एक-एक घर तक जाएंगे और उन लोगों को भाजपा का सदस्य बनाएगे जो वैचारिक रूप से पार्टी का सहयोग और समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि एक मोबाइल से एक व्यक्ति ही सदस्य बन सकता है। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल ने कहा कि भाजपा का यह सदस्यता अभियान व्यापक और विशेष है। सदस्यता अभियान के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता करोड़ों घरों तक जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह सरकार में सहभागिता बढ़ाने का अभियान है।

पार्षद उपचुनाव में 56.45 प्रतिशत वोटिंग

श्रीगंगानगर, (कासं)। नगर परिषद के वार्ड 25 में पार्षद पद के लिए उपचुनाव गुरुवार को हुआ। इसके लिए शहर के चौधरी मालूराम भांभू गवर्नमेंट पॉलीटैक्निक कॉलेज में दो पोलिंग बूथ बनाए गए थे। यहां सुबह सात बजे से शाम पांच बजे पोलिंग हुई। इन पोलिंग बूथ पर मतदान समाप्ति तक 56.45 प्रतिशत वोटिंग हुई।जहां मतदान केंद्र पर वोटर्स वोटिंग करने में और प्रशासन व्यवस्थाएं बनाने में व्यस्त थे, वहीं पोलिंग बूथ के बाहर पाटि्यों के कार्यकर्ता वोट के लिए वोटर्स से मनुहार करते दिखाई दिए। शाम पांच बजे तक इन लोगों ने वोटर्स को वोट करने के लिए प्रेरित किया। पोलिंग बूथ से करीब दो सौ मीटर की दूरी पर पाटि्यों ने अपने कैंप भी लगा रखे थे। यहां वोटर्स को अपने कैंडिडेट के समर्थन में वोट करने के लिए कार्यकर्ता आग्रह करते दिखाई दिए। शाम को वोटिंग समाप्त होने तक यहां 56.45 प्रतिशत वोटर्स ने वोटिंग की थी। काउंटिंग शुक्रवार को सुबह तहसील कार्यालय में होगी। वोटिंग सुबह सात बजे शुरू हुई। सुबह दस बजे तक 15.63 प्रतिशत, दोपहर बारह बजे तक 28.66 प्रतिशत, दोपहर तीन बजे तक 44.95 प्रतिशत, शाम पांच बजे तक 55.58 प्रतिशत और मतदान समाप्ति तक 56.45 प्रतिशत वोटर्स ने वोटिंग की।

नकदी व जेवरात चोरी

बीकानेर, (कासं)। चोर घनी आबादी वाले क्षेत्रों में भी बेखौफ हाथ साफ कर रहे हैं। छबीली घाटी क्षेत्र में रहने वाले एक टेक्सी ड्राइवर के घर से अज्ञात चोर सोने-चांदी के आभूषण ले गए। नगदी और अन्य सामान भी चोरी कर ले गए। मामले की जांच अब सिटी कोतवाली पुलिस कर रही है। टैक्सी ड्राइवर मोहन सिंह पंवार ने पुलिस को बताया- वह अपने परिवार के साथ सुजानदेसर स्थित रामदेव मंदिर दर्शन करके वापस घर पर लौटा था। इस दौरान देखा कि घर का सामान बिखरा हुआ था। पीछे वाले कमरे की लाइट जल रही थी। अलमारी खुली थी और अंदर से लॉकर का ताला तोड़ा हुआ था। लॉकर में रखा सोने-चांदी का सामान गायब था।

सार-समाचार

रामदेवजी का जन्मोत्सव मनाया

बीकानेर, (कासं)। हड़ाट फोर्स सेवा समिति के शिविर में गुरुवार को बाबा रामदेवजी का जन्मोत्सव मनाया गया। समिति के कमल राठी ने बताया कि उत्सव में रामदेवजी का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। इस अवसर पर जमकर आतिशबाजी की गई। इस अवसर पर आयोजन महाआरती में समिति सदस्यों के परिवारजन व पैदल जातरू मौजूद रहे। आरती के पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया। समिति के अनंतलाल दम्माणी ने बताया कि संस्था का शिविर 29 अगस्त से अनवरत जारी है। शिविर में पैदल जातरूओं को चाय, नाश्ता, भोजन, शिकंजी एवं मेडिकल की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। शिविर में बसंत चांडक, नरेन्द्र पुजारी, श्याम राठी, अजय राठी, कपिल सोमानी, सुमित सुराणा, जयंत सोनी, रामपाल सोनी, गोपाल गोठारी, राकेश विश्नोई, अमन लखोटिया, नितेश लखोटिया आदि सदस्य सुचारू रूप से सेवाएं दे रहे हैं।

महिला शिक्षकों का किया सम्मान

बीकानेर, (कासं)। बागेश्वरी साहित्य कला सांस्कृतिक विरासत संस्था के तत्वावधान में शिक्षक दिवस के अवसर पर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय लालगढ़ में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।संस्था सचिव मो. सलीम ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद- साहित्यकार राजेन्द्र जोशी ने की तथा मुख्य अतिथि संगीतज्ञ अहमद बशीर सिसोदिया, एवं विशिष्ट अतिथि साहित्यकार राजाराम स्वर्णकार रहे।अतिथियों का स्वागत प्रधानाध्यापिका चंदा खत्री एवं बाल मनुहार स्वागत हुमेरा खान व निकिता ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शिक्षाविद- साहित्यकार राजेन्द्र जोशी ने कहा की समाज में शिक्षक का स्थान सबसे सर्वोपरि एवं सम्माननीय है, उन्होंने कहा कि विद्यार्थी की प्रगति में पिता एवं गुरु ही सबसे अधिक खुश होते हैं, जोशी ने कहा कि राजकीय सेवा में कार्यरत शिक्षक का रिश्ता विद्यार्थी से पिता पुत्र के रिश्ते के समान रहता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजाराम स्वर्णकार ने कहा कि शिक्षक सदैव अपने विद्याथि्यों को खुश देखना चाहता है इसके लिए वह जीवन पर्यंत विद्याथि्यों के साथ रहता है । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बशीर अहमद सिसोदिया ने कहा कि शिक्षक विकास की धुरी है और विद्याथि्यों का चाहेता होता है। प्रारंभ में संस्था के अध्यक्ष अब्दुल शकूर सिसोदिया ने शिक्षक दिवस के अवसर पर संस्था की ओर से सम्मानित शिक्षकों के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की। अतिथियों ने सम्मानित शिक्षकों को शाल, स्मृति चिह्न, श्रीफल देकर सम्मान किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक मोइनुद्दीन कोहरी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड देकर सम्मानित किया । महिला शिक्षिका चंदा खत्री, कृष्णा शर्मा,उमा अग्रवाल, सुरेंद्र कौर, संतोष मीणा, ग़ज़ाला यास्मीन, सुनीता एवं जहानआरा को सम्मानित किया गया।अध्यक्ष अब्दुल शकूर बीकाणवी ने बताया कि संस्था द्वारा शिक्षा , साहित्य,समाज सेवा के लिए मोईनुद्दीन कोहली नाचीज़ को लाईफ टाईम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया।कार्यक्रम में छात्र-छात्रा समूह द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गयीकार्यक्रम के अंत में ग़ज़ाला यास्मीन ने आगंतुकों का आभार ज्ञापित किया।

20 लीटर मीठा पानी नष्ट करवाया

हनुमानगढ़, (निसं)। खण्ड नोहर में 19 अगस्त से चल रहे गोगामेड़ी में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर सैम्पल संग्रहित किए जा रहे हैं। इसी के तहत आज खाद्य सुरक्षा दल ने मौसमी ज्यूस विक्रय करने वालों दुकानों पर सामग्री की शुद्धता, स्वच्छता की जांच की। इसके अतिरिक्त अन्य खाद्य सामग्रियों के सैम्पल भी संग्रहित किए। खाद्य सुरक्षा दल ने आज 15 सैम्पल एकत्र कर खाद्य प्रयोगशाला भिजवाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि जिला कलक्टर कानाराम के निर्देशन में नोहर में चल रहे गोगामेड़ी मेले में खाद्य सुरक्षा दल द्वारा नियमित सैम्पल एकत्रित किए जा रहे हैं। इसी के तहत गुरुवार को खाद्य सुरक्षा दल ने मौसमी ज्यूस का विक्रय करने वाले विक्रेताओं की दुकानों का सघन निरीक्षण किया। ज्यूस विक्रेताओं द्वारा उपयोग में ली जा जाने वाले मशीन, खाद्य सामग्री, फलों की शुद्धता एवं स्वच्छता, मशीनों की साफ-सफाई सहित अन्य साफ-सफाई की जांच की। मौसमी ज्यूस विक्रेताओं को पाबंद किया कि स्वच्छ व शुद्ध ज्यूस का ही वितरण लोगों को किया जाए। इस दौरान एक दुकान पर मिले 20 लीटर मीठे पानी को मौके पर ही नष्ट किया गया। डॉ. शर्मा न बताया कि खाद्य सुरक्षा दल में एफएसओ सुदेश गर्ग, रामेश्वरलाल, गार्ड योगेश शर्मा एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हीरावलूभ ने 10 सैम्पल मौसमी ज्यूस के लिए गए। इसके अलावा दूध, रिफाइण्ड सोयाबीन ऑयल, मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर एवं वनस्पति के सैम्पल लिए गए। गोगामेड़ी मेले में आज कुल 15 सैम्पल संग्रहित कर बीकानेर स्थित खाद्य प्रयोगशाला में भिजवाएं गए।

'चारदीवारी व शौचालय निर्माण के कार्यों को प्राथमिकता से कराया जाएगा'

जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक को जिला प्रमुख मोडाराम ने संबोधित किया।

बीकानेर, 5 सितंबर। जिला परिषद की गुरुवार को आयोजित हुई साधारण सभा की बैठक में वर्ष 2024-25 की पूरक वार्षिक कार्य योजना के तहत महात्मा गांधी नरेगा योजना में जिले की विभिन्न पंचायत समितियों के लिए 8 हजार 433 कार्यों का अनुमोदन किया गया। जिला प्रमुख मोडाराम की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में इन कार्यों पर कुल 379.47 करोड रुपए व्यय किए जाने का अनुमोदन किया गया। इसके तहत विशेष तौर पर विभिन्न गांवों के राजकीय विद्यालयों में चारदीवारी, शौचालय व शेड निर्माण, आंगनबाड़ी भवन, डिग्गी निर्माण से जुड़े कार्य होंगे। बैठक में विभिन्न ग्राम पंचायतों के ढाई सौ स्कूलों में चारदीवारी और शौचालय बनाने, दिव्यांग आवेदकों के व्यक्तिगत लाभ के कार्य प्राथमिकता से स्वीकृत किए जाएंगे।

बैठक में जिला कलेक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि ने कहा कि ग्रामीण विकास को मजबूती देने के लिए महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत विभिन्न कार्यों के साथ सरकारी विद्यालयों में शौचालय और चारदीवारी निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से समयबद्ध रूप से पूरा करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले की समस्त ग्राम पंचायत में चारदीवारी विहीन स्कूलों के सर्वे करवाया गया। 220 स्कूलों का चिन्हीकरण कर प्रस्ताव लिए गए हैं। ग्रामीण विकास में सड़क, पानी के दिव्यांग आवेदकों के व्यक्तिगत लाभ के कार्यों को भी प्राथमिकता से स्वीकृत किया जाएगा। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के सुदृढ़ीकरण, पौधे लगाने सहित अन्य कार्यों का भी अनुमोदन किया गया है। उप जिला प्रमुख श्रीमती लक्ष्मी देवी ने फूलासर बड़ा में स्कूल में स्टाफ लगाने की बात कही। इस दौरान सदस्य रामधन, दौलत राम ने विभिन्न मुद्दों पर बात रखी।उन्होंने पूगल हॉस्पिटल में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और महिला डॉक्टर नियुक्ति की मांग की।

सदस्य मोहन लाल मंडाल ने जल जीवन मिशन के कार्य करवाने और सड़क दुरुस्तीकरण, दौलत राम ने सम्मेवाला में जीएलआर डिग्गी दुरुस्त करवाने की बात कही।

श्रीराम भादू ने बिजली कनेक्शन, मनरेगा में व्यक्तिगत लाभ, स्वास्थ्य क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर लगाने के विभिन्न कार्यों के बारे में कहा। अधिशासी अभियंता धीर सिंह गोदारा ने बताया कि मनरेगा के तहत व्यक्तिगत लाभ के स्वीकृत किए गए हैं। सदस्य उमा देवी ने बिलिनियासर से बांगड़सर तक 3 किलोमीटर सड़क निर्माण की मांग की।

कंप्यूटर टंकण गति परीक्षा 22 को

बीकानेर, (कासं)। मृत राज्य कर्मचारियों के आश्रित के रूप में अनुकम्पात्मक नियुक्ति प्राप्त कनिष्ठ सहायकों की हिन्दी एवं अंग्रेजी कम्प्यूटर टंकण गति परीक्षा होगी। परीक्षा 22 सितम्बर को सुबह 10 बजे से गंगा थियेटर के पास स्थित राजीव गांधी सेवा केन्द्र में आयोजित की जाएगी। परीक्षा आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) डॉ. दुलीचंद मीणा ने बताया कि अनुकम्पात्मक नियुक्ति प्राप्त जिन कनिष्ठ सहायकों द्वारा इस वर्ष अप्रैल से जुलाई माह की अवधि में आवेदन प्रस्तुत किया है। उन समस्त आवेदकों को 12 सितंबर तक अपने प्रवेश पत्र जिला कलक्टर कार्यालय की स्थापना शाखा (कमरा नं.13) से कार्यालय समय में स्वयं आकर प्राप्त करना होगा। उन्होंने बताया कि टंकण परीक्षा का आयोजन टाइपिंग एक्जाम सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा।

बैठक 10 को

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिला प्रमुख कविता रेगर की अध्यक्षता में जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक 3 सितम्बर को रखी गई थी। कोरम के अभाव में बैठक स्थगित होने के कारण जिला प्रमुख के निर्देशानुसार अब जिला परिषद की साधारण सभा की बैठक 10 सितम्बर को रखी गई है।

बीकानेर में शिक्षक दिवस मनाया

शिक्षक दिवस पर विद्यार्थियों ने शिक्षकों का सम्मान किया।

बीकानेर, (कासं)। नत्थूसर गेट बाहर स्थित लक्ष्मीनारायण रंगा सृजन सदन शाला की करूणा कूब इकाई द्वारा आज शिक्षक दिवस सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन में किया गया। जिसमें करूणा कूब के पदाधिकारियों के साथ-साथ सभी वरिष्ठ छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत माँ सरस्वती के आगे दीप प्रज्ज्वलित कर व सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन व वरिष्ठ साहित्यकार व रंगकर्मी लक्ष्मीनारायण रंगा प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ वरिष्ठ शिक्षाविद् राजेश रंगा ने किया।

इस अवसर करूण कूब के छात्र/छात्राओं के सदस्यों एंव वरिष्ठ छात्र/छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होने वरिष्ठ साहित्यकार एवं महान् शिक्षक लक्ष्मीनारायण रंगा द्वारा रचित शिक्षक सूक्त "शिक्षक आंखों में सपने मन में महत्वकाक्षाएं/मस्तिष्क में संकल्प/पाँवों में गति और हाथों में शक्ति भरता है" के बारे में विस्तार से बताया। रंगा ने कहा कि लक्ष्मीनारायण रंगा हमेशा कहा करते थे कि शिक्षक नर को नारायण, कंकर को शंकर, पुरूष को पुरूषोत्तम एवं जीव को शिव तक पहुंचाने वाले ज्ञानालोक की महायात्रा कराता है। इस अवसर पर सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं को इस पुनीत दिवस की बधाई देते हुए करूणा कूब के सदस्य एवं छात्र/छात्राओ ने सभी अध्यापक/अध्यापिकाओं को तिलक लगाकर, माला पहनाकर, मुंह मीठा कराकर उनसे आशीर्वाद लेकर उनका सम्मान किया। छात्र/छात्राओं ने इस अवसर पर अनेक अध्यापक/अध्यापिकाओं की मिमीक्री की। अन्य कई विद्यार्थियों ने मोनो एक्टिंग कर छात्र/छात्राओ का मन मोहा छात्रा अर्पिता खाती ने अध्यापकों पर स्वरचित कविता पाठ कर सम्पूर्ण सदन को रोमांचित कर दिया तो वहीं सभी शिक्षक/शिक्षिकाओं ने आज के युग में शिक्षक की महत्ता पर प्रकाश डाला। शिक्षक दिवस के इस पुनीत अवसर पर शाला के समस्त अध्यापक व अध्यापिकाओं के साथ-साथ खेल शिक्षक प्रशिक्षक श्याम सुन्दर चूरा का भी सम्मान किया गया। रामपुरिया जैन विधि महाविद्यालय की रासेयो की दोनों इकाइ्यों के द्वारा आज शिक्षक दिवस के अवसर पर एक विचार गोष्ठी एवं शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका विषय राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका थी।

गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनन्त जोशी ने डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन चरित्र से सम्बन्धित महत्वपूर्ण घटनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि एक शिक्षक देश का सजग प्रहरी होता है। वही देश की भविष्य की नींव को तैयार करता है। उसकी सोच व कार्यशैली के आधार पर किसी देश के विकास की आधारशिला रखी जाती है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनन्त जोशी ने विद्याथि्यों को शिक्षक दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि एक शिक्षक समाज का दर्पण होता है और एक सच्चा शिक्षक विद्याथि्यों की क्षमताओं की पहचान करके उन्हें देश के विकास में उनकी सहभागिता को सुनिश्चित करता है। शिक्षक सम्मान कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय परिवार तथा रासेयो इकाइ्यों के द्वारा महाविद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता सुरेश कुमार भाटिया तथा पूर्व विधि व्याख्याता तथा वर्तमान में जिला कलेक्टर कार्यालय में विधि अधिकारी पद पर कार्यरत डॉ. हिमांशु भाटिया का शॉल, स्मृति चिन्ह तथा श्रीफल देकर सम्मान किया गया।इस अवसर पर भाटिया ने महाविद्यालय परिवार तथा विद्याथि्यों का किए गए सम्मान के अवसर पर महाविद्यालय के व्याख्याता, डॉ. बालमुकुन्द व्यास, डॉ. शराफत अली, डॉ. राकेश धवन, डॉ. प्रीति कोचर, डॉ. पीयूष किराडू, श्रीमती सुनीता लूणिया, श्रीमती अन्जुमन उस्ता, श्रीमती चेतना ओझा, श्रीमती महिमा गहलोत, पवन सारस्वत, राकेश रंगा आदि मौजूद रहे।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

क्रमांक :- LU2012/SGN/2024-25/101120 — **लोक सूचना** — दिनांक : 05.09.2024

मुरलीधर होम डेवेलपर्स प्राइवेट लिमिटेड जरिये डायरेक्टर आदित्य गोयल पुत्र पवन कुमार निवासी 4 सी 19 जवाहरनगर श्री गंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र.सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1	चक 2 ई छोटी तहसील व जिला श्रीगंगानगर	मुरलीधर होम डेवेलपर्स प्राइवेट लिमिटेड जरिये डायरेक्टर आदित्य गोयल पुत्र पवन कुमार निवासी 4 सी 19 जवाहरनगर श्री गंगानगर	चक 2 ई छोटी मुरब्बा नं. 30 के किला नं. 2/2 में 0.1270 है. किला नं. 3 में 0.2530 है. किला नं. 4 में 0.2530 में से 0.0767 है., यथाकुल 0.4567 हैक्टे. (आवासीय प्रयोजनार्थ)	कुल 0.4567 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 05.09.2024 को जारी की गयी।

- प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक / निर्माण / 2024-25 / 12760 — दिनांक 04.09.2024

ई- निविदा-सूचना सं0 23/2024-25

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
निविदा की कुल लागत :-12.34 लाख
UBN Number :- DLB2425WSOB07334

राज.संवाद / सी / 24 / 4775 — आयुक्त, नगर निगम, बीकानेर

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक / निर्माण / 2024-25 / 12764 — दिनांक 04.09.2024

ई- निविदा-सूचना सं0 15/2024-25

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
निविदा की कुल लागत :-52.90 लाख
UBN Number :- DLB2425WSOB07343

राज.संवाद / सी / 24 / 4772 — आयुक्त, नगर निगम, बीकानेर

बीसलपुर बांध का गेज 315.34 सेंटीमीटर पहुंचा, गेट आज खुलेंगे

निचले इलाकों से किसानों एवं पशुधन को हटाने की कवायद प्रशासन ने शुरू की, प्रशासनिक अधिकारियों ने नदी किनारे से दूर हटने की चेतावनी दी

देवली, (निसं)। इन दिनों बीसलपुर बांध के ऊपरी इलाके में लगातार बारिश का दौर बना हुआ है। पिछले तीन दिन से मेवाड़ क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के कारण उपखंड क्षेत्र के बीसलपुर बांध में पानी की आवक बनी हुई है। वहीं बिसलपुर बांध के गेट आज खुलेंगे, इसको लेकर प्रशासन ने गांवों में अलर्ट की चेतावनी जारी कर दी है। वहीं मेवाड़ क्षेत्र के जैतपुरा बांध से पानी छोड़े जाने के कारण त्रिवेणी नदी का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे गुरुवार को बीसलपुर बांध में पानी की आवक होने पर बांध का जलस्तर गेज 315.34 सेंटीमीटर पर पहुंच गया। यह बीसलपुर बांध के भराव क्षमता से केवल 16 सेंटीमीटर कम रहा है। यह मापदंड गुरुवार रात दस बजे तक का है।

- **बीसलपुर बांध अपनी भराव क्षमता से 16 सेंटीमीटर खाली रहा, बीसलपुर बांध की सहायक नदी त्रिवेणी का गेज चार मीटर पर स्थिर रहा**

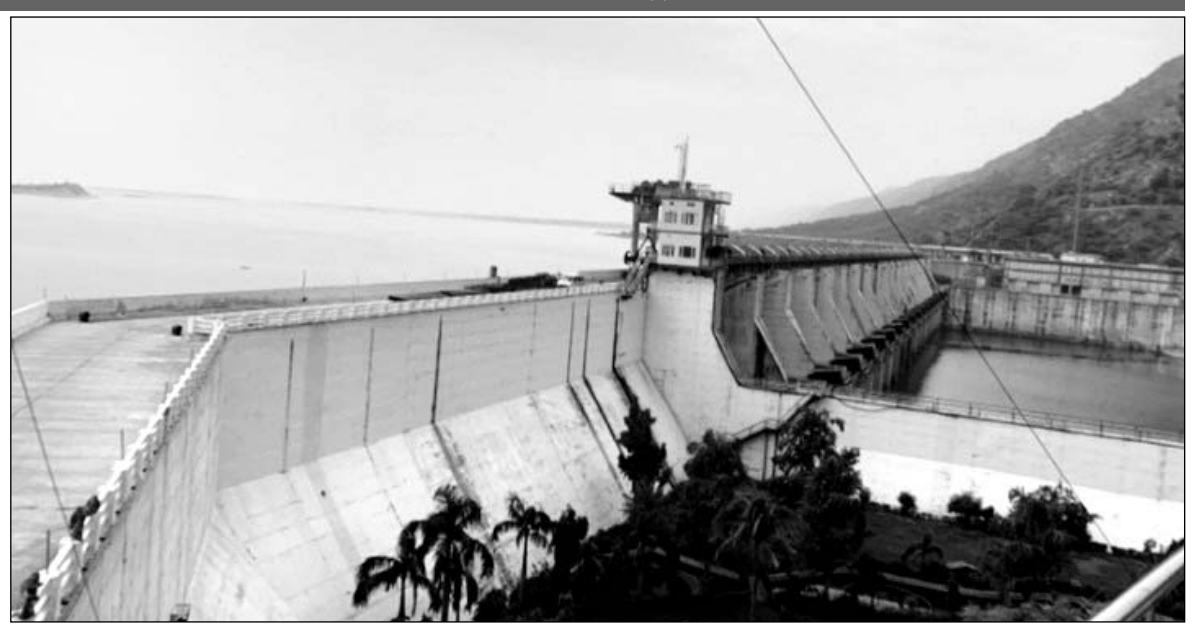

मेवाड़ क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के कारण बीसलपुर बांध में पानी की आवक बनी हुई है।

ऐसे में यह अनुमान लगाया शुक्रवार को बीसलपुर बांध के गेट खुलने की पूरी संभावना बन गई है। ऐसे में 2 साल बाद फिर से बीसलपुर बांध में पानी की पूर्ण क्षमता के भराव से और पानी की आवक होने से राज्य सरकार और राज्य की जनता सहित क्षेत्रीय किसानों में खुशी का इजहार किया जा रहा है। इसलिए की राजस्थान राज्य के एक चौथाई क्षेत्र में बीसलपुर बांध से पीने के पानी की जल आपूर्ति की जाती है। इसी के साथ टोंक, केकड़ी और भीलवाड़ा जिले के किसानों को भी बीसलपुर बांध के पानी से खेती लाभ पहुंचता है और वहीं किसान 12 महीने बीसलपुर बांध के पानी से खेतों में सिंचाई करते हैं।

बीसलपुर परियोजना के अधिशासी अभियंता मनीष बंसल ने जानकारी में बताया कि गुरुवार की देर रात तक बीसलपुर बांध में जलाशय भंडारण क्षमता 315.50 सेंटीमीटर तक पानी की आवक हो सकती हैं। इसके पश्चात अगर ऊपरी माल से पानी की आवक इसी तरह बनी रही तो बांध के गेट शुक्रवार को खोल दिए जाएंगे। अधिशासी अभियंता मनीष बंसल ने बताया कि बीसलपुर बांध के गेट खोले जाने को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों और जिला कलेक्टर को भी गेट खोले जाने की संभावनाओं पर अवगत करा दिया गया है। डाउनस्ट्रीम यानी के बांध के नदी बहाव क्षेत्र से लोगों को दूर रहने की चेतावनी दे दी गई है। वहीं पशुधन को भी क्षेत्र से दूर रखने के लिए अवगत करा दिया गया है। बीसलपुर बांध के कैचमेंट एरिया ऊपरी माल पर त्रिवेणी नदी का गेज गुरुवार रात 8 बजे तक 4 मीटर पर चल रहा है। ऐसे में प्रति घंटा डेड सेंटीमीटर बांध में पानी की आवक हो रही है।

15 फीट लम्बे अजगर ने नीलगाय के बछड़े को निगला

स्नैक कैचर सुरेंद्र सिंह ने ग्रामीणों के सहयोग से अजगर को रेस्क्यू किया।

ब्यावर, (निसं)। रायपुर उपखंड के बर गांव के निकट स्थित शिकारबाड़ी के पीछे एक 15 फीट लंबे विशालकाय अजगर ने लगभग 20 किलो वजनी नीलगाय के बछड़े को निगल लिया, इसके बाद वह झाड़ियां में छिपकर बैठ गया। जब अपने पशु गांव से सटे चरवाहा क्षेत्र में चरवाह रहे थे तभी एक भैंस अनजाने में अजगर के करीब घास चरती हुई पहुंच गई। अचानक अजगर खतरा महसूस होने पर भैंस के ऊपर हमलावर हो गया। भैंस वहां से भाग खड़ी हुई। यह घटना चरवाहे ने देखी तो तुरंत मौके पर जाकर देखा तो वहां पर एक विशालकाय अजगर झाड़ियां में बैठा हुआ था। चरवाहे ने शोर मचाकर आसपास के सभी चरवाहों को सचेत किया। देखते-देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सबके मन में एक ही विचार था कि आखिर इस अजगर ने किस जीव को निगला है। इसकी सूचना सेंदड़ा वन रेंज के अधिकारी राजेंद्र कुमार कसाना को दी गई, जहां से सेंदड़ा वन रेंज से स्नैक कैचर सुरेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे।

- **नीलगाय के बछड़े को निगलने के बाद अजगर झाड़ियां में छिपकर बैठ गया**
- **रेस्क्यू के दौरान अजगर ने स्नैक कैचर की अंगुली पर काट लिया**

स्नेक कैचर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि जैसे ही अजगर को रेस्क्यू करने के लिए नजदीक गए तो वह हमलावर हो गया और उसने बार-बार काटने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि अजगर ने भारी शिकार करने के बावजूद भी एक मीटर तक उछलकर काटने का प्रयास करता रहा। कड़ी मशक्कत के बाद अजगर को काबू किया गया। अजगर भागने की फिराक में काफी छटपटाने लगा था ।उसने हल्का होने के लिए या भागने के लिए निगले हुए शिकार नीलगाय के बछड़े को वापस उगल दिया। ग्रामीणों ने बताया कि वो यहां अपने पशु चरवा रहे थे तो उन्होंने यहां नीलगाय का एक झुंड देखा था और उनके साथ एक बछड़ा भी था शायद ये उसी बछड़े को इस अजगर ने शिकार बनाया हो।

स्नैक कैचर सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि अजगर इतना भारी भरकम था जिसे चार व्यक्तियों के सहयोग से बोरे में डालकर रोड के किनारे लेकर आना पड़ा और घने जंगल में छोड़ दिया गया। उन्होंने बताया कि नीलगाय के शिकार के बाद इसका वजन करीब 45 किलो के करीब था। इस दौरान मुन्नाराम माली कैलाश बागड़ी और अशोक सैनी आदि ग्रामीण मौजूद थे।

स्नैक कैचर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि रेस्क्यू के दौरान जैसे ही वे अजगर को बोरे में डाल रहे थे। उसी दौरान अजगर ने उनकी अंगुली पर काट लिया। उन्होंने बताया कि ग्लव्स पहने हुए के बावजूद भी अजगर का हमला बहुत तेज था और उसके दांत बहुत ही ज्यादा नुकीले थे जिससे ग्लव्स की परत को चीरते हुए उंगलियां तक पहुंच गए। काटने के बाद उनके हाथ से काफी ब्लीडिंग हुई, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार हेतु अस्पताल ले जाया गया और वो अब स्वस्थ हैं।

एक माह की बेटी की मां ने गला दबाकर हत्या की

रात को रो-रोकर बहुत परेशान कर रही थी एक माह की मासूम बेटी तो मां ने गला घोंट दिया

मांडलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मां ने अपनी ही मासूम बेटी का बेरहमी से गला घोंटकर हत्या कर दी। इस घटना ने पूरे इलाके को सदमे में डाल दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में मां को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

मासूम की कातिल मां भुला देवी गुर्जर को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

मांडलगढ़ थाना पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के बिकरण पंचायत के स्वरूपजी का खेड़ा गांव निवासी बच्ची नीलू कुमारी उम्र एक माह पांच दिन का शव घर में रखे पानी भरे ड्रम में मिला था। इस मामले में मृतका के काका माधुलाल गुर्जर ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला बीते रविवार को दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए गांव में ग्रामीण, पड़ौसियों और मृतका के परिजनों से पूछताछ की। वहीं मृतक मासूम नीलू कुमारी की 31 वर्षीय मां भुलादेवी गुर्जर से भी कड़ाई से पूछताछ की गई, जिसमें आरोपी मां भुलादेवी देवी ने हत्या करने का जुर्म स्वीकार किया।

आरोपी महिला ने बताया कि उसके पूर्व में दो पुत्रियां है और देवरानी के भी चार पुत्रियां हैं। शनिवार रात्रि में मृतका नीलू कुमारी रात को बहुत रो-रोकर परेशान कर रही थी। इस दौरान महिला ने अपनी मासूम का गला घोंट कर पानी के ड्रम में डाल दिया। मां ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी बेटी का गला घोंट दिया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने जांच के पश्चात आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान मां ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस को दिए बयान में उसने बताया कि वह मानसिक तनाव से गुजर रही थी और उसी दौरान उसने यह खौफनाक कदम उठाया। पुलिस को यह भी शक है कि इसके पीछे और कोई वजह हो सकती है, जिसकी जांच की जा रही है। यह घटना सुनकर पड़ौसी स्तब्ध हैं। किसी ने भी कभी नहीं सोचा था कि एक मां अपनी ही बेटी की जान ले सकती है। पड़ोसियों के अनुसार, मां-बेटी का रिश्ता सामान्य था।

थानाधिकारी चन्द्रप्रभात ने बताया कि यह घटना बहुत ही दर्दनाक है और जांच के बाद ही असल वजह का पता चल सकेगा। पुलिस मां के मानसिक स्वास्थ्य की भी जांच कर रही है।

आठवीं कक्षा का छात्र पिस्तौल लेकर स्कूल पहुंचा

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर के एक प्राइवेट स्कूल का स्टूडेंट बैग में पिस्तौल लेकर स्कूल पहुंच गया। स्कूल की डेली चैकिंग में उसके बैग में पिस्तौल मिली।

- **प्राइवेट स्कूल में डेली चैकिंग में छात्र के बैग में पिस्तौल मिली**

इस पर चैकिंग से जुड़े टीचर्स ने इसकी जानकारी स्कूल मैनेजमेंट को दे दी। उसी समय घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्टूडेंट के पेरेंट्स को थाने बुलाया। स्टूडेंट के पास मिली पिस्तौल उसके दादा की है और उसके दादा के पास इसका लाइसेंस भी है। स्टूडेंट शहर के स्कूल में आठवीं में पढ़ता है। स्कूल में हर दिन स्टूडेंट्स के बैग की जांच होती है। यह जांच की गई। इस दौरान एक स्टूडेंट के बैग में स्कूल स्टाफ को पिस्तौल मिली। इस पर उसने यह जानकारी स्कूल मैनेजमेंट तक पहुंचा दी। स्कूल मैनेजमेंट ने उसी समय थाने को सूचना दी। पुलिस ने स्टूडेंट के परिजनों को बुलाया और उन्हें घटना की जानकारी दी। इस पर स्टूडेंट के दादा ने उनके पास पिस्तौल का लाइसेंस होने की बात कहीं। इस पर दादा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। एसएचओ रमेश कुमार ने बताया कि आठवीं के स्टूडेंट के पास पिस्तौल मिली है। स्टूडेंट के दादा के पास इस संबंध में मामला दर्ज किया गया है।

हिंडौन में बारिश का दौर जारी

हिंडौन सिटी, (निसं)। शहर में करीब छह दिन बाद मानसून एक बार फिर से सक्रिय होते ही बाजारों में जल भराव का संकट छा गया। बुधवार शाम से रात तक हुई कुल 80 एमएम बारिश ने कटरा बाजार, डेम्प रोड, कम्बलबाल गली, धाकड़ पोठा, शीतला कॉलोनी, सर्राफा बाजार, भायलापुरा में जलभराव हो गया। कटरा बाजार में दुकानों के बाहर सड़क पर 3 से 4 फीट तक पानी भरा हुआ है। खरीदारी के लिए पहुंचे ग्राहक जलभराव देख वापिस लौटते दिखे। इधर हिंडौन-बयाना रोड पर बाजना रोड मोड़ पर पानी भरने से दुपहिया वाहन व ऑटो चालक डायवर्ट रूट में गलियों से निकलते हुए दिखे। शहर के मुख्य जलस्त्रोत जलसेन तालाब में पानी की आवक हुई है।

कार ने दो बाइकों को टक्कर मारी, छह की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां के बिजयनगर में देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। सूरतगढ़-अनूपगढ़ स्टेट हाईवे पर देर रात करीब दो बजे एक कार ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। एक्सीडेंट में 3 बाइक सवारों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, 3 ने हॉस्पिटल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार सभी बाइक सवार आपस में परिचित थे और रात्रि जागरण से लौट रहे थे।

- **सभी बाइक सवार आपस में परिचित थे और रात्रि जागरण से लौट रहे थे**

पुलिस के अनुसार एक्सीडेंट में मौके पर हनुमानगढ़ जिले के रावतसर थाना क्षेत्र के पल्लू निवासी ताराचंद (20), सूरतगढ़ गांव के दो एसपीएम का रहने वाला मनीष उर्फ रमेश (24), बख्तावरपुरा निवासी सुनील कुमार (20) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बख्तावरपुरा के चोहिलांवाली निवासी राहुल (20), राजियासर थाना क्षेत्र के गांव दो एसपीएम के शुभकरण (19) और बलराम उर्फ भालराम (20) की हॉस्पिटल ले जाने के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद से कार ड्राइवर मौके से फरार है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सांसद दामोदर अग्रवाल को 2775 फीट की पचरंगी पगड़ी पहनाई

भीलवाड़ा, (निसं)। भाजपा प्रदेश महामंत्री सांसद दामोदर अग्रवाल का विशेष सम्मान करते हुए राजस्थान जन मंच अध्यक्ष कैलाश सोनी के नेतृत्व मे सबसे लंबी पचरंगी पगड़ी 2775 फीट 5500 स्क्वायर फीट, 6 फीट ऊंची और 4 फीट चौड़ी पहनाई गई।

जनमंच अध्यक्ष सोनी के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश महामंत्री सांसद दामोदर अग्रवाल को विश्व की सबसे लंबी विशालकाय पचरंगी पगड़ी 2775 फीट की व 22 किलो 800 ग्राम वजन की भाजपा जिला कार्यालय भीलवाड़ा में पहनाकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की लाइव रिकॉर्डिंग हुई। जानकारी के अनुसार इससे पूर्व विश्व की सबसे लंबी पगड़ी गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में मध्य प्रदेश के बैतूल शहर में 26 अगस्त 2022 को 1133 फीट लंबी 3716 स्क्वायर फीट की पगड़ी का रिकॉर्ड बना था, उस रिकॉर्ड को आज तोड़ दिया गया है और नया रिकॉर्ड दर्ज करने की कार्यवाही की जाएगी। 2775 फीट पगड़ी को बांधने के लिए 20 वर्षों से लगातार पगड़ी बांध रहे सुरेंद्र सिंह चुंडावत जोगरास एवं उनकी टीम द्वारा पगड़ी को विशेष रूप से तैयारी किया गया। इससे पूर्व राजस्थान जन मंच अध्यक्ष कैलाश सोनी के नाम पर तीन विश्व रिकॉर्ड दर्ज हो चुके हैं।

अ. प्रोफेसर भर्ती परीक्षा के एडमिट कार्ड अपलोड

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित सहायक आचार्य संस्कृत शिक्षा विभाग प्रतियोगी परीक्षा 2024 का 8 से 19 सितंबर तक होगी। आयोग ने परीक्षा के प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट व एसएसओ पोर्टल पर अपलोड कर दिए हैं। आयोग के सचिव ने बताया कि संस्कृत शिक्षा विभाग में 15 विषयों के कुल 200 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन 12 जनवरी को जारी किया था। परीक्षाएं 8 से 19 सितंबर तक आयोजित होंगी, सामान्य ज्ञान प्रश्न पत्र-तृतीय की परीक्षा 8 सितंबर को प्रात: 11 से 1 बजे तक किया जाएगा। 9 से 19 सितंबर तक ऐच्छिक 9 सितंबर को हिन्दी तथा सामान्य दर्शन, 10 को साहित्य, ज्योतिष एवं ऋगवेद, 11 को राजनीति विज्ञान, 12 इतिहास तथा धर्मशास्त्र, 14 इंग्लिश तथा ज्योतिष फलित, 15 को सामान्य संस्कृत, 17 को व्याकरण, 18 को भाषा विज्ञान तथा 19 सितंबर को योग विज्ञान तथा यजुर्वेद विषयों की प्रश्न पत्र प्रथम एवं द्वितीय की परीक्षाएं दो पारियों में प्रात: 9 से 12 तथा दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक आयोजित होंगी। अभ्यर्थी प्रवेश-पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन-पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ठ कर डाउनलोड कर सकेंगे।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (टीडब्ल्यू)
पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर टेलीफैक्स: 0141-2201022 ईमेल : setw@jvvnl.org
ई-निविदा सूचना
ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम के अन्तर्गत वार्षिक दर अनुबंध पर वाहन, संयंत्र और मशीनरी की बिना पेट्रोलियम, तेल, लुब्रीकेंट के किराये पर रखने हेतु टीएन-552 के अन्तर्गत आमंत्रित जाती है। सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 26.09.2024 को सॉंय 5.00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधति जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।
UBN: VVN2425SLRC00430
जेपीआर-2880 (2024)
राज.संवाद/सी/24/4797
अधीक्षण अभियन्ता (टीडब्ल्यू)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

कार्यालय अधीक्षण अभियंता जल संसाधन वृत्त बारां
क्रमांक: F-/SEWR/Circle/NIT-1/2024-25/725 दिनांक-02/09/2024
कार्यालय आदेश
इस कार्यालय के पत्रांक F-/SEWR/Circle/NIT-1/2024-25/571 दिनांक 14/08/2024 से ई -निविदा सूचना सं. 01 वर्ष 2024-25 आमंत्रित की गईथी, जिसे अपरिहार्य कारणों से तुरंत प्रभाव से निरसत किया जाता है।
पी.सी. मीणा
अधीक्षण अभियंता
जल संसाधन वृत बारां
DIPR/C/8243/2024

राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान
(राजस्थान सरकार द्वारा स्थापित)
दुर्गापुरा, जयपुर 302 018 राजस्थान
Phone : 0141-2721412, Fax 2723618, EPBX : 2721431, 2720432 & 2720060
क्रमांक 6834 दिनांक 04.09.2024
ई-बिड सूचना संख्या - 6747/2024-25
राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान दुर्गापुरा जयपुर में नये आई.सी.टी. आईटम्स अनुमानित लागत राशि रूपये 54.60 लाख कय हेतु पंजीकृत विनिर्माताओं/अधिकृत वितरक/डीलर से ई-बिड दिनांक 19.09.2024 को 01.30 पीएम तक आमंत्रित की जाती है।
ई-बिड से सम्बन्धित समस्त शर्ते व निर्देश एवं बिड प्रपत्र बेबसाइट http://sppp.raj.nic.in पर देखे जा सकते हैं एवं डाउनलोड किया जा सकते है। इन बिड में भाग लेने वाले बिडदाताओं को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से इलेक्ट्रोनिक फॉर्मेट में बेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन सबमिट करना होगा।
NIB No:-AGR2425A0247
UBN No:-AGR2425GLOB00273
राज.संवाद/सी/24/4805
निदेशक
राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान
दुर्गापुरा जयपुर

कार्यालय पंचायत समिति चौथ का बरवाडा जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक: पससीकेबी/लेखा/निविदा/2024-25/950-952 दिनांक-3.9.2024
ई -निविदा सूचना संख्या 02,03,04/2024-25
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पंचायत समिति चौथ का बरवाडा के अधीनस्थ ग्राम पंचायतों में कार्यालय के पत्रांक 921-25 दिनांक 31.8.2024 द्वारा बोंरिग, सिगलफेस मोटर एवं नवीन हैण्डपम्प निर्माण कार्य हेतु भू-जल विभाग /जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं अन्य संस्थाओं में ड्रिलिंग कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से दिनांक 24.9.024 तक, कार्यालय पत्रांक 916-20 दिनांक 31.8.2024 द्वारा राजीव गॉधी सेवा केन्द्रो हेतु सेवा प्रदाता एजेन्सी के माध्यम से जॉब आउट सोर्सिंग बेसिस पर सुरक्षा गार्ड उपलब्ध कराये जोन हेतु दिनांक 17.9.2024 (ऑनलाईन) तक एवं कार्यालय पत्रांक 926-28 दिनांक 31.8.2024 द्वारा कम्प्यूटर/प्रिन्टर मरम्मत एंव टोनर रिफलिंग कार्य, नाश्ता/भोजन/पानी का कैम्पर, एंव हड्डी ठेका नीलामी हेतु दिनांक 09.09.2024 (ऑफलाईन) को निर्धारित प्रपत्र में दर संविदा के लिए ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में ऑनलईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। उक्त कार्य का विस्तृत शर्ते, अनुमानित लागत, निविदा बेचने प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है।
NIB Code -ZSM2425A0253 UBN- ZSM2425WSOB00310
NIB Code -ZSM2425A0252 UBN- ZSM2425WSOB00309
NIB Code -ZSM2425A0254 UBN- ZSM2425WSOB00311
NIB Code -ZSM2425A0254 UBN- ZSM2425WSOB00312
NIB Code -ZSM2425A0254 UBN- ZSM2425WSOB00314
विकास अधिकारी
पंचायत समिति चौथ का बरवाडा
DIPR/C/8303/2024

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया

नई पीढ़ी महाराणा प्रताप के जीवन से देश सेवा की प्रेरणा लें : उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी

शाहपुरा/भीलवाड़ा, (निसं)। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी गुरुवार को शाहपुरा ज़िले के दौरे पर रही। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सर्वप्रथम जहाजपुर पहुंचकर वहां स्थित स्वस्ति में भूगर्भ से प्रकटित मुनि सुव्रतनाथ स्वामी जी के दर्शन किए एवं अर्गहनमति माता स्वस्ति भूषण माता के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया।

इसके पश्चात उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी शाहपुरा जिले की कोटड़ी तहसील के बीरधोल गांव में पहुंच कर वहां महाराणा प्रताप स्मारक अभियान के तत्वावधान में निर्मित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर ज़िला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत एवं ज़िला पुलिस अधिक्षक राजेश कांवट भी मौजूद रहे।वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा के अनावरण के साथ ही उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जिले के बीरधोल में बोरड़ा से बीरधोल चौराहे तक 10 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सड़क और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बीरधोल में निर्मित हॉल का लोकार्पण किया। साथ ही शिक्षक दिवस के इस विशेष अवसर पर, उन महान शिक्षकों को सम्मानित किया जिन्होंने अपनी मेहनत, समर्पण और ज्ञान से हमारे समाज की नींव मजबूत बनाई है।

शाहपुरा के बीरधोल गांव में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप प्रतिमा का अनावरण किया।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रतापजी की यह भव्य प्रतिमा हमारे स्वाभिमान, शौर्य और बलिदान के प्रतीक महाराणा प्रतापजी की वीरता की अनमोल धरोहर है, जो आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे महाराणा प्रताप स्मारक अभियान के तहत महाराणा प्रताप के जीवन से संबंधित प्रत्येक स्थान पर उनकी भव्य प्रतिमाएं निर्मित की जाएगी एवं सभी स्थानों को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आमजन को अपनी समस्याओं के अतिशीघ्र समाधान हेतु स्थानीय जनप्रतिनिधियों के संपूर्ण सहयोग के लिए आश्वस्थ किया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का उद्देश्य आमजन के जीवन स्तर को और भी सुगम बनाना है तथा विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सरकार की मंशानुसार अधिकाधिक आमजन का हित भी प्रबलता से सुनिश्चित हो रहा है। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आगामी पीढ़ी को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के संघर्षरत जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में देश के लिए कुछ करने का संदेश भी दिया।

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में महाराज दीपक पुरी, जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा, माण्डलगढ़ विधायक गोपाल खण्डेलवाल, पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़, महाराणा प्रताप स्मारक अभियान के अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह नमाणा, कोटड़ी प्रधान करण सिंह कानावत, क्षत्रीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत, स्मारक समिति सदस्य, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता, प्रबुद्धजन एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

दुनिया के किसी भी कोने से प्रदेश में निवेश के लिए कर सकते हैं आवेदन : भजनलाल

मुख्यमंत्री ने किया एक आर्थिक अखबार के बिजनेस समिट का उद्घाटन

- 'हर सेक्टर में निवेश अनुकूल माहौल बनाने के लिए राज्य सरकार कर रही सतत काम'
- 'अगले पांच वर्षों में राजस्थान बनेगा 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को जयपुर में आयोजित एक आर्थिक अखबार के दो दिवसीय बिजनेस समिट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा भी मौजूद थे।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में उद्योग के लिए अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार उद्योगपतियों के लिए निवेश अनुकूल वातावरण तैयार करने तथा हर सेक्टर में निवेश को आकर्षित करने के लिए दूरदर्शिता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य को आर्थिक विकास और निवेश के हब के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा गुरूवार को जयपुर में आयोजित दो दिवसीय एक आर्थिक अखबार के बिजनेस समिट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस समिट के आयोजन से विचारों का आदान-प्रदान कर अवसरों की पहचान की जाएगी तथा नई-नई साझेदारियां बनाई जाएंगी। उन्होंने आशा जताई कि इस दो दिवसीय समिट से प्रदेश में औद्योगिक विकास के लिए सकारात्मक सुझाव प्राप्त होंगे जिस पर अमल कर राजस्थान देश के अग्रणी प्रदेशों में शुमार हो सकेगा तथा 2047 तक विकसित भारत-विकसित राजस्थान के विजन को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में एक फिल्म निर्माता ने राजस्थान में फिल्मसिटी की जरूरत के बारे में बताया तो सरकार द्वारा चार घंटों में ही जमीन चिन्हित कर उसके आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई। हमारी सरकार महीनों और दिनों में नहीं घंटों में राज्य के विकास के लिए निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के उद्यिमयों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये के एमओयू कर ज्वाइंट वेंचर बनाने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि हमारी सरकार केवल एमओयू साइन करने में ही नहीं, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारने में विश्वास रखती है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निवेशकों को लाभदायक माहौल देने के लिए लगातार नई नीतियां बनाई जा रही हैं। राजस्थान औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन योजना, निर्यात प्रोत्साहन योजना, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउस नीति, डेटा सेंटर नीति और एमएसएमई नीति इसी दिशा में हमारे ठोस प्रयासों का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी से औद्योगिक विकास को गति मिलती है। पीपीपी मॉडल से बड़ी औद्योगिक परियोजना एवं सुदृढ आधारभूत ढांचे के विजन को पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि राज निवेश पोर्टल के माध्यम से अब कोई भी निवेशक दुनिया के किसी कोने से प्रदेश में निवेश के लिए आवेदन कर सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान क्षेत्रफल के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा राज्य है तथा आर्थिक दृष्टि से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राज्य में सोना, लौह अयस्क, कच्चा तेल, प्राकृतिक स्टोन, यूरेनियम और लिथियम जैसे खनिज संसाधन उपलब्ध हैं। साथ ही, राजस्थान मसालों, सुगंधित फसलों एवं मोटे अनाज के उत्पादन में अग्रणी हैं। अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियां से उद्योगपतियों के लिए यहां निवेश करना फायदेमंद साबित होगा।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में निवेशकों को अनुकूल वातावरण देने के लिए 9 से 11 दिसम्बर तक 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा आयोजन को सफल बनाने और दुनिया भर के उद्यिमयों को इससे जोड़ने के लिए विभिन्न स्थानों पर रोड शो और इन्वेस्टर मीटिंग का लगातार आयोजन किया जा रहा है। इसी सिलसिले में मुंबई में आयोजित पहले इन्वेस्टर मीट में निवेशकों का अपार उत्साह देखने को मिला और इसमें 4.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमआयू पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेक इन इंडिया से लेकर स्टार्ट अप इंडिया जैसे अनेक ऐसे कार्यक्रम संचालित किए हैं जिससे देश में औद्योगिक विकास बढ़ा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में गत 8 माह में उद्योगपतियों के लिए निवेश का अनुकूल माहौल तैयार किया जा रहा है।

इस दौरान आयोजकों ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट स्वरूप दिए। मुख्यमंत्री ने आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा ने राज्य सरकार द्वारा उद्योगों के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यक्रमों तथा नवाचारों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में इकोनोमिक टाइम्स बिजनेस हैड अमित कुमार गुप्ता, गूगल क्लाउड इंडिया हैड लोकेश लोहिया, सीईओ सीमेंट बिजनेस अडानी ग्रुप अजय कपूर, कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन संजय स्वरूप ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उद्यमी एवं निवेशक उपस्थित रहे।

तेज बारिश से जयपुर में सड़कें लबालब, देर रात तक ट्रेफिक जाम में फंसे रहे लोग

बारिश के बाद सीकर रोड मुरलीपुरा में केडिया पैलेस रोड पर पानी भर गया।

- मौसम विभाग ने 6 से 9 सितंबर तक पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश की चेतावनी
- टूटी सड़कों और बड़े-बड़े गड्ढ़ों में हिचकोले खाते हुए रेंगते रहे वाहन, कई दुपहिया चालक फिसले

जयपुर। तेज बारिश से गुरूवार शाम जयपुर की सड़कें एक बार फिर लबालब होकर नदी की तरह बही। शाम करीब 5 बजे से देर रात तक कभी तेज तो कभी मध्यम बारिश का दौर चलता रहा। टूटी सड़कों और उनमें हो रहे बड़े-बड़े खड्ढ़ों में वाहन रेंगते हुए आगे बढ़े। जलभराव के कारण सीकर रोड, कालवाड व निवारू रोड, कलेक्ट्री, पानीपेच, 22 गोदाम, अजमेर पुलिया, जयपुर परकोटे समेत अधिकांश इलाकों में आवाजाही ठप्प हो गयी। ट्रेफिक जाम के कारण देर रात तक सड़कों पर वाहनों का रैला लगा रहा। सड़कों पर भरे बारिश के पानी में कई दुपहिया वाहन चालक फिसलकर भी गिरे।

दरअसल मंगलवार देर रात से शुरू हुआ बारिश का दौर थम-थमकर जारी है। बुधवार देर रात से गुरूवार अलसुबह तक बारिश हुई। इसके बाद शहर के अलग-अलग हिस्सों में कभी तेज को कभी बूंदाबांदी हुई। शाम करीब 5 बजे बाद आसमां में अचानक बादलों की आवाजाही बढ़ी और देखते ही देखते तेज बारिश शुरू हुई। जयपुर परकोटे से लेकर एम.आई.रोड, सीकर रोड, 14 नंबर पुलिया, ढहर के बालाजी और चौमूं पुलिया समेत शहर के तमाम इलाकों की मुख्य सड़कें नदी की तरह बहती नजर आयी। तेज बारिश के कारण वाहनों की आवाजाही भी अवरूद्ध हो गयी और ट्रेफिक जाम के हालात बन गए, जो देर रात तक बने रहे।

वहीं मौसम विभाग ने प्रदेश में 6 से 9 सितंबर तक पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में भारी वर्षा की चेतावनी दी है। देखा जाए तो इस बार मानसून में अब तक 595.23 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है, जो सामान्य वर्षा से 58.62 प्रतिशत ज्यादा है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अगले चार-पांच दिन तक पूर्वी राजस्थान के अधिकांश भागों में मानसून के सक्रिय रहने तथा कहीं कहीं भारी वर्षा की गतिविधियां जारी रहने की प्रबल संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक 6 व 7 सितंबर को बांसवाड़ा, बारां, बूंदी, चित्तौडगढ़, डूंगरपुर,झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सिरोही, उदयपुर और जालोर जिले में भारी बरसात की संभावना है। करौली में 6 सितंबर को भारी बारिश की चेतावनी दी गई हैं। पूर्वी राजस्थान में 6 से 10 सितंबर तक कोटा, भरतपुर, अजमेर, उदयपुर एवं जयपुर संभागों में अनेक स्थानों पर वर्षा होने की संभावना है। जबकि पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर व जोधपुर संभागों में 6-7 सितंबर को कुछ स्थानों एवं 8 से 10 सितंबर तक कहीं-कहीं वर्षा होने की संभावना है। हालांकि प्रदेश के गंगानगर, झुंझुनूं, बीकानेर, चुरु, हनुमानगढ एवं जैसलमेर जिले में 6 व 7 सितंबर को कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो मध्यप्रदेश के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र आज कमजोर होकर साइक्लोनिक सर्कुलेशन में परिवर्तित हो चुका है तथा वर्तमान में दक्षिण पश्चिमी राजस्थान क्षेत्र के ऊपर अवस्थित हैं। एक और नया कम दबाव का क्षेत्र बंगाल की खाड़ी में आगामी 24 घंटे में बनने की संभावना है।

'प्लान बताए जेडीए'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मानसरोवर स्थित पत्रकार कॉलोनी के सामुदायिक केन्द्र के भवन में पीआरएन का जोन ऑफिस खोलने को चुनौती देने के मामले में जेडीए से कहा है कि वह इस ऑफिस को शिफ्ट करने का प्लान दें और बताएं कि इसे कहां शिफ्ट किया जाएगा। वहीं राज्य सरकार को भी कहा है कि वह भी जोन ऑफिस के लिए जेडीए को जगह मुहैया कराए। इसके साथ ही मामले में प्रार्थी पक्ष से भी प्रति जवाब देने के लिए कहा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश श्याम सुंदर शर्मा व अन्य की पीआईएल पर दिया।

सुनवाई के दौरान जेडीए के अधिवक्ता अमित कुड़ी ने बताया कि इस मामले में जेडीए ट्रिब्यूनल में दायर रेफरेंस खारिज हो चुका है।

एक्मे स्कूल, अजमेर के 12वीं के छात्रों को बोर्ड के फार्म भरने पर असमंजस की स्थिति रहीं

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में श्रीनगर पंचायत समिति, चाचियावास, अजमेर में स्थित एक्मे एकेडमी सीनियर सैकेण्डरी स्कूल की मैनेजमेंट समिति ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, माध्यमिक शिक्षा के निदेशक व माध्यमिक शिक्षा के जिला शिक्षा अधिकारी, अजमेर के खिलाफ याचिका दायर की क्योंकि इस स्कूल को माध्यमिक शिक्षा स्तर की घोषित किये जाने के बावजूद शिक्षा बोर्ड द्वारा उसे पोर्टल पर लॉगिन नहीं दिया जा रहा जिससे वह स्कूल में 12वीं में पढ़ रहे छात्रों के लिये परीक्षा फार्म डाउनलोड कर सके। स्कूल की ओर से अदालत को बताया गया कि स्कूल की ओर से फार्म सबमिट करने की अंतिम तारीख पांच सितम्बर है, इसलिये अदालत बोर्ड को आदेश दे कि वो स्कूल को पोर्टल को लॉगिन करने दें और वे बच्चों के परीक्षा फार्म भर सके। न्यायाधीश सुदेश बंसल की एकलपीठ ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को आदेश दिये कि वह तुरंत स्कूल को फार्म भरने की अनुमति दें और वे पोर्टल पर लॉगिन करने की सुविधा भी दें। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के वकील अदालत में उपस्थित हैं, इसलिये वह सुनिश्चित करें कि बोर्ड पांच सितम्बर से स्कूल को छात्रों के फार्म अपलोड करने की सुविधा स्कूल को मिले। अदालत ने यह आदेश 4 सितम्बर को दिये थे, परंतु इस आदेश की लिखित कॉपी पांच सितम्बर को ही अपलोड की गई थी।

- अदालत ने बोर्ड के वकील को 4 सितम्बर को कहा था कि वह सुनिश्चित करें कि पांच सितम्बर को स्कूल की समिति को छात्रों के बोर्ड के फार्म अपलोड करने के लिये माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पोर्टल का पासवर्ड प्रदान करें, जबकि आदेश एक दिन बाद अपलोड हुआ
- उल्लेखनीय है कि पांच सितम्बर को बोर्ड फार्म अपलोड करने की अंतिम तिथि निर्धारित थी

इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सुनील समदड़िया अदालत में पेश हुए थे। उन्होंने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किल संस्थान को अकादमिक सत्र 2024-25 में 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को पढ़ाने की अनुमति मिली थी, परंतु माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 12 अप्रेल 2024 को उनके द्वारा दी गई यह अनुमति को वापस ले लिया था। इसके बाद उनके मुवक्किल ने 12 अप्रेल के इस आदेश को अदालत में चुनौती दी थी और 12 जुलाई को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की स्वीकृति वापस लेने के आदेश पर हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगाई। समदड़िया ने अदालत को बताया कि अंतरिम रोक लगाने के बाद भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने स्कूल को लॉगिन पासवर्ड नहीं दिया है जिससे वे बच्चों के फार्म भर सकें। हाईकोर्ट ने ना केवल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को स्कूल के बच्चों के फार्म भरने की अनुमति दी है बल्कि कहा है कि बोर्ड अदालती आदेशों की पालना करवाये। अदालत ने बोर्ड के आदेश पर अंतरिम रोक लगाने के मामले और स्कूल को फार्म अपलोड करने के लिये दायर रिट याचिका को साथ में सुनने के आदेश भी दिये।

अजमेर में 1992 के सामूहिक बलात्कार कांड के विरोध में सर्व हिन्दू समाज का धरना

जयपुर। अजमेर में 1992 के सामूहिक बलात्कार और ब्लैकमेलिंग कांड के विरोध में सर्व हिन्दू समाज की ओर से सोडाला चौराहे पर गुरुवार शाम को सामूहिक धरना दिया गया।

हिन्दू जागरण मंच के सतीश अग्रवाल ने कहा कि इस बलात्कार कांड में अजमेर दरगाह के खादिम चिस्ती परिवार के बच्चे तथा कांग्रेस के दो बड़े नेता इस में सीधे-सीधे शामिल थे।

उसकी वजह से यह सारे बलात्कार कांड में जांच और पूरी गिरफ्तारियां नहीं हुई इस कांड के अंदर उस वक्त 300 से ज्यादा हिंदू लड़कियां के साथ बलात्कार हुआ और उनको ब्लैकमेल किया गया उनके माध्यम से एक से दूसरी लड़कियों को कड़ी करके बुलाया गया और बाद में उनमें से कई लड़कियां पागलपन का शिकार हो गई, 32 साल बाद भी जब न्याय की बात आई तो कुछ दो-चार लोगों को सिर्फ आजीवन कारावास की सजा दी गई है, जबकी अन्य आरोपी अभी भी खुले घूम रहे हैं।

नाटक ''दरया'' का मंचन आज

जयपुर । द मिस्टेकर्स की ओर से 6 सितंबर को शाम साढ़े 6 बजे रविन्द्र मंच के मिनी ऑडिटोरियम में नाटक 'दरया' का मंचन होगा।

रंजना चौधरी द्वारा निर्मित और लोकेश राज कुमार द्वारा लिखित एवं निर्देशित नाटक ''दरया'' प्रेम-पिया नामक एक जोड़े की कहानी है।

प्रेम थिएटर कम्युनिटी में अपना नाम और जगह बनाने की कोशिश में एक नाटक तैयार करना चाहता है। प्रेम के नाटक का नाम है ''दरया'' जो हीर-रांझा, रोमियो-जूलिएट और लैला-मजनू की कहानी है।

लेकिन उसी दौरान पिया को आने वाले कुछ दिनों में ही मुम्बई जाना है, अपने मॉडलिंग के सपने को साकार करने। क्या प्रेम पिया के साथ मुम्बई जाएगा? क्या प्रेम नाटक कर पिया को ''दरया'' वाला प्यार समझा पायेगा?

भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने गुरूवार को उज्जैन (मध्यप्रदेश) में श्री बाबा महाकाल के दर्शन कर प्रदेश एवं देश के कल्याण और उन्नति की कामना की।

राहुल की तलाश के लिए नाहरगढ़ की पहाड़ियों में हेलिकॉप्टर सर्च ऑपरेशन

- लापता युवक राहुल की कॉल डिटेल में किसी लड़की का नंबर मिला है, पुलिस इसकी भी जांच में जुटी
- 18 पुलिसकर्मियों की एस.आई.टी. मामले की जांच कर रही है, परिजनों ने जिन लोगों पर शक जताया है, उनकी भी जांच करेगी पुलिस

जयपुर । शास्त्री नगर इलाके से नाहरगढ़ के चरण मंदिर घूमने जाने की कहकर निकले दो भाइयों में से छोटे आशीष पाराशर का शव पहाड़ियों पर मिला था, लेकिन बड़ा भाई राहुल अभी लापता है। बीते चार दिन से चल रहे सर्च के बाद भी राहुल का पता नहीं लग पाया है। गुरुवार को आशीष के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। वहीं राहुल की तलाश के लिए हेलीकॉप्टर भी बुलाया गया। दोपहर करीब 1 बजे जयपुर एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर ने उडान भरी थी और 2 बजे तक नाहरगढ़ की पहाड़ियों और आस-पास में सर्च किया।इस मामले में पुलिस ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस को राहुल की कॉल डिटेल से बड़ा इनपुट हाथ लगा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार राहुल के कॉल डिटेल से एक लड़की का नंबर सामने आया है। उससे हादसे वाले दिन भी बात हुई थी।

राहुल व आशीष के परिजनों ने भी कुछ लोगों पर शक भी जताया है। ऐसे में एसआईटी उन सभी लोगों की भूमिका की जांच करेगी। इसके अलावा जिस फाइनेंस कंपनी में दोनों भाई जॉब करते थे, वहां के कर्मचारियों और उनके जॉब को लेकर भी जांच की जाएगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार जब राहुल और आशीष की कॉल डिटेल खंगाली तो सामने आया कि हादसे वाले दिन आशीष ने अपनी मां को कॉल करने के बाद नाहरगढ़ के गार्ड को भी कॉल किया था। बताया था कि वह रास्ता भटक गया है। राहुल के मोबाइल से एक लड़की का भी नंबर मिला है। बताया जा रहा है कि हादसे वाले दिन राहुल की इस लड़की से भी बात हुई थी। पुलिस कॉल डिटेल के आधार पर भी अपने जांच को आगे बढ़ा रही है। इस पूरे प्रकरण की जांच के लिए एडिशनल कमिश्नर क्राइम कैलाश बिश्नोई ने 18 पुलिसकर्मियों की एसआईटी का गठन किया है। इसमें एडिशनल डीसीपी बजरंग सिंह, एसीपी भोपाल सिंह भाटी, अनूप सिंह, चन्द्र प्रकाश, इंस्पेक्टर भवानी सिंह, दलबीर सिंह, कैलाश चन्द्र, ईश्वर चंद, देवेन्द्र प्रताप वर्मा, राकेश ख्यालिया, धर्म सिंह, एसआई राजेश कुमार, भंवर सिंह, एएसआई प्रकाश चन्द,कॉन्स्टेबल, कुलदीप, कालूराम, रोहिताश कुमार व राकेश कुमार को शामिल किया है।

यह एसआईटी दोनों भाइयों की कॉल डिटेल व सीडीआर का एनालिसिस, लापता राहुल की तलाश के लिए प्लानिंग, मृतक आशीष की मौत के संबंध में जांच करेंगे। इस एसआईटी के लिए एडिशनल डीसीपी संगठित अपराध, एडिशनल डीसीपी पुलिस लाइन और नॉर्थ व वेस्ट जिले की एएचटीयू शाखा को निर्देश दिए गए है। एसआईटी रोजाना जांच रिपोर्ट देगी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि आशीष का फोन रास्ता भटकने के बाद 12 घंटे से ज्यादा समय तक चालू था। रास्ता भटकने की सूचना दोपहर करीब 12 बजे की थी। उसकी लोकेशन लगातार ट्रेस हो रही थी। उसी लोकेशन के आधार पर पुलिस सोमवार की सुबह 6 बजे पहुंची तो आशीष की डेड बॉडी मिली। आशीष का मोबाइल डेड बॉडी मिलने से कुछ घंटे पहले ही बंद हुआ था। राहुल का मोबाइल जल्दी बंद हो गया था।

जवाहर कला केंद्र में 6-8 सितंबर तक होगा 'सुर-ताल'

- संगीत, नृत्य उत्सव और फ़ोटोग्राफ़ी से सजेगा जेकेके
- हवेली संगीत, कोरियोग्राफ्ड नृत्य, शास्त्रीय गायन, ओडिसी नृत्य, ग़ज़ल गायन से सराबोर होंगे जयपुरवासी

जयपुर । जवाहर कला केंद्र में शुक्रवार से तीन दिनों तक हवेली संगीत, कोरियोग्राफ्ड नृत्य, शास्त्रीय गायन, ओडिसी नृत्य और गजल गायन से जहां एक ओर सुरों की महफिल सजेगी तो वहीं दूसरी ओर नृत्य की ताल दर्शकों को रोमांचित करेगी ।

मौका है डेल्फिक काउंसिल ऑफ़ राजस्थान, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर और उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के संयुक्त तत्वाधान में एवं जवाहर कला केंद्र के सहयोग से 6 से 8 सितंबर तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय उत्सव सुर ताल का। जवाहर कला केंद्र के रंगायन और कृष्णायन में आयोजित होने वाले इस उत्सव की शुरुआत शुक्रवार, 6 सितंबर को प्रात: 10.30 बजे कृष्णायन सभागार में होगी।

डेल्फिक काउंसिल ऑफ़ राजस्थान की अध्यक्ष श्रेया गुहा ने बताया कि सुरताल उत्सव में तीन दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी जिसमें मुंबई के प्रसिद्ध फोटोग्राफर शिरीष कर्राले फोटोग्राफी के गुर सिखाएंगे। फोटोग्राफी कार्यशाला में अभ्यास आधारित प्रैक्टिकल सेशन होंगे और प्रतिभागी फोटोग्राफी के नए-नए पहलू सीखेंगे।

गुहा ने बताया कि सुर ताल उत्सव के पहले दिन (6 सितंबर) शाम 6.30 बजे आचार्य स्वामी गुरु रणछोड़लाल के हवेली संगीत से कार्यक्रम आरंभ होगा। उसके बाद दिल्ली के प्रसिद्ध कोरियोग्राफर संतोष नायर के 30 सदस्यीय दल द्वारा विभिन्न नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुति दी जाएगी। उत्सव के दूसरे दिन 7 सितंबर को जयपुर के ही शास्त्रीय गायक सौरव वशिष्ट की प्रस्तुति होगी। उसके बाद उदयपुर के ओडिसी गुरु कृष्णेनेंदु साहा के दल द्वारा ओडिसी नृत्य की कलात्मक प्रस्तुति होगी ।

सुर ताल के अंतिम दिवस 8 सितंबर को ग़ज़ल की प्रस्तुति होगी। जिसमें डॉ प्रेम भंडारी, डॉ देवेंद्र हिरण व डॉ पामिल मोदी द्वारा ग़ज़लों की प्रस्तुति दी जाएगी । डॉ प्रेम भंडारी कवि और शायर होने के साथ साथ संगीत निर्देशक भी हैं। रंगायन में कार्यक्रम का समय शाम 6.30 रहेगा तथा प्रवेश नि:शुल्क होगा।

आईसीआईसीआई लाइफ इंश्योरेंस ने रचा कीर्तिमान

जयपुर । आई.सी.आई.सी.आई. प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने अपने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के तहत 3 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। गत 31 जुलाई 2024 तक कंपनी का एयूएम 3.14 लाख करोड़ रुपए दर्ज किया गया।

अनूप बागची, एमडी और सीईओ, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने कहा, "एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के तहत 3 लाख करोड़ रुपए की उपलब्धि हासिल करना हमारे लिए गर्व का विषय है। यह हमारे उत्पादों के प्रति ग्राहकों की पसंद को दर्शाता है। साथ ही, उनके दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता के रूप में हम पर उनके भरोसे को भी उजागर करता है। हमने अपने उत्पादों और प्रक्रियाओं को सरल बनाकर हमारे एसेट्स अंडर मैनेजमेंट में वृद्धि की है।"

पति की हत्या करने वाली पत्नी और उसके प्रेमी को आजीवन कारावास

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-1 महानगर द्वितीय ने प्रेम संबंधों में आड़े आ रहे पति की गला घोटकर हत्या करने वाली उसकी पत्नी मंजू ओझा और प्रेमी बीरेष ओझा उर्फ सोनी ओझा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने दोनों अभियुक्तों पर कुल 16 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी बीएल चंदेल ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त मृतक की पत्नी है और दूसरा अभियुक्त उसका पड़ोसी है। दोनों अभियुक्तों ने अपने संबंधों के चलते उसकी हत्या की है। ऐसे में अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक साजिया खान ने अदालत को बताया कि 27 अप्रैल, 2021 को राजकुमार ने कालवाड थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसका छोटा भाई राकेश अपनी पत्नी मंजू व तीन संतानों के साथ तीजा नगर में रहता है। उसके पास 21 अप्रैल की सुबह चचेरे भाई का फोन आया कि राकेश को कुछ हो गया है। जब वह वहां पहुंचा तो राकेश की लाश फर्श पर पड़ी थी और गले में फांसी के निशान थे। उसकी पत्नी से पूछा तो उसने बताया कि रात को राकेश ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

तेज रफ्तार ट्रक ने छात्रों को कुचला

जयपुर । गोनेर रोड पर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार छात्र रोहित शर्मा की मौत हो गई, जबकि उसका साथी राहुल शर्मा गंभीर घायल हो गया। घायल छात्र का अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे के बाद आक्रोशित भीड़ ने रास्ता जाम कर प्रदर्शन कर मुआवजे की मांग की। सूचना पर मौके पर पहुंचकर खोह नागोरियान थाना पुलिस ने लोगो को समझाबुझाकर शांत किया। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर थाने पर खड़ा करवा दिया। दोनों छात्र शिक्षक दिवस पर अध्यापक के लिए गिफ्ट और केक लेकर लौट रहे थे।

चनाना में तीन हजार महिलाओं ने एक साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

भाजपा नेता बबलू चौधरी के संयोजन में हुआ कार्यक्रम, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी समेत भाजपा नेताओं ने तारीफ की

झुंझुनूं, (निसं)। पूरे देश में भाजपा का सदस्यता अभियान शुरू हो गया है। इसी क्रम में झुंझुनूं के चनाना गांव में भी गुरूवार को अनूठे अंदाज में झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र में इस अभियान का आगाज किया गया। चनाना गांव में हुए नारी शक्ति वंदन एवं सदस्यता सम्मेलन में क्षेत्र की तीन हजार महिलाओं ने एक साथ पार्टी की सदस्यता ली। भाजपा नेता बबलू चौधरी के संयोजन में हुए इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी थे। अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी ने की।

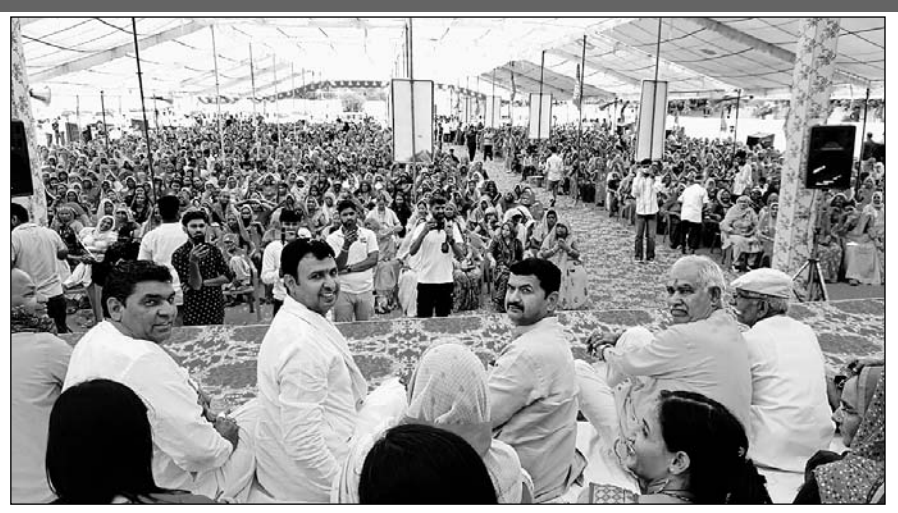

झुंझुनूं के चनाना गांव में हुए नारी शक्ति वंदन एवं सदस्यता सम्मेलन में क्षेत्र की तीन हजार महिलाओं ने एक साथ भाजपा की सदस्यता ली।

कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर श्रवण सिंह बगड़ी, बनवारीलाल सैनी तथा बबलू चौधरी का स्वागत किया गया। इस मौके पर मिस्ड कॉल से सम्मेलन में मौजूद करीब तीन हजार महिलाओं ने भाजपा की सदस्यता ली और फिर हाथों से मोबाइल उपर करके और भी सदस्य बनाने का संकल्प लिया। भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने कहा कि माता पूजनीय होती है। झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र में भाजपा नेता बबलू चौधरी के संयोजन में जो शक्ति वंदन व सदस्यता सम्मेलन हुआ है। यह वास्तव में शानदार आयोजन है। इस आयोजन के बाद वे भी दावे के साथ कह सकते हैं कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में सवा करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया है, वो पूरा होगा। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम को देखकर हमारा हर बूथ पर 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य है, वो तीन गुना तक जाएगा, यह भी वह कह सकते हैं।

उन्होंने इस आयोजन के लिए भाजपा नेता बबलू चौधरी और उनकी टीम का आभार जताया। इधर, बबलू चौधरी ने बताया कि चनाना और आस-पास के गांवों की तीन हजार महिलाओं को आज भाजपा की सदस्यता दिलवाई गई है। भाजपा का सदस्यता अभियान एक उत्सव की रूप में मनाया जा रहा है। हर एक व्यक्ति, जो भाजपा परिवार का सदस्य बन रहा है, वह उत्सव के रूप में अपनी सदस्यता को देख रहा है। भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश गजराज ने बताया कि कार्यक्रम में आई महिलाओं ने उत्साह के साथ बबलू चौधरी को रक्षा सूत्र बांधा। बबलू चौधरी द्वारा मौजूद महिलाओं को उपहार भेंट कर सम्मानित करते हुए छायादार व फलदार पौधे भी वितरण किए गए। चिड़ावा पंचायत समिति सदस्य मधु झाझड़िया के सानिध्य में महिलाओं द्वारा प्रदेश महामंत्री का सम्मान किया गया।

इस दौरान पंचायत समिति सदस्य सुमन देवी, माया देवी, सुमन कुमारी, सुमित्रा, कमला, सरोज, सुशीला, प्रतिज्ञा, अनार देवी, पुष्पा कुमारी, पुष्पा जांगिड़, ममता, रेणुका, सरोज, रेणुका, संगीता, सावित्री, उर्मिला सहित हजारों की संख्या में महिलाएं मौजूद थी। भाजपा सदस्यता अभियान में सुलताना मंडल अध्यक्ष बलजीत शर्मा, झुंझुनूं ग्रामीण मंडल अध्यक्ष बहादुरमल स्वामी, चनाना सरपंच चरणसिंह, अर्जुनसिंह, महिपालसिंह, रोहिताश्व, प्रमोद, ललित कुमार, राकेश मोटसरा, झुंझुनूं मंडल अध्यक्ष कमलकांत शर्मा आदि मौजूद रहे।

तांबे की केबल चोरी गैंग का पर्दाफाश, नौ बदमाश गिरफ्तार

गंगापुर थाना पुलिस ने केबल चोरी गैंग का खुलासा कर नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की गंगापुर थाना पुलिस ने तांबे की केबल चोरी गैंग का खुलासा करते हुए अंतर्राजीय चोर गिरोह के नौ शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक,भीलवाड़ा राजन दुष्यंत आईपीएस के निर्देशन में रोशन पटेल अति. पुलिस अधीक्षक सहाडा व रितेश कुमार वृत्ताधिकारी गंगापुर के दिशा निर्देशों पर टीम गठित कर चोरी व नकबजनी की घटनाओं की रोकथाम व खुलासे हेतु फुल चन्द पुनि. थानाधिकारी गंगापुर के नेतृत्व में गठित टीम ने नौ अभियुक्तो को गिरफ्तार किया गया। तीन अगस्त को प्रार्थी केदारनाथ पिता मन्नालाल कौशिक निवासी विजयनगर अलवर जिला अलवर हाल निवासी गंगापुर ने थाना गंगापुर पर एक लिखित रिपोर्ट पेश कि एक अगस्त को रात्रि के मध्य टेगोर स्कूल के पीछे न्यू नीलकंठ माईन्स एण्ड मिनरल्स पोटला थाना गंगापुर में अज्ञात चोर पांच इलेक्ट्रीक मोटरें, कम्प्रेशर, वैल्डिंग मशीन, मशीन के अन्य पाट्र्स व तांबे की केबलें चोरी करके ले गये। रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया।

टीम द्वारा घटनास्थल के आस-पास व सम्भावित रूट पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज लिये जाकर पूर्व में चालानशुदा अपराधियों से पूछताछ की जाकर नौ अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपी महावीर पिता मोहन लाल बैरवा निवासी सनादिया थाना गुलाबपुरा जिला भीलवाड़ा हाल निवास रिको फार्थ बिलियॉ थाना प्रताप नगर जिला भीलवाड़ा, बंशीलाल पिता उगमाराम बैरवा निवासी सालरियां थाना बनेडा जिला शाहपुरा, सुरेश पिता मांगी लाल भील निवासी मोटलियास थाना गंगरार जिला चित्तौड़गढ़ हाल निवास कच्ची बस्ती कांवाखेड़ा थाना कोतवाली जिला भीलवाड़ा, श्रवण भील उर्फ मेघालाल पिता रामलाल भील निवासी लिरडिया थाना माण्डल जिला भीलवाड़ा, लोकेश पिता नारायण लाल दरोगा निवासी खेराबाद थाना हमीरगढ़ जिला चित्तौड़गढ़, बबलु ओड पिता कन्हेयालाल ओड निवासी गणेशपुरा थाना गंगरार जिला चित्तोड़गढ़ हाल निवास कांवाखेडा कच्ची बस्ती थाना कोतवाली जिला भीलवाड़ा, देवीलाल पिता मिठुलाल दरोगा निवासी ऐरा थाना गंगरार जिला चित्तौड़गढ़ हाल निवास खेराबाद थाना हमीरगढ़ जिला भीलवाड़ा, रमेश उर्फ रामेश्वर पिता बंशीलाल माली निवासी चोथ माता का खेड़ा रायला थाना रायला जिला भीलवाड़ा हाल निवास आर्यव्रत कॉलोनी थाना प्रताप नगर जिला भीलवाड़ा और लक्ष्मीनारायण पिता बंशीलाल माली निवासी चौथ माता का खेडा रायला थाना रायला जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया है। जिनसे पुलिस पूछताछ कर रही है।

तस्करी के दोषी दो युवकों को कैद

श्रीगंगानगर, (निसं)। एनडीपीएस एक्ट में प्रतिबंधित घटक की 5 हजार गोलियों की तस्करी के दोषी ठहराए गए दो युवकों को 10-10 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। दोनों युवकों पर एक-एक लाख रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। जुर्माना अदा नहीं करने की सूरत में एक-एक साल की अतिरिक्त जेल काटनी होगी। दोनों युवक गिरफ्तारी के बाद से न्यायिक अभिरक्षा में ही थे। न्यायालय ने इनकी न्यायिक अभिरक्षा में बिताई गई अवधि को मूल सजा में समायोजित करने के आदेश दिए हैं। न्यायालय के विशिष्ट लोक अभियोजक विजेंद्र घिंटाला ने बताया कि 5 जी सहारणांवाली निवासी 37 वर्षीय विजयकुमार उर्फ बिट्टू पुत्र ज्ञानचंद तथा दुल्लापुर कैरी निवासी 22 वर्षीय रवि पुत्र सुखदेवसिंह को 10-10 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई गई है।

हिस्ट्रीशीटर के अतिक्रमणों पर बुलडोजर चला

कोटा, (निसं)। शहर के उद्योग नगर थाना इलाके के हिस्ट्रीशीटर हजरत अली उर्फ गुड्डू के खिलाफ एक्शन लेते हुए कोटा सिटी पुलिस ने उसके अवैध अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए गुरुवार को ध्वस्त करवाया है। पूरे मामले की मॉनीटरिंग कोटा सिटी एसपी डॉ. अमृता दुहन कर रही है। डॉ. दुहन का कहना है कि हजरत अली उर्फ गुड्डू के दो अतिक्रमण ध्वस्त किए गए हैं, जिनकी कीमत करीब 25 लाख रुपए है। यह 1717 गैंग का सक्रिय सदस्य है इसके खिलाफ दर्जनों मामले अब तक संगीन धाराओं में दर्ज हुए हैं।

उद्योग नगर थाना अधिकारी जितेंद्र शेखावत ने बताया कि आरोपी गुड्डू को हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया गया है जो जमानत के बाद से ही अपनी गैंग बनाकर कोटा शहर व पूरे हाड़ौती संभाग में सक्रिय है। इसके खिलाफ कोटा शहर, ग्रामीण, बारां, झालावाड़, बूंदी सहित चित्तौड़गढ़ और महाराष्ट्र के मुंबई में भी मामले दर्ज हैं। इसको लेकर पुलिस और कोटा विकास प्राधिकरण की टीम के साथ गुरुवार सुबह गोविंद नगर अंडरपास के नजदीक पहुंची। यहां पर हजरत उर्फ गुड्डू ने अवैध रूप से दो जगह अतिक्रमण कर अवैध निर्माण किए हुए थे। इन दोनों अवैध निर्माण पर पीला पंजा चलवाया गया है। एक जगह पर किराए पर देकर गुड्डू ने नॉनवेज शॉप चलवाई हुई थी। दूसरी जगह पर गोदाम व कारखाना बनाया हुआ था। पुलिस ने 2021 में राजपाशा कानून के तहत हजरत गुड्डू को गिरफ्तार भी किया था।

के.डी.ए. के डिप्टी कमिश्नर हर्षित वर्मा का कहना है कि हमारे ध्यान में यह अतिक्रमण कुछ समय पहले आया था। इस संबंध में नियम अनुसार नोटिस दिए गए और उसके बाद अतिक्रमण तोड़ने की कार्रवाई की गई है। इसमें हमारा अतिक्रमण निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा और संसाधन भी हमारे ही है। थाना अधिकारी जितेंद्र शेखावत ने बताया कि हजरत उर्फ गुड्डू ने 14 साल की उम्र में ही पहली वारदात को अंजाम दिया था। उस पर दर्ज डेढ़ दर्जन से ज्यादा मुकदमों में वह गवाहों को डरा धमकाकर बरी भी हो गया है।

भारत-अमेरिकी सेना का युद्धाभ्यास नौ से

बीकानेर, (निसं)। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में एक बार फिर तोपों के धमाके सुनाई देने वाले हैं। इस बार भारतीय थल सेना के साथ दुनिया के शक्तिशाली देश अमेरिका के सैन्यकर्मी होंगे। 9 सितम्बर से शुरू होने वाला ये युद्धाभ्यास 22 सितम्बर तक चलेगा। ये युद्धाभ्यास अब तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास होगा, जिसमें दोनों देशों के 1200 जवान हिस्सा ले रहे हैं। भारत और अमेरिका के 6-6 सौ सैनिक अपनी ताकत दिखाएंगे। पहली बार इतनी बड़ी संख्या में जवान महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में पहुंच रहे हैं। अभ्यास के दौरान भारत की ओर से जहां अपनी टॉप रेंज प्रदर्शित की जाएगी, वहीं अमेरिका की ओर से पहली बार हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम तैनात किया जाएगा।

भीलवाड़ा जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों से सैम्पल लिये

- शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत कार्रवाई की

भीलवाड़ा, (निसं)। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण एवं जिला कलेक्टर नमित मेहता के आदेश अनुसार चलाये जा रहे चलाये जा रहे "शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान" के अन्तर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेतेन्द्रपुरी गोस्वामी के निर्देशन में गठित खाद्य सुरक्षा दल ने भीलवाड़ा जिले में कई प्रतिष्ठानों से 11 नमूने लिये।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा दल द्वारा मैसर्स गुड धाणी रेस्टोरेन्ट से पनीर, आटा, मैदा, तेल व हल्दी पाउडर के पांच नमूने लिये। मैसर्स चारभुजा किराना स्टोर से मूंगफली तेल का एक नमूना लिया, मैसर्स जय हनुमान ट्रेडिंग कम्पनी से उड़द दाल, मूंग दाल, चना दाल व मसूर दाल के चार नमूने लिये। सत्यम कॉम्प्लेक्स के पास स्थित बालाजी मरके वाले का निरीक्षण किया व मरके का एक नमूना लिया। साथ ही तैयार किये जा रहे मरकों को ढककर रखने एवं शुद्ध एवं स्वच्छ खाद्य सामग्री उपयोग में लेने तथा साफ सफाई के लिये निर्देशित कर पाबंद किया। सभी नमूनों को जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला अजमेर में जांच हेतु भिजवाया जायेगा। रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कठोर कार्यवाही की जायेगी।

बाबा रामदेवरा मेले का आगाज

पोकरण/रामदेवरा, (निसं)। पश्चिमी राजस्थान के सुप्रसिद्ध लोकदेवता बाबा रामदेव की अवतरण तिथि भादवा-शुक्ला द्वितीया के उपलक्ष्य में गुरुवार को अलसुबह मंगला आरती के साथ 640 वें रामदेवरा मेले का विधिवत रूप से शुभारम्भ हो गया। इस अवसर पर बाबा की समाधि के मस्तक पर स्वर्ण मुकुट प्रतिष्ठापन किया गया। पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी, जिला कलेक्टर प्रताप सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, गादीपति भोमसिंह तंवर ने बाबा की समाधि की विधि विधान से पूजा-अर्चना की व मंगला आरती के दर्शन कर देश एवं प्रदेश में अमनचेन, खुशहाली व साम्प्रदायिक सद्भाव बना रहे कि मंगल कामना की। मंगला आरती के अवसर पर पुजारी पं. कमल किशोर छंगाणी ने अतिथियों से अभिषेक करवाया।

सात बदमाशों ने बिजनेसमैन और पत्नी को बंधक बनाकर 60 लाख की डकैती की

- बदमाशों ने पति-पत्नी को बंधक बनाकर डेढ़ घंटे तक लूटपाट की, बेटे रामदेवरा यात्रा में गए हुए थे
- घायल हालत में पति-पत्नी दोनों कार से पदमपुर के अस्पताल पहुंचे और अपने साथ हुई वारदात की जानकारी दी

श्रीगंगानगर, (निसं)। देर रात सात बदमाशों ने व्यापारी के घर में घुसकर करीब 60 लाख की डकैती कर ली। बदमाशों ने पति-पत्नी को बंधक बनाकर करीब डेढ़ घंटे तक घर में लूटपाट की। मामला पदमपुर में धानमंडी रोड इलाके का है। वारदात के समय दंपती घर में अकेले थे।

एसएचओ सुरेंद्र राणा ने बताया कि टायर बिजनेसमैन बृजलाल खींची (55) का घर पदमपुर कस्बे में धानमंडी रोड पर है। बुधवार रात 12 बजकर 49 मिनट पर सात बदमाशों ने उनके घर का गेट खटखटाया। बृजलाल खींची सो रहे थे। गेट खटखटाने की आवाज से वे उठे और किसी परिचित के होने की संभावना से गेट खोल दिया। थोड़ा सा गेट खोलते ही बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। इससे उनकी नाक पर चोट आई। आवाज सुनकर बृजलाल की पत्नी सावित्री (50) भी जाग गई। वह गेट पर आई। वहां के हालात और घायल बृजलाल को देखकर वह घबरा गई। उन्होंने बदमाशों को मारपीट करने से रोका तो आरोपियों ने दोनों को बंधक बना लिया। उनके हाथ-पैर बांध दिए। अलसुबह करीब 3 से 3:30 बजे के बीच सभी बदमाश भाग गए तो बृजलाल ने किसी तरह खुद को संभाला। अपने और पत्नी के हाथ-पैर खोले। अस्पताल जाने के बाद दंपती ने पुलिस को सूचना दी थी।

जानकारी के अनुसार, घायल हालत में पति-पत्नी दोनों कार से पदमपुर के अस्पताल पहुंचे और अपने साथ हुई वारदात की जानकारी दी। बृजलाल की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें श्रीगंगानगर रेफर कर दिया गया। बृजलाल ने अपने परिचितों को सूचना दी। परिचितों ने उन्हें श्रीगंगानगर के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया। दंपती के तीन बेटे डॉ. अजय खींची, विकास खींची और पंकज खींची हैं। इनमें अजय और विकास रामदेवरा यात्रा पर गए हुए थे, जो सूचना मिलते ही रामदेवरा से लौट आए। वहीं पंकज अहमदाबाद में है। व्यापारी बृजलाल का टायर सेल का बिजनेस है। सूचना मिलने पर बृजलाल के दोनों बेटे श्रीगंगानगर में प्राइवेट अस्पताल पहुंचे। बृजलाल के बेटे डॉ. अजय खींची ने बताया कि मेरे पिता की हालत गंभीर है। जबकि मां पदमपुर के अस्पताल में भर्ती है।

अजय ने करीब 50 से 60 लाख रुपए के गहने और नकदी की लूट की बात बताई है। पति-पत्नी फिलहाल ज्यादा कुछ बताने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में वारदात में लूट कितनी हुई, इसकी पूरी जानकारी नहीं मिल पाई है।

डीएसपी संजीव चौहान ने बताया कि वारदात रात करीब 12:30 से 3 बजे के बीच में हुई है। अब तक मिले सीसीटीवी फुटेज के अनुसार आरोपी करीब डेढ़ घंटे तक पीड़ित के घर में रहे हैं। उन्होंने इस दौरान लूट की वारदात को अंजाम दिया। पूरी वारदात के पीछे किसी गैंग का हाथ हो सकता है। घटना के समय पीड़ित दंपती के बेटे कहीं बाहर गए हुए थे। उन्हें सूचना देने के बाद दोनों बेटे लौट आए हैं। मामले की जांच की जा रही है।

नाबालिग बहनों से गैंगरेप के दो आरोपी गिरफ्तार

अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है

हनुमानगढ़, (निसं)। संगरिया थाना क्षेत्र निवासी दो सगी बहनों को बहला-फुसलाकर भगाकर ले जाने और गैंगरेप करने के बहुचर्चित मामले में संगरिया थाना पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की पहचान और तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

एसपी सांगवान ने बताया कि 20 जुलाई को एक व्यक्ति ने संगरिया पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 19 जुलाई की सुबह उसकी पत्नी उनकी दोनों नाबालिग लड़कियों को स्कूल छोड़कर आई थी। उसके बाद उसकी दोनों नाबालिग लड़कियों को कोई अज्ञात व्यक्ति बहलाकर भगाकर ले गया। रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच एएसआई रणवीर की ओर से शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए संगरिया थाना प्रभारी धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में टीमें गठित कर अलग-अलग स्थानों पर तलाश के लिए रवाना किया गया। टीम की ओर से सीमावर्ती राज्य पुलिस के सहयोग से दोनों नाबालिग बहनों को डिटेन कर मेडिकल बोर्ड का गठन कर मेडिकल करवाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए महिलाओं के खिलाफ अपराधों के लिए विशेष जांच इकाई की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीलम चौधरी की ओर से पॉक्सो एक्ट में तुरंत जांच शुरू की। एसपी सांगवान ने बताया कि मामले में दोनों नाबालिग बहनों के बयान न्यायालय में करवाए जा चुके हैं। मामले में दोनों नाबालिग बहनों को भगाकर ले जाने वाले दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अन्य आरोपियों की पहचान और तलाश के लिए टीमें बनाकर संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। मामले में जांच जारी है।

ओमप्रकाश माथुर और घनश्याम तिवाड़ी ने राघवाचार्य को श्रद्धांजलि दी

सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी रैवासाधाम पहुंचे

सीकर, (निसं)। सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी गुरुवार को सीकर के रैवासाधाम पहुंचे तथा रैवासा पीठाधीश्वर राघवाचार्य के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उन्होंने रैवासा धाम की गद्दी पर विराजमान राजेंद्र दास महाराज को शॉल ओढ़ाया। महाराज ने उन्होंने आशीर्वाद दिया।इससे पूर्व पुलिस लाइन सीकर में बने हैलीपेड पर पहुंचने पर जिला कलेक्टर कमर चौधरी, पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव ने राज्यपाल की अगवानी की। प्रदेश सरकार में कानून मंत्री जोगाराम पटेल भी रैवासा धाम पधारे और महाराज को शॉल ओढ़ाया। जिसके बाद पीठाधीश महाराज राजेंद्र नाथ ने उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष कमल सिखवाल, भारत विकास परिषद जिलाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष पवन मोदी, सीमा अग्रवाल, मधु कुमावत उपस्थित थे।

शिक्षक शिक्षा ही प्रदान नहीं करते, बल्कि विद्यार्थी का जीवन भी गढ़ते हैं : राज्यपाल बागड़े

केन्द्रीय वि.वि. कश्मीर के कुलपति प्रो. रवीन्द्रनाथ को विशेष रूप से सम्मानित किया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस पर गुरुवार को शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाले शिक्षकों को राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने सम्मानित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय विश्वविद्यालय कश्मीर के कुलपति प्रो. रवीन्द्रनाथ को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आनंद भालेवराव ने शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शिक्षक दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं दी।

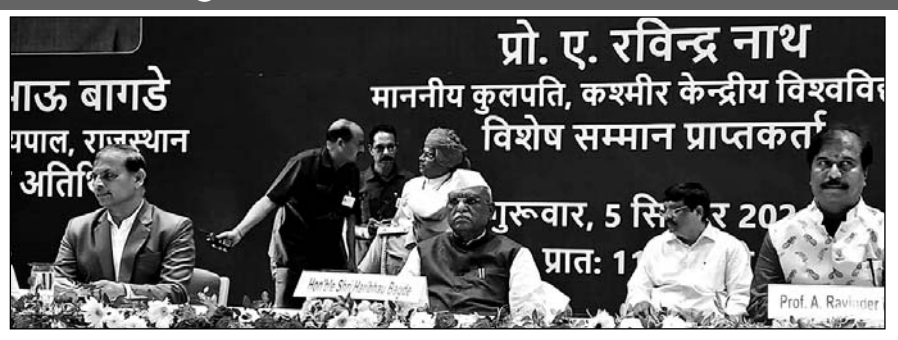

अजमेर में राज. केंद्रीय वि.वि. में आयोजित समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आनंद भालेवराव आदि मौजूद रहे।

- शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित, शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाले शिक्षक सम्मानित

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षक और विचारक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षक शिक्षा ही प्रदान नहीं करते बल्कि विद्यार्थी का जीवन गढ़ते हैं, उन्होंने कहा कि इसीलिए शिक्षक वंदनीय, अभिनंदनीय है। बागड़े ने शिक्षकों से विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने और चरित्र निर्माण और राष्ट्रभक्ति के संस्कार प्रदान करने वाली शिक्षा प्रदान करने का आव्हान किया है। कुलपति प्रो. आनंद भालेवराव ने कहा कि भारतीय संस्कृति शिक्षा के आलोक में रंगी हुई संस्कृति है। गुरु व शिष्य परंपरा ही इस संस्कृति का मूल रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही कोई समाज उन्नति और उत्कृष्टता की राहों की ओर अग्रसर होता है। माता-पिता हमारे जीवन के प्रथम गुरु होते हैं। वह हमारा पालन-पोषण करते हैं पर जीवन को सार्थकता प्रदान करने का कार्य गुरु करते हैं। यह दूसरा अवसर रहा जब ये पुरस्कार भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों को दिए गए, जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने और शिक्षण में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए असाधारण प्रतिबद्धता दिखाई है। इस विशेष अवसर पर हमारे विश्वविद्यालय के ढांचे में पूरी तरह से अपनाई गई नवीन प्रथाओं, प्रौद्योगिकियों और शैक्षिक पहलों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की।

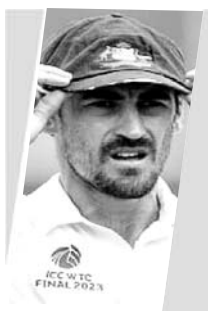

"हम अपनी घरेलू धरती पर प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना चाहते हैं और हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है।" भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है।

- मिशेल स्टार्क

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बेन स्टोक्स

इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने हाल ही में अपने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद की अपनी योजनाओं के बारे में बताया। बेन स्टोक्स का मानना है कि इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद वो कोच बनने की राह पर आगे बढ़ सकते हैं। बता दें कि, इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मौजूदा हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने भी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यही किया था। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के करीब 6 साल बाद ब्रेंडन मैकुलम को टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

कपिल परमार ने जूडो में जीता ब्रॉन्ज, भारत के खाते में आया 25वां मेडल

मेंस क्लब थ्रो में धरमबीर ने गोल्ड तो प्रणव ने जीता सिल्वर

एलिटन डी ओलिवेलिया को 33 सेकंड में इप्पन से मात दी

पेरिस, 5 सितंबर। पैरालंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का बेहतरीन प्रदर्शन जारी है। गुरुवार को भारत को जूडो में भी मेडल मिला है। जहां कपिल परमार ने पुरुषों के 60किलो 1 कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता। कपिल ने ब्रॉन्ज मेडल मैच में ब्राजील के एलिटन डी ओलिवेलिया को 33 सेकंड में इप्पन से मात दी। ये भारत का पेरिस पैरालंपिक में 25वां मेडल है।

पेरिस पैरालंपिक का सातवां दिन भारत केलिए बेहतरीन रहा। जहां भारत की झोली में दो गोल्ड और एक सिल्वर मेडल आया, इसके साथ ही अब इंडिया के कुल 25 मेडल हो गए हैं। वहीं सातवां दिन खत्म होते होते मेंस क्लब थ्रो में धरमबीर ने गोल्ड तो प्रणव ने सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया।

दरअसल, भारत ने क्लब थ्रो में डबल पोडियम फिनिश किया। जिसमें धरमबीर ने 34.92 मीटर के थ्रो करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। जबकि प्रणव सूरा ने 34.59 के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ सिल्वर मेडल जीता। भारत के ही अमित कुमार इस इवेंट में 10वें स्थान पर रहे। उनका इस इवेंट में सर्वश्रेष्ठ थ्रो 28.96 का रहा। बता दें कि, ये भारत का मौजूदा खेलों में पांचवां गोल्ड और 8वां सिल्वर है। इससे पहले भारत के तीरंदाज हरविंदर सिंह ने आर्चरी में इतिहास रचते हुए पैरालंपिक्स में पहला गोल्ड मेडल जीता है।

दलिप ट्रॉफी 2024 में अक्षर पटेल का कमाल का प्रदर्शन

फिफ्टी पूरी कर इंडिया-डी के लिए बने संकटमोचक

नई दिल्ली, 05 सितम्बर। दलीप ट्रॉफी 2024 के पहले राउंड में आज इंडिया सी वर्सेस इंडिया डी के बीच मैच खेला जा रहा है। अनंतपुर में खेले जा रहे इस मैच में इंडिया डी को पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला। जहां इंडिया सी के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर और इंडिया डी को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। इंडिया डी की शुरुआत बेहद खराब रही और 48 रनों तक टीम ने 6 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद क्रीज पर आए अक्षर पटेल और उन्होंने साबित कर दिया कि क्यों उन्हें संकटमोचक कहा जाता है। अक्षर ने 118 गेंदों पर 86 रनों की पारी खेली।

एक समय तो ऐसा लगा रहा था इंडिया 100 रन भी नहीं बना पाएगा, लेकिन अक्षर की तेज तर्रार पारी ने स्कोरबोर्ज पर कम से कम पहली पारी में 150 से ज्यादा रन तो खड़े कर दिए। 74 गेंद पर जब अक्षर 37 रन बनाकर खेल रहे थे, उसके बाद उन्होंने छक्का, चौका और छक्का लगाकर अपना पचासा पूरा किया। 78 गेंद पर उनका स्कोर फिर 53 रन पहुंच गया।

अक्षर का साथ अर्शदीप सिंह ने भी निभाया, जिन्होंने 33 गेंदों पर 13 रन बनाए। अर्शदीप के अलावा श्रीकर भरत और सारांश जैन ने भी 13-14 रनों की पारियां खेलीं। अक्षर ने अपनी पारी के दौरान 118 गेंदों का सामना किया और इस दौरान उनके बल्ले से 6 चौके और इतने ही छक्के निकले। इंटरनेशनल क्रिकेट में भी अक्षर इस तरह की मुश्किल परिस्थितियों से टीम इंडिया को बाहर निकाल चुके हैं।

विश्वकप एशियाई क्वालीफायर में जापान ने चीन को 7-0 से रौंदा

टोक्यो, 05 सितंबर। जापान की फुटबॉल टीम ने गुरुवार को फीफा विश्व कप एशियाई क्वालीफायर के तीसरे दौर के पहले मुकाबले में चीन को 7-0 से करारी शिकस्त दी है। आज जापान के मिडफील्डर वतारू एंडो ने हेडर से पहला गोल दाग और हाफटाइम से ठीक पहले काओरू मितोमा ने बढ़त को दोगुना कर दिया। दूसरे हाफ में ताकुमी मिनामिनो के लगातार दो गोल कर चीन की वापसी की उम्मीदों को तोड़ दिया। जुन्या इटो, डेजेन माएडा और टेकफुसा कुबो ने भी गोल किये। एशियाई क्वालीफायर के तीसरे दौर में 18 टीमें हैं जिन्हें तीन समूहों में विभाजित किया गया है, जिसमें प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें सीधे विश्वकप के लिए क्वालीफाई करेंगी। वहीं तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें प्लेऑफ में प्रवेश करेंगी। चीन को जापान, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, बहरीन और इंडोनेशिया के साथ ग्रुप सी में है। आज खेले गये एक अन्य मुकाबले में बहरीन ने ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया। चीन की टीम 10 सितंबर को सऊदी अरब से भिड़ेगी।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी नॉमिनेट ही नहीं हुए

नयी दिल्ली 05 सितंबर। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और न ही लियोनेल मेसी 2024 में बैलन डी ओर पुरस्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए 30 उम्मीदवारों की सूची में जगह नहीं बना पाए। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेत कप्तान लियोनेस मेसी ने किसी भी अन्य खिलाड़ी (2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019, 2021 और 2023) की तुलना में सबसे अधिक बार बैलन डी ओर जीता है। लियोनेल मेसी को पिछले साल आठवीं बार विजेता घोषित किया गया था। तब उन्होंने 2022 के अंत में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप में जीत दिलाई थी। पुर्तगाली दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पांच बार (2008, 2013, 2014, 2016 और 2017) ये पुस्कार जीता है। साल 2008 से 2017 के बीच 10 साल तक लगातार क्रिस्टियानो रोनाल्डो या लियोनेल मेसी के नाम ही ये खिताब रहा था। साल 2018 में क्रोशियाई फुटबॉलर लुका मोड्रिक ने ये पुस्कार जीता था।

पूजा और हरविंदर पैरालंपिक तीरंदाजी स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में पहुंचें

पेरिस 05 सितंबर। भारत के हरविंदर सिंह और पूजा की तीरंदाजी मिश्रित टीम ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। आज यहां हरविंदर सिंह और पूजा की जोड़ी ने रोमांचक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की अमांडा जेनिंग्स और टेमोन केंटन-स्मिथ की जोड़ी को 5-4 से हराया।

सिद्धार्थ बाबू और मोना अग्रवाल निशानेबाजी स्पर्धा में हारे

पेरिस 05 सितंबर। भारतीय निशानेबाज सिद्धार्थ बाबू और मोना अग्रवाल का गुरुवार को मिश्रित 50 मीटर रायफल प्रोन एसएच 1 क्वालिफिकेशन हार के साथ पेरिस पैरालंपिक में अभियान समाप्त हो गया है। आज यहां हुये मुकाबले में सिद्धार्थ बाबू 615.8 अंक के साथ 22वें स्थान और मोना अग्रवाल 610.5 अंकों के साथ 30वें स्थान पर रहीं।

पेरिस पैरालंपिक 2024 : चम्बल की पूजा और प्राची भारत को दिलाएगी गोल्ड

पेरिस, 05 सितंबर। पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत का अभी तक का प्रदर्शन कमाल का रहा है। भारतीय पैरा एथलीट्स शानदार प्रदर्शन कर अपने नाम मेडल कर रहे हैं। अभी तक भारत ने 24 मेडल जीत लिए हैं, जिसमें से 5 गोल्ड, 9 सिल्वर और 10 ब्रॉन्ज शामिल हैं। पैरा खिलाड़ियों के लिए जीत का राह आसान नहीं होती, प्रतिस्पर्धा में खुद को साबित करना उस खेल से भी बड़ी चुनौती होती है। जिसमें दूसरे खिलाड़ियों से आगे निकलना है। खासकर पानी से जुड़ा हुआ खेल अच्छे अच्छों के पसीना ला देता है। फिर कैनो जैसे खेल में पैरों से दिव्यांग खिलाड़ी बोट चलाकर रेस करते हैं, तो उनके हौसले कितने मजबूत होते हैं। इसी की मिसाल है प्राची यादव और पूजा ओझा।

चंबल की इन दो बेटियों के हौसले काफी मजबूत हैं जिससे वे दुनिया की सबसे अहम प्रतिस्पर्धा पेरिस में आयोजित पैरालंपिक खेलों तक पहुंच गई हैं। मध्य प्रदेश के चंबल अंचल की पूजा ओझा और प्राची यादव पैरालंपिक के कैनो खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी जो कि 6 सितंबर यानी शुक्रवार को खेला जाएगा।

पूजा और प्राची दोनों खिलाड़ी पैरों से दिव्यांग हैं, लेकिन जहां प्राची यादव अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में भारत को 10 मेडल दिला चुकी हैं, इनमें गोल्ड मेडल की संख्या ज्यादा है। वहीं पूजा 6 इंटरनेशनल गोल्ड जीत चुकी हैं। इसके अलावा दो एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल और दो बार पैरा कैनो वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल ला चुकी हैं। अब इन दोनों खिलाड़ियों की नजर पेरिस पैरालंपिक में इतिहास रचने पर है।

प्रो पंजा लीग का दूसरा सीजन चार अक्टूबर से

मुंबई 05 सितंबर। प्रो पंजा लीग के चार से 20 अक्टूबर तक चलने वाले दूसरे सीजन में देशभर से आयी छह टीमों में कुल 180 आर्म-रेसलर्स शामिल होंगे। इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी के लिए पुरुष, महिला और दिव्यांग वर्ग के आर्म-रेसलर्स प्रतिस्पर्धा करेंगे।

प्रो पंजा लीग की सह-स्थापना बॉलीवुड अभिनेता और निर्माता परवीन डबास और प्रीति झंगियानी ने की है और साथ ही बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सुनील शेट्टी ने भी इसमें भागीदार के रूप में काम किया है। इसने 2023 में पहले सीजन से पहले रैंकिंग टूर्नामेंट के दो संस्करण, कई मेगा मैच और कई प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए थे। प्रो पंजा लीग के सह-मालिक परवीन डबास ने सीजन 2 से पहले अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, पहले सीजन ने साबित कर दिया कि अगर पंजा को सही तरीके से पेश किया जाए तो इसके लिए बहुत सारे दर्शक हैं और हम दर्शकों के प्यार के लिए आभारी हैं। यह सीजन और भी रोमांचक होने का वादा करता है क्योंकि खिलाड़ियों को इसमें शामिल बहुत बड़े दांव का एहसास है और वे अब पूरी तरह से अलग स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। हम भारत में स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट के रूप में पंजा को लाने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

विमेंस 100 रेस के फाइनल में पहुंची सिमरन, गोल्ड मेडल की उम्मीद

पेरिस, 05 सितंबर। पेरिस पैरालंपिक के 8वें दिन भारत को सिमरन शर्मा से गोल्ड मेडल की उम्मीद है। सिमरन ने गुरुवार को स्टेड डी फ्रांस में सेमीफाइनल 2 में 12.33 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहने के बाद महिलाओं की 100मीटर टी12 फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है।वह अपने गाइड अभय सिंह के साथ बेहतरीन दौड़ी और दूसरा स्थान हासिल किया। जबकि पहले स्थान पर जर्मनी की कैटरीन म्यूलर रॉटगार्ड रहीं।

सिमरन ने तीसरी सबसे तेज धावक के रूप में फाइनल में अपनी जगह बनाई है। नियम के अनुसार, प्रत्येक सेमीफाइनल में प्रथम स्थान प्राप्त धावक और अगले 2 सबसे तेज धावक फाइनल में आगे बढ़ते हैं। क्यूबा की ओमारा डूरंड पहले सेमीफाइनल में टॉप पर रहीं।

ओमारा ने सेमीफाइनल में 12.01 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। उसके बाद जर्मनी की म्यूलर रॉटगार्ड और सिमरन रहीं। यूक्रेन की ओक्साना बोटुरचुक 12.36 सेकंड के समय के साथ फाइनल में जगह पक्की करने वाली चौथी और आखिरी धाविका रहीं।

बता दें कि, सिमरन जन्म से ही दृष्टिबाधित है। अपने पति गजेंद्र सिंह जो आर्मी सर्विस कोर के लिए काम करते हैं द्वारा वह नई दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में ट्रेनिंग लेती हैं।

मुर्मु, धनखड़ और मोदी ने हरविंदर को गोल्ड जीतने पर दी बधाई

नयी दिल्ली 05 सितंबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने पैरा एथलीट हरविंदर सिंह को पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व ओपन फाइनल तीरंदाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी।

राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, पेरिस 2024 पैरालंपिक में पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व पैरा तीरंदाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर हरविंदर सिंह को मेरी हार्दिक बधाई। यह लगातार पैरालंपिक में हरविंदर का दूसरा पदक है और भारत के लिए पैरा तीरंदाजी में पहला स्वर्ण पदक है। जबरदस्त दबाव में उनका असाधारण प्रदर्शन प्रेरणादायक है। मेरी कामना है कि वह तिरंगे को और गौरवान्वित करें।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हरविंदर सिंह ने पेरिस पैरालिंपिक 2024 में पैरा तीरंदाजी में इतिहास रचकर भारत को गौरवान्वित किया है। पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व ओपन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के लिए उन्हें हार्दिक बधाई। उनकी लगन और कड़ी मेहनत ने वाकई रंग दिखाया है। मैं उनके सभी आगामी प्रयासों के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पैरालंपिक में हरविंदर को उनके बहुत खास स्वर्ण पदक सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, पैरा तीरंदाजी में एक बहुत ही खास स्वर्ण। पैरालंपिक 2024 में पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व ओपन में स्वर्ण पदक जीतने के लिए हरविंदर सिंह को बधाई। उनकी सटीकता, फोकस और अटूट भावना शानदार है। भारत उनकी उपलब्धि से बहुत खुश है।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, हरविंदर सिंह ने पैरालंपिक 2024 में पैरा तीरंदाजी पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व ओपन में बेजोड़ सटीकता के साथ स्वर्ण पदक जीता है। यह शानदार जीत उन्हें पैरा तीरंदाजी में पहला स्वर्ण पदक विजेता बनाती है, जो कि भारत में पैरा खेलों को आगे बढ़ाने के लिए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दृष्टिकोण को दर्शाता है। उनकी उपलब्धि से यह साबित होता है कि दूरदर्शिता, ध्यान और अथक दृढ़ संकल्प सपनों को सुनहरे हकीकत में बदल सकते हैं।

मंडाविया ने पैरालंपिक खेलों में भाग लेकर स्वदेश लौटे खिलाड़ियों से की मुलाकात

नयी दिल्ली 05 सितंबर। केन्द्रीय खेल मंत्री ड़ा मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों में भाग लेकर स्वदेश लौटे खिलाड़ियों तथा उनके प्रशिक्षकों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया और बधाई दी। आज यहां इस अवसर पर डॉ. मंडाविया ने पैरा खिलाड़ियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए प्रशंसा और सम्मान व्यक्त करते हुए कहा, मुझे आज पैरालंपिक में पहली बार भाग लेने वाले छह एथलीटों से मिलकर बहुत खुशी हुई। मैं दीप्ति को इस सम्मान कार्यक्रम में पहली बार पदक जीतने के लिए बधाई देता हूं। बाकी सभी को, मैं भविष्य के पैरालंपिक के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं और मुझे विश्वास है कि आप भी पदक जीतेंगे।

सिंगापुर ने मंगोलिया को टी-20 में 10 रन पर किया ऑलआउट

नयी दिल्ली 05 सितंबर। हर्ष भारद्वाज तीन रन पर (छह विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर सिंगापुर ने टी-20 विश्व कप एशिया क्वालीफायर ए के मुकाबले में मंगोलिया की टीम को 10 रन के स्कोर पर समेटने के बाद पहले ही ओवर में 11 रन बनाकर मैच जीतकर एक अनोखा रिकार्ड बना लिया है।

बंगी में खेले गये मुकाबले में दोनों टीमों ने न्यूनतम स्कोर को लेकर एक नया रिकार्ड बना लिया है। मंगोलिया ने पुरुषों के टी20आई में सबसे कम स्कोर की बराबरी की। उन्होंने पिछले साल स्पेन के खिलाफ आइल ऑफ मैन द्वारा बनाए गए सबसे कम स्कोर की बराबरी की। वहीं सिंगापुर ने सबसे कम स्कोर का पीछा कर जीत दर्ज करने का भी रिकार्ड बनाया है।

इस दूसरे सबसे न्यूनतम स्कोर के जवाब में सिंगापुर ने पहले ओवर में एक विकेट खोकर मात्र पांच गेंदों में 11 रन बनाकर प्रतियोगिता में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। राउल शर्मा ने छक्का लगाया और विलियम सिम्पसन ने आखिर गेंद पर चौका लगाकर सिंगापुर की जीत पक्की कर दी। इस हार के साथ मंगोलिया ने अपने सभी चार मैच गंवाए हैं और तालिका में सबसे निचले पायदान पर है।

सिंगापुर की ओर से हर्ष भारद्वाज ने चार ओवर में तीन रन देकर छह विकेट लिये। यह पुरुष टी-20 में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 17 वर्षीय लेगस्पिनर ने शुरुआती ओवर में दो विकेट लिए और पावरप्ले में मंगोलिया ने छह में से पांच विकेट गवां। उसके पांच बल्लेबाजों ने शून्य पर आउट हुए।

मंगोलिया ने दस ओवर तक बल्लेबाजी की और तीन मेडन ओवर खेले। लक्ष्य का पीछा करते हुए, राउल शर्मा ने अपनी पहली गेंद पर छक्का लगाया और विलियम सिम्पसन ने पहले ओवर की अंतिम गेंद पर चौका लगाकर सिंगापुर की जीत पक्की कर दी।

पंत की 20 महीने बाद रेड बॉल क्रिकेट में वापसी, सस्ते में लौटे पवेलियन

नई दिल्ली, 05 सितम्बर। दलीप ट्रॉफी 2024 के मुकाबले 5 सितंबर से शुरू हो गए हैं। जिसका पहला मैच इंडिया ए और इंडिया बी के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला जा रहा है। इस मैच से ऋषभ पंत ने रेड बॉल क्रिकेट में वापसी की। पंत ने इससे पहले आखिरी बार मीरपुर में 22-25 दिसंबर 2022 तक बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था। जिसके बाद वह सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए।

ऋषभ पंत की रेड बॉल क्रिकेट में वापसी सुखद नहीं रही। उन्होंने चौके से खाता तो खोला, लेकिन बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में कैच थमा बैठे। पंत 10 गेंद में 7 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आकाश दीप की गेंद पर पंत ने गेंद को बाउंड्री के पार भेजने की कोशिश की, लेकिन टाइमिंग मिस कर गए और शुभमन गिल ने मिड ऑफ से अपनी बाईं तरफ पीछे की ओर दौड़ते टाइमिंग मिस कर गए और शुभमन गिल ने मिड ऑफ से अपनी बाईं तरफ पीछे की ओर दौड़ते हुए डाइव लगाकर शानदार कैच लपक लिया। नीचे दिए वीडियो में भी आप शुभमन गिल को पंत का कैच पकड़ते हुए देख सकते हैं।

शिक्षक दिवस पर जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मु.मंत्री ने कई शिक्षकों को सम्मान पत्र भेंट करके उन्हें सम्मानित किया। मु.मंत्री ने इस मौके पर नदबई निवासी अपने शिक्षक शंकरलाल शर्मा के भी पैर छुये तथा शॉल ओढ़ाकर एवं प्रशस्ति पत्र भेंट करके उनका अभिनंदन किया। मु.मंत्री के साथ इस मौके पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर भी मौजूद रहे।

राजस्थान के विद्यालयों के क्रमोन्नयन में कमी नहीं होगी- भजनलाल शर्मा

राज्य सरकार के 55 हजार 800 मेघावी विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किया

- **जयपुर के बिड़ला सभागार में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन हुआ।**
- **मुख्यमंत्री ने कहा, गुरु-शिष्य परम्परा भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। भारतीय परम्परा में गुरु का स्थान सर्वोपरि रहा है।**

जयपुर, 5 सितंबर (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता है, वे नव पीढ़ी में चरित्र-निर्माण की मजबूत नींव डाल कर सक्षम नागरिक रूपी भवन का निर्माण कर रहे हैं। उनकी शिक्षा-ज्ञान से ही मनुष्य विचारशील और करुणा व सहानुभूति के भाव से समृद्ध होता है और एक प्रगतिशील व समावेशी समाज बनाता है। मुख्यमंत्री गुरूवार को बिड़ला सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी भारतीय परंपरा में गुरु का स्थान सर्वापरि रहा है। शिक्षक प्रतिबद्धता और परिश्रम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं और समर्पण एवं निष्ठा से विद्यार्थियों के जीवन को समृद्ध बनाते हैं। इसलिए विद्यालय केवल अच्छे भवन, महंगे उपकरण या सुविधाओं से नहीं बल्कि शिक्षकों के अमूल्य ज्ञान से बनता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के अवसर पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। यह दिवस उनके असाधारण व्यक्तित्व एवं शिक्षा में उनके अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गुरु-शिष्य संबंध की समृद्ध परंपरा को पुनर्जीवित करने के क्रम में राज्य सरकार विश्वविद्यालय के कुलपतियों को कुलगुरु की पदवी से नवाजे जाने की परंपरा शुरू करने जा रही है।

समारोह में मुख्यमंत्री शर्मा अपने शिक्षक शंकरलाल शर्मा को देखकर भावुक हो गए। वे मंच से उतरे, गुरु के चरण स्पर्श किए, उन्हें अपने निकट बैठाया एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक अपने शिष्यों की सफलता के लिए अथक परिश्रम करते हैं। वे एक कुम्हार की तरह होते हैं जो मिट्टी को अपने अनुभव से गूंथता है और एक सुंदर प्रतिमा बनाता है। उनके समर्पण का कोई मोल नहीं है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने बाल्यकाल में शिक्षा प्राप्त करने के अनुभव भी मंच से साझा किए।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने राजकीय विद्यालयों में कक्षा-कक्ष, लैब, पुस्तकालय, शौचालयों के निर्माण के लिए 350 करोड़ रुपये और 750 स्कूलों की बिल्डिंग की मरम्मत के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

साथ ही, हम स्कूल और कॉलेज में बिजनेस इनोवेशन प्रोग्राम के माध्यम से 1 लाख विद्यार्थियों को लाभान्वित कर रहे हैं। आगामी दो वर्षों में राज्य सरकार 20 आईटीआई और 10 पॉलिटेक्निक कॉलेज भी खोलेगी।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि प्रदेशभर में शिक्षकों द्वारा बेहतरीन काम किया जा रहा है। इस शैक्षिक वर्ष में विद्यार्थियों के अच्छे परीक्षा परिणाम भी आए हैं। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत प्रदेशभर में 7 करोड़ वृक्षारोपण के लक्ष्य के क्रम में शिक्षा विभाग ने अकेले ही 2 करोड़ 50 लाख का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है।

समारोह में मुख्यमंत्री ने 11 मेधावी विद्यार्थियों को निःशुल्क टैबलेट वितरित किए और शिक्षक सम्मान पुस्तिका एवं शिविरा का विमोचन भी किया। साथ ही, प्रदेशभर में 55 हजार 800 विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किए गए। इस अवसर पर शिक्षा विभाग द्वारा शाला स्वास्थ्य परीक्षण संबंधी शॉर्ट फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

कार्यक्रम में उप-मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, सांसद मंजू शर्मा, सिविल लाइन्स विधायक गोपाल शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों में कार्यरत शिक्षक भी समारोह से जुड़े।

सुप्रीम कोर्ट ने मु.मंत्री केजरीवाल की रिहाई के संकेत दिये

केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने आरोप लगया कि केजरीवाल को गिरफ्तारी सिर्फ जानबूझकर उन्हें जेल में रखने के लिए की गई है

- **वकील सिंघवी ने आरोप लगाया कि हाई कोर्ट के आदेश से पहले ही केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी से पहले केजरीवाल को इस मामले में सी.बी.आई. की ओर से कोई नोटिस भी नहीं दिया गया।**
- **सी.बी.आई. की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने सिंघवी की दलीलों का पुरजोर तरीके से विरोध किया। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को अगर कोई भी राहत दी जाती है तो यह हाई कोर्ट के सम्मान पर प्रतिकूल असर डालेगी।**

नयी दिल्ली, 5 सितंबर (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाले से संबंधित सी.बी.आई. के मुकदमे में तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत की मांग के साथ ही गिरफ्तारी (सीबीआई की ओर से) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई पूरी होने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान मु.मंत्री केजरीवाल की रिहाई के स्पष्ट संकेत दिये हैं।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की बैंच ने याचिकाकर्ता केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और सीबीआई की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू की घंटों दलीलें ने सुनने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रखने का फैसला किया।

बैंच के समक्ष सुनवाई के दौरान राजू ने मुख्यमंत्री केजरीवाल को जमानत दिए जाने की दलीलों का पुरजोर विरोध करते हुए कहा कि अधिनस्थ अदालत को दरकिनार करने की अनुमति केवल असाधारण परिस्थितियों में ही दी जा सकती है।

इस पर केजरीवाल पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिंघवी ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 41ए के तहत आरोपी को नोटिस जारी करने के संबंध में वर्तमान याचिका में उठाए गए आधारों पर हिरासत के दौरान बहस की गई थी। इसके बाद विशेष अदालत ने उसे खारिज कर दिया था। इसलिए याचिकाकर्ता को फिर से उसी मुद्दे पर वहां बहस करने के लिए वापस भेजना न्यायोचित नहीं होगा।

बैंच के समक्ष गुरुवार को सिंघवी ने कहा, शायद यह एकमात्र ऐसा मामला है, जिसमें मुझे (केजरीवाल) इस अदालत से सख्त धन शोधन रोकथाम अधिनियम के तहत दो रिहाई आदेश मिले, जिसमें धारा 45 का प्रतिबंध है। उच्च न्यायालय से एक और विस्तृत आदेश मिला। फिर सीबीआई द्वारा इस पहले से तय गिरफ्तारी हुई।

शीर्ष अदालत को सिंघवी ने यह भी बताया कि केजरीवाल का नाम 2022 में दर्ज मुकदमे में नहीं था और उन्हें इस साल जून में गिरफ्तार किया गया था।

उन्होंने कहा, तीन अदालती आदेश मेरे पक्ष में हैं। यह एक तय गिरफ्तारी है, ताकि उन्हें जेल में रखा जा सके।

वरिष्ठ अधिवक्ता ने मुख्यमंत्री केजरीवाल का पक्ष रखते हुए कहा, सबूतों के साथ छेड़छाड़ का कोई सवाल ही नहीं है, क्योंकि लाखों दस्तावेज हैं, जिनमें से कई डिजिटल हैं। उनके मुवक्किल न्यायिक हिरासत में रहते हुए गवाहों को कैसे प्रभावित कर सकते हैं और इस मामले में पांच आरोप पत्र भी दाखिल किए गए हैं।

उन्होंने दिल्ली अबकारी नीति मामले से संबंधित अन्य आरोपियों - दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधान पार्षद के कविता के जमानत आदेशों का हवाला दिया। शीर्ष अदालत ने उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया था।

सिंघवी ने आगे कहा कि सी.आर.पी.सी. की धारा 41ए को 2010 में गिरफ्तारियों को विनियमित करने के लिए पेश किया गया था और इसका उद्देश्य मनमानी गिरफ्तारियों को रोकना और यह सुनिश्चित करना था कि कानून प्रवर्तन अधिकारी बिना किसी वैध आधार के किसी को गिरफ्तार न कर सकें।

दूसरी ओर राजू ने केजरीवाल की याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा कि उन्होंने पहले सत्र न्यायालय में गुहार लगाने के सीधे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

उन्होंने कहा, यह मेरी प्रारंभिक आपत्ति है। गुण-दोष के आधार पर अधिनस्थ अदालत को पहले इस पर विचार करना चाहिए था।

उच्च न्यायालय को गुण-दोष देखने के लिए बनाया गया था और यह केवल असाधारण मामलों में ही हो सकता है। सामान्य मामलों में पहले सत्र न्यायालय का रुख करना पड़ता है। वे (केजरीवाल) यहां आए और फिर उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख किया और फिर वे फिर से शीर्ष अदालत आए।

'सेबी चेयरमैन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनेक फोन-कॉल आते हैं तथा वे पूछते हैं, "मार्केट रेग्यूलेटर की स्थिति अब कैसी है? क्या हम भारत के सिक्योरिटीज मार्केट पर भरोसा कर सकते हैं? मार्केट रेग्यूलेटर की ईमानदारी को लेकर क्या चल रहा है?

चक्रवर्ती ने जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस देश के स्टॉक मार्केट को बहुत मजबूत एवं विशाल रूप में देखना चाहती है।

उन्होंने कहा, "हम अपने स्टॉक मार्केट में विदेशी पूँजी को देखना चाहते हैं। यह देश के लिए अत्यावश्यक है। यह एक राष्ट्रीय महत्व का विषय है। मूल सवाल यह है कि यहाँ किसे बचाया जा रहा है? माधवी पुरी बुच के मामले में ई.डी. खामोश क्यों है?

चक्रवर्ती ने जोर देते हुए कहा, "यह एक राष्ट्रीय मुद्दा है। अगर विदेशी निवेशक चिन्तित हैं तथा मार्केट रेग्यूलेटर के अध्यक्ष पर लगे आरोपों की श्रृंखला के कारण, वे भारत के स्टॉक मार्केट की ईमानदारी के बारे में सन्देहों से भरे हुए हैं, तो क्या जाँच कराया जाना राष्ट्र-हित में नहीं होगा, जिससे इस मामले की जड़ तक पहुँचा जा सके तथा उसका समाधान किया जा सके।

पुराने एम.आर.ई.सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी तरह का आदेश नहीं दिया जा रहा है। वहीं यदि भविष्य में यहां कोई निर्माण होता है तो अदालत के सामने इसकी जानकारी देने पर उस पर विचार किया जा सकता है। राजस्थान के मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि यदि मामले में अब तक कोई निर्देश दिए गए हैं तो उन्हें तत्काल निरस्त किया जाता है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि एकलपीठ ने एक समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार के आधार पर गत 15 मई को स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया था। समाचार में गांधी नगर के पुराने एम.आर.ई.सी. परिसर में मास्टर प्लान के विपरीत बहुमंजिला इमारतों के निर्माण के प्रस्ताव की जानकारी दी गई थी। इससे हरित क्षेत्र के प्रभावित होने और आसपास मोर पक्षी होने की बात भी कही थी। अदालत ने कहा कि एकलपीठ का स्वप्रेरित प्रसंज्ञान आदेश काफी व्यापक स्तर का है। इसके अलावा अब तक ऐसा कुछ सामने नहीं आया, जिसे अंतरिम आदेश देने का आधार बनाया जा सके। समाचार में कुछ लोगों के कहने पर आरोप लगाया गया है, जबकि इन आरोपों को किसी भी प्रक्रिया के माध्यम से सत्यापित नहीं किया गया है।

दूसरी ओर महाधिवक्ता ने कहा कि वर्तमान में पुराने एम.आर.ई.सी. परिसर में बहुमंजिला बिल्डिंग निर्माण को लेकर कोई स्वीकृत योजना नहीं है। वहीं यदि भविष्य में यहां सरकारी अधिकारियों के आवास के लिए कोई बहुमंजिला बिल्डिंग बनाने का प्रस्ताव बनाया जाएगा तो उसे विधि अनुसार और मास्टर प्लान के हिसाब से सक्षम अधिकारी से अनुमति लेने के बाद ही बनाया जाएगा।

गौरतलब है कि एक समाचार पत्र में गत 14 मई को समाचार प्रकाशित किया गया था कि पुराने एम.आर.ई.सी. परिसर में 18 मंजिल के 6 टावर बनाने की योजना बनाई जा रही है, जो मास्टर प्लान के विपरीत है। इस समाचार पर एकलपीठ ने स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए गांधीनगर सहित अन्य संबंधित जगह पर बहुमंजिला निर्माण पर यथा स्थिति के आदेश दिए थे।

सिक्किमः सेना का वाहन खाई में गिरा, 4 शहीद

पाकयोंग (सिक्किम), 5 सितंबर। सिक्किम के पाकयोंग जिले में एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां सेना के एक वाहन के गहरी खाई में गिरने से 4 जवान शहीद हो गए।

यह हादसा तब हुआ जब सेना का वाहन ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी रास्ते पर यात्रा कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम बंगाल के पेडोंग से सिक्किम के ज़ुलुक जाते समय गुरुवार को सड़क दुर्घटना में कम से कम चार भारतीय सेना के जवानों की मौत हो गई।

यह दुर्घटना सिक्किम के पाकयोंग जिले में सिल्क रूट पर हुई। अधिकारियों ने बताया कि वाहन सड़क से फिसलकर लगभग 700 से 800 फीट नीचे खाई में गिर गया।

बढ़ते ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के कारण होने वाली फ्लैश फ्लड्स की घटनाएं तथा मलबा गंभीर खतरा पैदा कर सकती हैं।"

उदयपुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में आरोपी बनाया है। वह कन्हैयालाल की दुकान से कुछ दूरी पर स्थित चूड़ी की दुकान में काम करता है। यदि वह मौके पर रेकी करने जाता तो वहां लगे सी.सी.टी.वी. कैमरे में उसकी रिकॉर्डिंग होती। इसके अलावा, कॉल डिटेल के अनुसार, अपीलार्थी ने किसी को फोन नहीं किया था, बल्कि उसके पास फोन आया था और वह नंबर भी उसके पास सेव नहीं था। इसके अलावा, घटना के एक दिन पहले टी स्टॉल पर बैठकर षडयंत्र करना भी साबित नहीं है। इसका विरोध करते हुए एन.आई.ए. की ओर से कहा गया कि अपीलार्थी ने घटना के दिन मुख्य आरोपी को फोन कर कन्हैयालाल के दुकान पर होने की बात बताई थी। इसके बाद मुख्य आरोपियों ने आकर घटना को अंजाम दिया था। यदि उसे जमानत दी गई तो वह गवाहों को प्रभावित कर सकता है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद खंडपीठ ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

गौरतलब है कि 28 जून, 2022 को उदयपुर में कन्हैयालाल टेलर की हत्या कर उसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल किया गया था। मामले में एन.आई.ए. ने जांच करते हुए रियाज़ अत्तारी और गौस मोहम्मद सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ एन.आई.ए. कोर्ट में आरोप पत्र पेश किया था।

पूर्व में आरोपी फरहाद मोहम्मद को भी जमानत मिल चुकी है। जबकि मामले में पाक निवासी आरोपी सलमान और अबू इब्राहिम फरार चल रहे हैं।

केन्द्रीय मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि शिवाजी महाराज की प्रतिमा के निर्माण में केवल 1.5 करोड़ रुपया खर्च किया गया, जबकि, राज्य के कोष से इस काम के लिए "236 करोड़ रुपए" लिए गए थे।

पुतिन ने यूक्रेन और रूस के बीच मध्यस्थता में भारत की भूमिका को अहम बताया

- **पुतिन ने भारत के अलावा चीन और ब्राजील का भी नाम लिया और कहा, ये देश वैश्विक स्तर पर शांति और स्थिरता के प्रबल प्रर्वतक हैं।**
- **पुतिन ने कहा, वे यूक्रेन संघर्ष के मुद्दे पर तीन देशों.. भारत, चीन और ब्राजील के संपर्क में हैं और इसे सुलझाने के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं। रूसी समाचार एजेंसी 'तास' ने पुतिन के हवाले से अपनी खबर में कहा, "हम अपने मित्रों और साझेदारों का सम्मान करते हैं। हम.. मुख्य रूप से चीन, ब्राजील और भारत, इस संघर्ष से जुड़े सभी मुद्दों को ईमानदारी से सुलझाना चाहते हैं।**

मॉस्को, 5 सितंबर। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन से साथ जारी युद्ध के बीच मध्यस्थता को लेकर बड़ा बयान दिया है। पुतिन ने कहा है कि भारत दोनों देशों के बीच बातचीत में बड़ी भूमिका निभा सकता है। उन्होंने भारत के अलावा, चीन और ब्राजील का भी नाम लिया। पुतिन ने कहा कि भारत, चीन, और ब्राजील जैसे देश रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए मध्यस्थता करा सकते हैं। उन्होंने इन देशों को वैश्विक मंच पर स्थिरता और शांति के समर्थक बताते हुए कहा कि उनके माध्यम से संघर्ष को सुलझाने के प्रयास किए जा सकते हैं।

पुतिन ने कहा कि वह यूक्रेन संघर्ष के मुद्दे पर तीन देशों.. भारत, चीन और ब्राजील के संपर्क में हैं और इसे सुलझाने के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं। रूसी समाचार एजेंसी 'तास' ने पुतिन के हवाले से अपनी खबर में कहा, "हम अपने मित्रों और साझेदारों का सम्मान करते हैं। हम.. मुख्य रूप से चीन, ब्राजील और भारत इस संघर्ष से जुड़े सभी मुद्दों को ईमानदारी से सुलझाना चाहते हैं। मैं इस मुद्दे पर अपने सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में रहता हू।"

रूस के राष्ट्रपति ने यह भी माना कि यूक्रेन की स्थिति जटिल है, और सीधा समाधान खोजना आसान नहीं है। लेकिन, भारत, चीन और ब्राज़ील जैसे देशों के बीच मध्यमार्गी दृष्टिकोण और वैश्विक कूटनीतिक भूमिका के कारण ये देश मध्यस्थता में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध के पहले सप्ताहों में तुर्कए के इस्तांबुल रूसी और यूक्रेनी पक्ष के बीच वार्ता हुई थी।

मोदी ने सिंगापुर की सेमीकंडक्टर कंपनी ए.ई.एम. का दौरा किया

- **सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वॉन्ग भी मोदी के साथ मौजूद रहे।**
- **प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर की सेमीकंडक्टर कंपनियों को 11-13 सितंबर को ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाली सेमीकॉन इंडिया प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।**

सिंगापुर, 5 सितंबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वॉन्ग के साथ सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में सिंगापुर की अग्रणी कंपनी एईएम का आज दौरा किया। विदेश मंत्रालय ने यहां बताया कि मोदी को वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में एईएम की भूमिका, इसके संचालन और भारत के लिए कंपनी की योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। सिंगापुर सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री एसोसिएशन ने सिंगापुर में सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के विकास और भारत के साथ सहयोग के अवसरों पर जानकारी साझा की। इस क्षेत्र की कई अन्य सिंगापुरी कंपनियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिंगापुर की सेमीकंडक्टर कंपनियों को 11-13 सितंबर को ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाली सेमीकॉन इंडिया प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के हमारे प्रयासों और इस क्षेत्र में सिंगापुर की ताकत को देखते हुए, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार करने का निर्णय लिया है। भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन की दूसरी बैठक के दौरान, दोनों पक्ष द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के लिए एडवांस मैन्युफैक्चरिंग को जोड़ने पर सहमत हुए।

चीन ने चुपचाप, बिना किसी हो हल्ला के डैंग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सितारा डूबता-उतरता रहा, क्योंकि, अपने करीबी सहयोगियों को लेकर-माओ के विचार, विश्वास के शक्कीपन के बीच झूलते रहते थे।

राष्ट्रों और देशों के जीवन में, कई बार कुछ लोग ऐसे आते हैं जो अपने देशवासियों की कई पीढ़ियों को सम्मोहित कर सकते हैं। हिटलर अपने देश को समोहित कर सकता था और उसने कुछ ऐसे अतिक्रूरतापूर्ण काम किए, जिनका जर्मनी जैसा सभ्य राष्ट्र भी विरोध नहीं कर सका। माओ में भी इतना करिशमा रहा होगा कि उनके कुछ अति विचित्र विचारों का भी विरोध नहीं हुआ और सुधार व क्रांति के नाम पर, किसी गुलाम की तरह देश ने उनका विरोध नहीं किया।

अपना स्थान सुदृढ़ करने के बाद, माओ ने बड़ी निर्दयता के साथ कम्युनिस्ट रिवोल्यूशन को विधिपूर्वक संपादित करने में अपनी पूरी सनकी ऊर्जा लगा दी। निरंकुश सत्ता व नियंत्रण हासिल करने के लिए उन्होंने "प्रोलिटेरियन शासन" के अपने सिद्धांत को आगे बढ़ाया और मामूली सा भी विरोध या उसका डर तक पनपने से पहले ही खत्म कर दिया।

इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए माओ ने अपने सबसे विश्वासपात्र सदयोगियो तक को बन्दी बनाया। इनमें डैंग शिपिंग और जाओ एनलाई दोनो शामिल थे।

माओ इतने चतुर थे कि उन्हें पता था कि दोनों का अलग-अलग समय पर क्या महत्व हो सकता था।

माओ ने कम्युनिस्ट क्रांति के बाद जो नया राज्य बनाया था उसके लिए जाओ बहुत जरूरी थे। माओ ने जाओ को बर्दाशत किया साथ ही साथ वे उनके पर भी कतरते रहे।

डैंग शिपिंग के मामले में माओ ज्यादा ही निष्ठुर थे, माओ को संदेह था कि डैंग उनके विचारों के प्रति निष्ठावान नहीं हैं और इसलिए डैंग और उनके परिवार को काफी कुछ सहना पड़ा। जब डैंग को अपने परिवार की जरूरत थी तब उनके परिवार को उनसे मिलने नहीं दिया गया। डैंग के बड़े बेटे को इतना परेशान किया गया कि वह पूछताछ कैम्प से भाग निकला और इतना घायल हो गया कि जीवन भर के लिए अयोग्य हो गया।

माओ ने कई बार डैंग को मजबूर किया कि वे सार्वजनिक मंच से खुद की आलोचना करें लेकिन साथ ही साथ उन्होंने कई बार डैंग की जान बचाई खासकर "गैंग ऑफ फोर" से।

जब माओ को लगा कि उनका अंतिम समय है तो उन्होंने डैंग की बजाय हुआ गुओ के अपना उत्तराधिकारी बनाया तथा उन्हें पार्टी और मिलैट्री कमेटी का चेयरमैन बना दिया।

लेकिन डैंग की तुलना में हुआ कमज़ोर थे। हालांकि हुआ और उनके विश्वस्तों ने "गैंग ऑफ फोर" को पकड़ लिया था, फिर डैंग को पुनः सत्ता में प्रमुख पद दिया गया क्योंकि सभी वरिष्ठ नेताओं का मत था कि सिर्फ डैंग ही सबको साथ लेकर चल सकते हैं। डैंग ने कम्युनिष्ट पार्टी के दलों को भी भेजा और उन्हें विकसित और पूंजीपति देशों का एक्सपोज़र तथा उनकी रिपोर्ट के आधार पर चीन को दुनिया के लिए खोलने का विचार किया गया। कम्युनिस्ट नेताओं को लगता था कि पूंजीवादी पचिमी देशों का पतन हो रहा है यहां वकर्स को शोषण हो रहा है। वे असंतुष्ट हैं, पर जब वे वहां गए तो उन्होंने देखा कि यहां श्रमिक चीन की तुलना में ज्यादा अच्छी स्थिति में है।

उन्होंने यह भी देखा कि पश्चिमी देश चीन के साथ काम करने को तैयार हैं और वो चीन में निवेश करना चाहते हैं। अमेरिका से आए एक प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि अमेरिकन उद्योग चीन में 18 अरब डॉलर्स का निवेश करना चाहते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि चीन को निवेश की अनुमति दे देनी चाहिए। जब यह रिपोर्ट डैंग को दी गई तो उन्होंने कहा "18 अरब डॉलर क्यों, 81 या 181 अरब डॉलर क्यों नहीं।" चीन के लिए यह था देंग का विज़न।

आज शी एक अलग मार्ग पर हैं। वे दुनिया के लिए चीन के खुले दरवाजों की नीति को कमज़ोर कर रहे हैं ओपन मार्केट और ओपन इकोनॉमी में डैंग मॉडल को फॉलो करने के बाद चीन काफी आगे बढ़ा इतना तो डैंग ने भी नहीं सोचा था। आज चीन बहुत ताकतवर है।

चीन की विदेश नीति भी अब बेहद आक्रामक है। जबकि डैंग के समय में चीन का रुख बेहद दोस्ताना था। चीन अब अपने फायदे के लिए विवाद खड़े करता है। इस नए दृष्टिकोण का रिज़ल्ट भी उतना ही अनिश्चित है जितना अनिश्चित चीन देंग के जमाने में थे।

धर्म के नाम पर वन भूमि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा कराई जाए। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र, सुदर्शन तीर्थ की याचिका और शंकर लाल की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि जब संबंधित पहाड़ याचिकाकर्ता से संबंधित नहीं है तो उनकी ओर से किस अधिकार से पहाड़ खोदा गया। याचिकाकर्ता ने आरंभ में राजस्व रिकॉर्ड में गैर मुमकिन पहाड़ के रूप में दर्ज इस भूमि को आवंटित करने के लिए विभाग में आवेदन किया था, जिससे जाहिर है कि उन्हें इस बात की जानकारी थी कि यह गैर मुमकिन पहाड़ है। इसके अलावा, अदालत ने कहा कि श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र, सुदर्शन तीर्थ की याचिका इस आधार पर भी खारिज की जानी चाहिए कि उन्होंने अपनी याचिका में इस बात का खुलासा नहीं किया कि मामले में अतिक्रमण को लेकर जनहित याचिका लंबित है।

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र, सुदर्शन तीर्थ की ओर से याचिका दायर कर कहा गया था कि टोंक के दूनी में पहाड़ पर महावीर स्वामी और पार्श्वनाथ की मूर्तियां जमीन के नीचे से निकली हैं। जैन शास्त्रों के अनुसार यह सैकड़ों साल पुरानी हैं। ऐसे में यह याचिकाकर्ता को दी जाए।

दूसरी तरफ शंकर लाल की ओर से दायर जनहित याचिका में कहा गया कि इस धार्मिक स्थल ने वन विभाग की इस जमीन पर कब्जा कर रखा है। राजस्व रिकॉर्ड में यह गैर मुमकिन पहाड़ के रूप में दर्ज है। वन विभाग भी मामले में एफ.आई.आर. दर्ज करा चुका है और पेनल्टी भी लगा चुका है। सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने याचिका को खारिज कर याचिकाकर्ता पर पांच लाख रुपए का हर्जाना लगाया है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908